संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

दैनिक घटती घटना

Www.ghatatighatana.com
Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 19,अंक -238 शुक्रवार ,30 जून 2023,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

भारत-अमेरिका के बीच ड्रोन सौदे को लेकर सवाल खड़ा

अन्य देशों के मुकाबले 27 फीसदी कम कीमत में किलर ड्रोन खरीद रहा भारत

» अब तक शुरू नहीं हुई बातचीतःसूत्र

नई दिल्ली,29 जून 2023(ए)। भारत-अमेरिका के बीच ड्रोन सौदे को लेकर विपक्षी पार्टी कांग्रेस ने सवाल खड़े किए और खरीद समझौते में पूरी पारदर्शिता की मांग की थी। इस बीच, एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने गुरुवार को दावा किया भारत के लिए एमक्यू-9बी प्रीडेटर यूएवी ड्रोन की उन अन्य देशों की कीमत से 27 फीसदी कम कीमत में खरीद रहा है, जिन्होंने इसे अमेरिका से खरीदा है।

उन्होंने आगे इस बात पर जोर दिया कि भारत अगर अतिरिक्त उपकरण की मांग नहीं करता है तो बातचीत के दौरान इसकी कीमत और नीचे जा सकती है।

क्या है कांग्रेस का आरोप?

कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा सर्वोपरि है और प्रीडेटर ड्रोन सौदे पर कई संदेह उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा था कि हम इस प्रीडेटर ड्रोन सौदे में पूरी पारदर्शिता की मांग करते हैं। भारत को महत्वपूर्ण सवालों के जवाब चाहिए। वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने बताया कि अबतक मूल्य निर्धारण के मुद्दे पर बातचीत शुरू नहीं हुई है, क्योंकि रक्षा अधिग्रहण परिषद ने 31 एमक्यू-9बी प्रीडेटर यूएवी ड्रोन खरीदने के समझौते को मंजूरी दी थी। साथ ही उन्होंने कहा कि कीमत का मुद्दा इसका हिस्सा नहीं है। हालांकि, अमेरिकी सरकार द्वारा बनाए गए ड्रोन की अनुमानित लागत 3,072 मिलियन यूएस डॉलर है।

सूत्र के मुताबिक, हर एक ड्रोन की अनुमानित लागत लगभग 99 मिलियन अमेरिकी डॉलर है। साथ ही उन्होंने बताया कि संयुक्त अरब अमीरात (़श्व) को प्रति ड्रोन 161 मिलियन यूएस डॉलर की लागत आई थी।

उन्होंने कहा कि भारत जिस एमक्यू-9बी ड्रोन को खरीदना चाहता है, वह यूएई के बराबर है, लेकिन उसका कॉन्फ़िगरेशन यूएई वाले ड्रोन की तुलना में काफी बेहतर है।

ड्रोन समझौता

भारत और अमेरिका ने 31 हाई एल्टीट्यूड लॉन्ग एंड्योरेंस ड्रोन के लिए तीन अरब डॉलर के सौदे पर हस्ताक्षर किए हैं, जिनमें से नौसेना को 15 सीगार्जियन ड्रोन मिलेंगे, जबकि थलसेना और वायुसेना को आठ-आठ स्काईगार्जियन प्राप्त होंगे।

यूके ने ड्रोन के लिए कितना पैसा किया खर्च ?

यूके द्वारा खरीदे गए सोलह में से एक ड्रोन की कीमत 69 मिलियन यूएस डॉलर थी, लेकिन यह ग्रीन एयरक्राफ्ट था। जिसका तात्पर्य है कि यह विमान निर्माण के तत्काल बाद दिया गया है और इसमें सेंसर, हथियार जैसी सुविधाएं उपलब्ध नहीं है। ऐसे में गुरुवार को रक्षा मंत्रालय के सूत्र ने स्पष्ट किया कि 31 एमक्यू 9 बी ड्रोन की खरीद से वायु सेना भी सहमत है। वस्तुतः यह अमेरिकी ड्रोन भारत को पाकिस्तान और चीन जैसे पड़ोसी देशों की गतिविधियों से मुकाबले के लिए ज्यादा मजबूती से तैयार करेगा।

और कम हो सकती है ड्रोन की कीमत

अधिकारी ने यह भी बताया कि फिलहाल एक ड्रोन की कीमत 99 मिलियन डॉलर मानी जा रही है जो ब्रिटेन, यूएई, मोरक्को जैसे देशों को दिए गए कीमत के मुकाबले काफी कम है।

अधिकारी ने यह भी संकेत दिया कि जब बात कीमत पर बातचीत शुरू होगी तो इसकी कीमत और नीचे आ सकती है बशर्ते भारत उसमें कुछ और अत्याधुनिक उपकरण लगाना चाहे।

अधिकारी ने आशंका जताई कि इस उन्नत ड्रोन की खरीद से भारत की रक्षा क्षमता में होने वाली बढ़ोत्तरी से कुछ देश परेशान होंगे और वह नही चाहेंगे कि यह सौदा हो।

बहरहाल दोनो देशों के बीच पूरा समझौता और सौदा होने के बाद भारत 11 ड्रोन तत्काल खरीदेगा और बाकी का निर्माण भारत में होगा। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यह सौदा अमेरिका के फारेन मिलिट्री सेल्स के तहत हो रही है जिसमें केवल मित्र देशों को यह सुविधा दी जाती है। इस सौदे में अमेरिकी सरकार कोई मुनाफा नहीं कमाएगी।

अब राजस्थान में भी छत्तीसगढ़ फार्मूला अपनाएगी कांग्रेस

छत्तीसगढ़ फार्मूले के बाद राजस्थान में गहलोत-पायलट विवाद हल करने पर विचार

» कांग्रेस हाईकमान ने बुलाई बैठक

नई दिल्ली,29 जून 2023(ए)। छत्तीसगढ में टीएस सिंह देव को उपमुख्यमंत्री बनाकर प्रदेश कांग्रेस की रस्साकशी खत्म करने की पार्टी हाईकमान की पहल के बाद अब राजस्थान में भी मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट के झगड़े का समाधान निकलने की उम्मीदें बढ़ गई हैं।

छत्तीसगढ के सफल प्रयोग के बाद राजस्थान में सत्ता-संगठन के बीच लंबे समय से जारी उठापटक को खत्म कर विधानसभा चुनाव की रणनीति तय करने के लिए कांग्रेस हाईकमान ने प्रदेश के शीर्ष नेताओं की तीन जुलाई को बैठक बुलाई है।

बैठक में कौन-कौन रहेगा मौजूद?

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की ओर से बुलाई जा रही यह बैठक पहले शनिवार को प्रस्तावित थी, मगर अब यह सोमवार को होगी। अशोक गहलोत और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के साथ ही सचिन पायलट भी बैठक में शामिल होंगे। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी और संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल के अलावा राजस्थान के कांग्रेस प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा भी इस अहम बैठक में शिरकत करेंगे।

बेशक यह बैठक इस साल के आखिर में होने वाले विधानसभा चुनाव की रणनीति पर चर्चा के लिए बुलाई गई है, मगर इसमें गहलोत-पायलट के बीच लंबे समय से चल रहे विवाद का हल निकालने का मसला प्राथमिकता में होगा। राजस्थान के अगले चुनाव में कांग्रेस दुबारा सत्ता में वापसी का चाहे दम भर रही हो पर यह भी वास्तविकता है कि इसके लिए सचिन पायलट की नाराजगी की अनदेखी करने का जोखिम पार्टी नहीं ले सकती।

समाधान के फार्मूले पर बनी थी सहमति

अशोक गहलोत और सचिन पायलट के बीच कांग्रेस हाईकमान ने मध्यस्थता करते हुए सुलह बैठक कराई थी और समाधान का फार्मूला निकालने पर सहमति बनी थी। इसके मद्देनजर ही यह उम्मीद की जा रही है कि कांग्रेस नेतृत्व सचिन पायलट को भी टीएस सिंह देव की तर्ज पर उनके राजनीतिक कद के हिसाब से सम्माजनक जिम्मेदारी देगा।छत्तीसगढ में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने जैसे ही ढाई साल का कार्यकाल पूरा किया उसके बाद सिंह देव ने पार्टी नेतृत्व पर बाकी बचे आधे समय के लिए सीएम बनाने का दबाव बनाना शुरू कर दिया।

टीएस सिंह देव को बनाया गया उपमुख्यमंत्री

पिछले दो साल में कई मौकों पर छत्तीसगढ में सत्ता सियासत की यह रस्साकशी सामने आयी और आखिरकार बुधवार को मल्लिकार्जुन खरगे व राहुल गांधी के साथ सूबे के शीर्ष नेताओं की बैठक हुई जिसके बाद हाईकमान ने टीएस सिंह देव को डिप्टी सीएम बनाने का एलान किया। इसलिए संभावना जताई जा रही है कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के नेतृत्व में विधानसभा चुनाव लड़ने का इरादा तय कर लेने के बावजूद पार्टी नेतृत्व सचिन पायलट की अनदेखी नहीं करेगा और सूबे के नेताओं संग बैठक के बाद पायलट को सत्ता-संगठन में अहम भूमिका देने का फार्मूला निकाला जाएगा।

तमिनाडु के मंत्री वी सेंथिल बालाजी मंत्रिपरिषद से बर्खास्त

» राज्यपाल आरएन रवि ने की कार्रवाई

चेन्नई,29 जून 2023 (ए)। तमिलनाडु सरकार में मंत्री वी सेंथिल बालाजी को मंत्रिपरिषद से बर्खास्त कर दिया गया है। तमिलनाडु राजभवन ने कहा, मंत्री वी सेंथिल बालाजी नौकरियों के लिए नकद लेने और मनी लॉन्ड्रिंग सहित भ्रष्टाचार के कई मामलों में गंभीर आपराधिक कार्यवाही का सामना कर रहे हैं। ऐसी परिस्थितियों में, राज्यपाल ने उन्हें तत्काल प्रभाव से मंत्रिपरिषद से बर्खास्त कर दिया है

एमके स्टालिन सरकार में मंत्री आरएन रवि पर मनीलॉन्ड्रिंग के मामले में कार्रवाई की गई थी। वे फिलहाल जेल में बंद हैं। बृहस्पतिवार को तमिलनाडु के राज्यपाल आर एन रवि ने मंत्रि परिषद से बर्खास्त कर दिया। इससे पहले राज्यपाल आर एन रवि ने वी सेंथिल बालाजी के विभागों को दूसरे मंत्रियों को बांट दिया था। जिसको लेकर सरकार और राजभवन के बीच टकराव की स्थिति पैदा हो गई

थी।दरअसल, 14 जून को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने तमिलनाडु के मंत्री वी सेंथिल बालाजी के विरुद्ध 14 जून को मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (क्क्क) के तहत कार्रवाई की थी। इससे पहले ईडी ने मनीलॉन्ड्रिंग मामले में जांच के तहत द्रमुक के कद्दावर नेता बालाजी से जुड़े परिसरों पर मंगलवार को छापेमारी की थी। तमिलनाडु में नौकरी के बदले कैश वसूली के मामले में जांच तब शुरू हुई जब सुप्रीम कोर्ट ने एक आदेश जारी कर जांच की अनुमति दी।

वी सेंथिल के मंत्रिपरिषद से बर्खास्त होने पर डीएमके की ओर पहली प्रतिक्रिया आई है। छ्रस्न्य नेता सरवनन अन्नादुरई ने कहा है कि सेंथिल बालाजी को बर्खास्त करने वाले राज्यपाल कौन होते हैं। सरवनन ने एक बयान में कहा, ÷राज्यपाल के पास क्या अधिकार है? वह सनातन धर्म के अनुसार कार्य कर रहे हैं लेकिन सनातन धर्म हमारे देश का कानून नहीं है। हमारा संविधान हमारी बाइबिल, गीता, कुरान है। हम उनसे अनुरोध करते हैं कि वे संविधान को ठीक से पढ़ें। उनके पास अधिकार नहीं है, वह अपने आकाओं को खुश करने के लिए इस तरीके से काम कर रहे हैं।÷

माफिया अतीक अहमद से जब्त की गई जमीन पर 73 गरीबों के लिए घर बनवाया मुख्यमंत्री ने

सीएम योगी आज सौंपेंगे चाबी

प्रयागराज,29 जून 2023(ए)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 30 जून को यहां एक विशेष कार्यक्रम में मारे गए माफिया-राजनेता अतीक अहमद से जब्त की गई जमीन पर गरीबों के लिए निर्मित 76 किफायती आवास इकाइयों के चयनित लाभार्थियों को चाबियां सौंपेंगे। वह जिले में 750 करोड़ रुपये की 250 से अधिक विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास भी करेंगे। योगी आदित्यनाथ ने 26 दिसंबर, 2021 को शहर के लूकरगंज इलाके में 1731 वर्ग मीटर की इस साइट पर आवास परियोजना की आधारशिला रखी थी। अक्टूबर 2021 में, प्रयागराज विकास प्राधिकरण (पीडीए) ने भूमि के इस भूखंड पर प्रधान मंत्री आवास योजना (पीएमएवाई) के तहत घरों के निर्माण के लिए एक खाका तैयार किया था, जिसे 2021 में माफिया-राजनेता अतीक अहमद के कब्जे से मुक्त कराया गया था। बहुमंजिला इमारतों में 75 फ्लैट बनाए गए हैं और प्रत्येक फ्लैट 34.09 वर्ग मीटर के क्षेत्र में बनाया गया है। यहां एक सामुदायिक भवन एवं एक पार्क भी बनाया गया है। आवासीय योजना में इन फ्लैटों के लिए 6,030 लोगों ने आवेदन किया था। प्रयागराज विकास प्राधिकरण (पीडीए) ने पहले आपत्तियां भी आमंत्रित की थीं।आपत्तियों का निस्तारण करने के बाद पीडीए ने आखिरकार 1590 पात्र उम्मीदवारों की सूची के साथ लॉटरी की तारीख की घोषणा की थी। 76 अंतिम लाभार्थियों का चयन करने के लिए 9 जून को लॉटरी निकाली गई, जिन्हें अब 30 जून को उनके घरों की चाबियां मिलेंगी।

यहां स्कूल कार्यालयों में जींस,टी शर्ट पहनने पर लगा प्रतिबंध

पटना,29 जून 2023(ए)। बिहार में नए शिक्षण सत्र की शुरूआत हो चुकी है और सभी स्कूलों में शाला प्रवेशोत्सव मनाया जा रहा है। इस बीच बिहार के शिक्षा विभाग ने स्कूलों कार्यालय में संस्कृति में सुधार लाने के लिए शिक्षकों एवं शिक्षा विभाग से जुड़े अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए नई गाईडलाईन जारी की है । नए नियम के तहत जींस और टी शर्ट पहन कर स्कूल कार्यालय आने पर प्रतिबंध लगाया गया है। विभाग द्वारा जारी एक आदेश में औपचारिक परिधान पहनकर कार्यालय आने को कहा गया है। शिक्षा विभाग के निदेशक सुबोध कुमार चौधरी द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि अक्सर देखा गया है कि पदाधिकारी, कर्मचारी कार्यालय संस्कृति के विरुद्ध कैजुअल ड्रेस में कार्यालय आ रहे हैं, जो कार्यालय की गरिमा के लिए सही नहीं है। इसलिए विभाग ने सारे पदाधिकारियों को फॉर्मल ड्रेस में आने के आदेश दिए जा रहे हैं। इस आदेश की प्रति सभी अधिकारियों को भेजी गई है।

रसोई गैस के दाम कम होंगे और क्रेडिट कार्ड नियम बदलेगा

नई दिल्ली,29 जून 2023 (ए)। जुलाई की पहली तारीख को कई नियमों में बदलाव होने जा रहा है। जिसका सीधा असर जनता के बजट पर पड़ेगा। एक जुलाई से कई तबदीली हो रही है। इनका सीधा संबंध जनता की पॉकेट पर पड़ेगा। इसमें एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमत से लेकर सीएनजी-पीएनजी की कीमतें भी बदलाव शामिल हैं।जो 1 जुलाई से होने जा रहे हैं।

एलपीजी रसोई गैस की कीमतों में बदलाव

रसोई गैस की कीमतों में सरकारी तेल कंपनियां हर महीने की पहली तारीख को तबदीली करती हैं।हर महीने की पहली तारीख को एलपीजी गैस की कीमतें निश्चित की जाती है।

विगत मई और अप्रैल में पहली तारीख को 19 किलो वाले कमर्शियल एलपीजी रसोई गैस सिलेंडर के दाम में कमी की गई थी। हालांकि 14 किलो वाले व्यावसायिक एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमतों में कोई कटौती नहीं हुआ था। 1 जून को एलपीजी गैस वाली पेट्रोलियम कंपनियों ने एलपीजी के रेट में बदलाव किये थे । जिससे एलपीजी सिलेंडर सस्ता हो गया था। 19 किलोग्राम के कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमत में 83.50 रुपये की कटौती की गई थी, जबकि घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत में कोई कटौती नहीं हुआ था।

क्रेडिट कार्ड के नए नियम

विदेश में क्रेडिट कार्ड के उपयोग पर एक जुलाई, 2023 से टीसीएस शुल्क लागू किया जा सकता है। अर्थात क्रेडिट कार्ड से 7 लाख रुपये से अधिक राशि का उपयोग होने पर 20 फीसद टीसीएस देना होगा । जबकि एजुकेशन हेल्थ व्यय पर 5 फीसद टीसीएस का भुगतान करना होगा।। विदेश में शिक्षा हेतु ऋण लेने वाले टैक्सपैयर्स को 7 लाख से अधिक राशि पर 0.5 फीसदी टीसीएस देना होगा

राहुल गांधी को नहीं मिली हिंसा प्रभावित इलाकों में जाने की इजाजत

इंफाल,29 जून 2023(ए)। मणिपुर में गुरुवार को मचे बवाल के बाद कांग्रेस नेता राहुल गांधी एयरपोर्ट वापस लौटे । वह आज दो दिन के दौरे के लिए मणिपुर आए थे, लेकिन उन्हें इंफाल से 20 किमी की दूरी पर बिष्णुपुर जिले में रोक दिया गया। इसे लेकर उनके समर्थकों ने हंगामा शुरू कर दिया और बैरिकेड्स तोड़ने की कोशिश की।

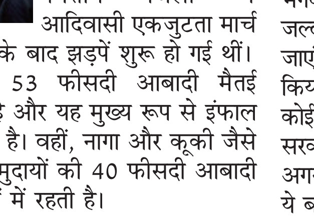

मिली जानकारी के अनुसार राहुल गांधी इंफाल से हिंसा प्रभावित चुराचंदपुर जिले जा रहे थे, लेकिन अशांति का हवाला देकर उन्हें जाने से रोक दिया गया। जिसके बाद वह एयरपोर्ट के लिए वापस लौट गए।कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने भी इस पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने सवाल करते हुए कहा कि समझ नहीं आ रहा कि राहुल गांधी को क्यों रोका गया है। उन्होंने कहा, ÷राहुल गांधी के काफिले को पुलिस ने बिष्णुपुर जिले में रोक दिया है। सड़क के दोनों तरफ लोगों का जमावड़ा लगा है, जो राहुल गांधी को देखकर हाथ हिला रहे हैं। हमें समझ नहीं आ रहा है कि हमें क्यों रोका गया है?

मणिपुर में मैतई और कूकी समुदाय के बीच भड़की जातीय हिंसा के कारण राज्य में काफी तनाव की स्थिति है। ऐसे में यहां पैरामिलिट्री फोर्स भी तैनात की गई हैं। राज्य में अनुसूचित जनजाति (स्ञ्) का दर्जा देने के मैतई समुदाय की मांग के विरोध में 3 मई को पर्वतीय जिलों में आदिवासी एकजुटता मार्च के आयोजन के बाद झड़पें शुरू हो गई थीं। मणिपुर की 53 फीसदी आबादी मैतई समुदाय की है और यह मुख्य रूप से इंफाल घाटी में रहती है। वहीं, नागा और कूकी जैसे आदिवासी समुदायों की 40 फीसदी आबादी पर्वतीय जिलों में रहती है।

चिटफंड कंपनी परल में फंसे लोगों के पैसे मिलेंगे वापिस

पंजाब सरकार ने कब्जे में ली कंपनी की प्रॉपर्टियां

चंडीगढ़ ,29 जून 2023(ए)। भ्रष्टाचार के खिलाफ राज्य में मान सरकार ने हल्ला बोल दिया है। मान सरकार ने चिटफंड कंपनी 'परल' की पंजाब में मौजूद सभी प्रॉपर्टियों को अपने कब्जे में लेने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। सरकार द्वारा लिया गया ये बड़ा फैसला सीएम भगवंत मान ने ट्वीट भी किया है।

ट्वीव में लिखी ये बात

भगवंत मान ने ट्वीट करते हुए लिखा कि इस मामले की कार्रवाई पूरी होते ही जल्द नीलामी कर दी जाएगी। साथ ही जनता को उनके पैसे वापस लौटाए जाएंगे। सीएम मान के इस ट्वीट को दिल्ली के सीएम केजरीवाल ने भी रीट्वीट किया है। उन्होंने अपने ट्वीट में लिखा कि ये वह काम है जो कि आज तक कोई भी सरकार नहीं कर पाई है। उन्होंने अपने ट्वीट में कहा कि किसी भी सरकार की नियत ही नहीं थी। पुरानी सरकारें उस ग्रुप के साथ जुड़ी हुई थी। अगर हम लाखों लोगों को उनके पैसे वापस दिलाने में कामयाब हो जाते हैं तो ये बहुत बड़ा काम होगा। उन लाखों लोगों की दुआएं मिलेंगी।

त्रिपुरा में भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा के दौरान हाईटेंशन लाइन से उतरा करंट

7 की मौत- 15 झुलसे

अगरतला,29 जून 2023 (ए)। त्रिपुरा के उनाकोटि जिले में एक हाईटेंशन तार के संपर्क में आने के बाद एक रथ में आग लगने से 7 लोगों की मौत हो गई और 15 अन्य झुलस गए। पुलिस ने बताया कि यह घटना भगवान जगन्नाथ के 'उल्टा रथ यात्रा' उत्सव के दौरान कुमारघाट इलाके में शाम करीब साढ़े चार बजे हुई। इस त्योहार के दौरान, भगवान बलभद्र, देवी सुभद्रा और भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा के एक सप्ताह बाद अपने मुख्य मंदिर लौट आते हैं। पुलिस ने बताया कि लोहे से बने रथ को हजारों लोग खींच रहे थे, तभी यह 133 केवी ओवरहेड केबल के संपर्क में आ गया। सहायक महानिरीक्षक (कानून एवं व्यवस्था) ज्योतिषमान दास चौधरी ने बताया कि सात लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और 15 अन्य झुलस गए। उन्होंने बताया कि घायलों का नजदीकी अस्पताल में इलाज चल रहा है। अधिकारियों ने कहा कि उनकी हालत गंभीर बताई गई है। मुख्यमंत्री माणिक साहा ने लोगों की मृत्यु पर दुख व्यक्त किया।

उन्होंने कहा, कुमारघाट में एक दुखद दुर्घटना में, 'उल्टा रथ' खींचते समय करंट लगने से कई श्रद्धालुओं की जान चली गई और कई अन्य घायल हो गए। मैं इस घटना से बहुत दुखी हूं। शोक संतप्त परिवार के प्रति गहरी संवेदना। साथ ही, मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। राज्य सरकार इस मुश्किल समय में उनके साथ खड़ी है।

संपादकीय

कटिंग-एज तो नहीं

रणनीतिक क्षेत्र में भारत में अमेरिकी नौसैनिक बेड़ों को मरम्मत की सुविधा देने पर बनी सहमति को एक अहम घटना समझा जाएगा। इसका अर्थ है कि भारत ने अमेरिकी सेना के अभियानों में अपनी जमीन का इस्तेमाल करने की इजाजत देने की शुरुआत कर दी है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका दौरे का प्रतीकात्मक या मोदी के लिए राजनीतिक महत्त्व चाहे जो हो, लेकिन इससे भारत को तकनीक या आर्थिक क्षेत्र में कोई लाभ हुआ, यह कहने का कोई ठोस आधार नहीं है। रणनीतिक क्षेत्र में भारत में अमेरिकी नौसैनिक बेड़ों को ÷मरम्मत की सुविधा÷ देने पर सहमति बनी, उसे जरूर एक अहम घटना समझा जाएगा। इसका अर्थ यह है कि भारत ने अमेरिकी सेना के अभियानों में अपनी जमीन का इस्तेमाल करने की इजाजत देने की शुरुआत कर दी है। लेकिन जीई और एचएएल कंपनियों के बीच हलके लड़ाकू विमानों के इंजन को साझा तौर पर बनाने का करार उतनी बड़ी बात नहीं है, जितना भारतीय मीडिया में बताया गया है। हलके लड़ाकू विमान के इंजनों को बनाने के लिए करार के साथ जीई कंपनी ने जो बयान जारी किया, खुद उसमें उल्लेख है कि इन दोनों कंपनियों के बीच साझा उत्पादन 1986 से चल रहा है। इसके तहत जीई-404 इंजनों का निर्माण एक दशक से पहले ही किया जा चुका था। इस बार ये कंपनी बौद्धिक संपदा भी साझा करेगी, इसका कोई जिक्र उस बयान में नहीं है। तो इस समझौते को अधिक से अधिक पहले से जारी व्यापारिक सहयोग में एक प्रगति भर कहा जा सकता है।

तीन बिलियन डॉलर के खर्च से भारत ने जिन एमक्यू रीपर ड्रोन्स को खरीदने का फैसला किया है, उनके बारे में रक्षा विशेषज्ञों ने कहा है कि उनमें मौजूद तकनीक पुरानी पड़ चुकी है। यानी भारत को जो तकनीक मिलने जा रही है, उसे अति-आधुनिक (कटिंग-एज) नहीं कहा जा सकता। इनके अलावा आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, क्वांटम कंप्यूटिंग, 5-जी/6-जी, बायोटेक, अंतरिक्ष और सेमीकंडक्टर्स के क्षेत्र में सहयोग के बारे में जो बातें कही गई हैं, फिलहाल वे एक अच्छा इरादा से ज्यादा कुछ नहीं हैं। 2008 में परमाणु करार होने के समय भी बहुत ऊंची उम्मीदें जताई गई थीं। लेकिन आज 15 साल बाद हकीकत यह है कि उसके तहत एक भी रिएक्टर चालू नहीं हुआ है। बेशक इस यात्रा से प्रधानमंत्री को अपनी बड़ी छवि पेश करने का मौका मिला है- खासकर यह देखते हुए कि इस कार्य में भारत का मेनस्ट्रीम मीडिया पूरे मनोयोग से लगा हुआ था।

चुनाव को बचे महज चार माह,उप मुख्यमंत्री बनने का फैसला आखिर क्यों लिया टी एस सिंहदेव ने ?

» मुख्यमंत्री का सपना संजोए टी एस सिंह देव को आखिर किसने किया मजबूर,क्यों स्वीकार किया उप मुख्यमंत्री पद

» क्या आने वाले चुनाव में टी एस सिंह देव का चेहरा कांग्रेस छत्तीसगढ़ में रखेगी आगे ?

» टी एस सिंहदेव को सरकार के आखिरी कार्यकाल में उप मुख्यमंत्री बनाए जाने पर प्रदेशवासी भी हुए अचंभित

» क्या जन घोषणा-पत्र के अब तक अधूरे वादों को पूरा करने टी एस सिंहदेव को आलाकमान ने दी जिम्मेदारी ?

» पिछले चुनाव से पूर्व कांग्रेस पार्टी के जन घोषणा पत्र प्रभारी थे टी एस सिंहदेव

» जन घोषणा पत्र के वादों के आधार पर ही छत्तीसगढ़ की जनता ने कांग्रेस को दिया था अपना समर्थन

» मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का अकेला चेहरा छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार बना पाने में नहीं होगी सफल, क्या इसीलिए लिया गया फैसला ?

» जिसे साढ़े चार साल हर मामले में किया गया उपेक्षित,उसे अंतिम चार महीनों के लिए क्यों बनाया गया उप मुख्यमंत्री

छत्तीसगढ़ में कांग्रेस पार्टी ने 15 साल बाद सत्ता में वापसी की और वापसी भी तब पार्टी कर सकी जब लोक लुभावन जन घोषणा पत्र जिसे जनता ने भी स्वीकार किया तैयार हो सका और जनता के बीच उसे पूरा समर्थन इस कारण मिल सका क्योंकि उसमे किए गए वादे जनता ने पूरे होने की उम्मीद कांग्रेस पार्टी से लगाई और कांग्रेस को सत्ता में वापसी दिलाया। जन घोषणा पत्र भी ऐसे ही तैयार नहीं हुआ बकायदा इसके लिए प्रभारी नियुक्त किए गए और इसका जिम्मा सरगुजा महराज साथ ही विधायक टी एस सिंहदेव को मिला जिन्होंने महीनों प्रदेश के हर कोने में जाकर लोगों से मुलाकात किया और हर वर्ग के लोगों से उनकी मांग एवम समस्याओं पर विस्तृत चर्चा कर जो निचोड़ निकल सका उसके अनुरूप पूरी की जा सकने वाली घोषणाओं को जन घोषणा पत्र में शामिल किया गया और फिर उसे मूर्त रूप प्रदान कर जनता के समक्ष रखा गया और जिसे जनता ने स्वीकार किया और सरकार कांग्रेस पार्टी की बन सकी।

छत्तीसगढ़ में जब कांग्रेस पार्टी की सरकार बनी तब सभी ने यही कयास लगाया था की टी एस सिंहदेव जिनके जन घोषणा पत्र के कारण जनता ने कांग्रेस पार्टी को मौका दिया है प्रदेश में उन्हे ही प्रदेश का नेतृत्व करने का मौका मिलेगा और वही संभावित मुख्यमंत्री हो सकते हैं लेकिन इन कयासो और संभावनाओं पर तब विराम लग गया जब मुख्यमंत्री पद की दौड़ में चार नाम शामिल कर दिए गए जिनमे से किसी अन्य के मुख्यमंत्री बनने की उम्मीद भी नजर नहीं आ रही थी और तब आश्चर्यजनक तौर पर यह सूचना आई की भूपेश बघेल अब मुख्यमंत्री होंगे और वही प्रदेश का नेतृत्व सम्हालेंगे। मुख्यमंत्री का नाम तो पार्टी आलाकमान ने तय कर दिया लेकिन उसी समय एक सूचना यह भी प्रसारित हुई मिडिया में जिसकी सच्चाई आज तक सामने नहीं आई की ढाई ढाई साल का फार्मूला तय हुआ है और प्रदेश में ढाई साल बाद मुख्यमंत्री बदला जाएगा जो टी एस सिंहदेव होंगे।प्रदेश की सत्ता में कांग्रेस पार्टी ने पंद्रह साल बाद वापसी भी बड़ी जोरदार की थी और सत्ताधारी दल भाजपा को उसने कुल 15 सीटों पर सीमित कर दिया था। प्रदेश में ढाई साल कांग्रेस पार्टी की सरकार किसी तरह चली और इस दौरान टी एस सिंहदेव की सरकार में भूमिका कई विभागों के मंत्री की बनी रही लेकिन उनका प्रभाव कमजोर किया जाता रहा और उन्हे उपेक्षित किया जा रहा है ऐसा नजारा देखने को मिलता रहा और जब ढाई साल पूरे हुए टी एस सिंहदेव दिल्ली की दौड़ करते नजर आने लगे और फिर ढाई साल वाले समझौते की बात फिर समाने आने लगी और प्रदेश के लोग मुख्यमंत्री बदले जाने का कयास लगाने लगे और इस दौरान लगातार टी एस सिंहदेव का दिल्ली दौरा जारी रहा।

दिल्ली दौरे के दौरान टी एस सिंहदेव ने ढाई साल के फार्मूले को लेकर खुलकर तो कुछ नहीं कहा लेकिन उनका हाव भाव साथ ही उनके कई बयान ढाई साल वाले फार्मूले को बल देते रहे और वह लागातार दिल्ली आलाकमान तक जाते रहे। दिल्ली अकेले टी एस सिंहदेव ने दौड़ लगाई यह भी नहीं था टी एस सिंहदेव के दिल्ली दौरों के दौरान पूरी सरकार दिल्ली दौड़ती रही और सभी विधायक अपनी अपनी बात आलाकमान तक रखने दिल्ली पहुंचते रहे और कई बार यह माना जाने लगा की मुख्यमंत्री बदले जाएंगे और टी एस सिंहदेव को नेतृत्व मिलने ही वाला है। टी एस सिंहदेव के दिल्ली दौरों से प्रदेश के मुख्यमंत्री को भी परेशान देखा गया और उन्होंने अपने पक्ष में अधिकतम विधायकों को दिल्ली का दौरा कराया और आलाकमान के सामने सभी की राय प्रस्तुत कराया। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और टी एस सिंहदेव के बीच ढाई साल बाद दूरियां और बढ़ीं और ढाई साल बाद टी एस सिंहदेव को और उपेक्षित किया जाने लगा जिसका कई बार अपने बयानों में टी एस सिंहदेव ने अलग अलग शब्दों में बखान किया जो यह जता गया की अब तलवारें खिंच चुकी हैं और दोनो के बीच आपसी अब कभी सामान्य व्यवहार नहीं देखा जायेगा।

उपेक्षा का आरोप लगाकर टी एस सिंहदेव ने एक मंत्रालय का प्रभार भी लौटाया था

टी एस सिंहदेव और मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बीच आपसी तनातनी इतनी बढ़ चुकी थी अपनी उपेक्षा से टी एस सिंहदेव इतने व्यथित हो चुके थे की उन्होंने एक मंत्रालय का प्रभार सरकार को लौटा दिया था और आरोप लगाया था की जब उनके ही विभाग में उनकी सुनवाई नहीं तो प्रभार लेकर वह क्या करेंगे। विभाग पंचायत एवम समाज कल्याण का था और जिसकी वापसी पर मुख्यमंत्री ने भी मानमनौवल का प्रयास नही किया था और विभाग अन्य विधायक को सौंप दिया था। उस समय भी यही माना जा रहा था की टी एस सिंहदेव अब अत्याधिक व्यथित हैं उपेक्षा से और वह कोई बड़ा निर्णय ले सकते हैं।

मुख्यमंत्री समर्थक विधायक ने टी एस सिंहदेव के खिलाफ खोला था मोर्चा,लगाए थे गंभीर आरोप

टी एस सिंहदेव पर मुख्यमंत्री समर्थित विधायक ने गंभीर आरोप भी लगाए थे और जिसको लेकर भी प्रदेश में काफी दिनों तक हलचल देखी गई थी जिसमें टी एस सिंहदेव के विरोध में सभी मुख्यमंत्री समर्थित विधायक एकजुट हुए थे और उन्होंने टी एस सिंहदेव के विरोध में विधायक का साथ दिया था।

स्वास्थ्य मंत्री होने के बावजूद स्वास्थ्य विभाग की कई गाड़ियों में स्वास्थ्य मंत्री की कभी तस्वीर नहीं लगी देखी गई

टी एस सिंहदेव की उपेक्षा किस कदर की जा रही थी इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है की स्वास्थ्य विभाग के ही कई वाहनों में स्वास्थ्य मंत्री होने के बावजूद टी एस सिंहदेव की तस्वीर नहीं लगाई गई कभी बशर्ते शहरी स्वास्थ्य सेवा में रत वाहन में नगरीय प्रशासन मंत्री की तस्वीर तो लगाई गई मुख्यमंत्री के साथ लेकिन टी एस सिंहदेव की तस्वीर कभी नही लगी।

साढ़े चार साल की उपेक्षा के बाद आखिरी बचे चार महीनों के कार्यकाल के लिए टी एस सिंहदेव बनाए गए उप मुख्यमंत्री

दिल्ली में कांग्रेस आलाकमान ने यह तय किया की बचे हुए अंतिम चार माह के कार्यकाल के लिए छत्तीसगढ़ सरकार के उप मुख्यमंत्री होंगे टी एस सिंहदेव। साढ़े चार साल टी एस सिंहदेव की सरकार में भूमिका मंत्री होने के बावजूद भी नजर नहीं आई और उन्हे उपेक्षित ही किया जाता रहा,अब चार शेष बचे माह में टी एस सिंहदेव की क्या भूमिका होगी यह भी बड़ा सवाल है।

अंतिम चार माह के कार्यकाल के लिए उप मुख्यमंत्री बनने आखिर क्यों तैयार हुए टी एस सिंहदेव

सवाल यह भी है की अंतिम चार माह सरकार के बचे कार्यकाल में टी एस सिंहदेव उप मुख्यमंत्री बनने क्यों तैयार हो गए। चार माह बाद चुनाव होने हैं और अब सरकार कोई बड़ी योजना भी प्रदेश में लागू करेगी लगता नहीं है। टी एस सिंहदेव ने आखिर क्यों सहमति दी उप मुख्यमंत्री पद के लिए यह सवाल आज प्रदेश के हर व्यक्ति के जेहन में है। वैसे टी एस सिंहदेव उप मुख्यमंत्री रहकर जितनी क्षमता रखेंगे उतनी ही उनके पास मंत्री रहते हुए भी बनी हुई थी और उस दौरान वह उपेक्षित होते रहे जो सभी ने देखा है।

मुख्यमंत्री का सपना संजोए बैठे टी एस सिंहदेव की आखिर कौन सी थी मजबूरी जो उन्होंने स्वीकार किया उप मुख्यमंत्री का पद

टी एस सिंहदेव की मंशा मुख्यमंत्री बनने की थी और जिसको लेकर वह सरकार के ढाई साल पूरा होते ही सक्रिय भी नजर आ रहे थे लेकिन उन्होंने अपनी मुख्यमंत्री बनने की ईच्छा का क्यों त्याग किया यह बड़ा सवाल है वहीं सरकार के अंतिम बचे चार माह के कार्यकाल के लिए उन्होंने उप मुख्यमंत्री का पद स्वीकार किया यह भी बड़ी बात है साथ ही सवाल है की आखिर किसने उनके ऊपर दबाव डाला और उन्होंने उप मुख्यमंत्री का पद स्वीकार किया ,मजबूरी थी या दबाव यह तो टी एस सिंहदेव ही स्पष्ट कर सकते हैं लेकिन अब वह इसको लेकर खुलासा करेंगे यह लगता नहीं है।

क्या मुख्यमंत्री भूपेश के अकेले चेहरे पर कांग्रेस पार्टी की छत्तीसगढ़ में नहीं हो सकती वापसी,इसीलिए टी एस सिंहदेव को बनाया उप मुख्यमंत्री ?

सवाल यह भी है की क्या मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के अकेले चेहरे के दम पर छत्तीसगढ़ में कांग्रेस पार्टी की सरकार बनती नजर नहीं आ रही है क्या इसीलिए टी एस सिंहदेव को मनाया गया और उप मुख्यमंत्री बनाया गया यह भी सवाल खड़ा हो रहा है। वैसे टी एस सिंहदेव का जनाधार पूरे प्रदेश में है और उनको कम आंकना भी गलत ही होता शायद इसलिए आलाकमान ने टी एस सिंहदेव को मनाने उप मुख्यमंत्री बनाया है यह कयास लगाए जा रहे हैं। वहीं अकेले मुख्यमंत्री पार्टी को अगले चुनाव में जीत दिला सकने में समर्थ नजर आते तो पार्टी अंतिम चार महीने के लिए ऐसा निर्णय नहीं लेती यह भी लोगों का मानना है।

क्या अब जन घोषणा पत्र के अधूरे वादे अब होंगे पूरे,टी एस सिंहदेव ही थे जन घोषणा पत्र प्रभारी ?

छत्तीसगढ़ में पंद्रह साल बाद कांग्रेस पार्टी की सत्ता में वापसी के पीछे उसकी जन घोषणा पत्र का प्रमुख हांथ था और जिसके प्रभारी टी एस सिंहदेव थे जिसे नकारा नहीं जा सकता। अभी भी सरकार के शेष बचे चार महीनों के दौरान कई वादे जन घोषणा पत्र के अधूरे हैं। अब क्या अधूरे वादे टी एस सिंहदेव पूरे करेंगे यह भी सवाल उठ रहा है। क्या जन घोषणा पत्र जिसे मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पूरी तरह अमली जामा पहना पाने में सफल नहीं हो सके उसे टी एस सिंहदेव के चार माह के कार्यकाल में पूरा किया जाएगा।

रवि सिंह
कोरिया
(छत्तीसगढ़)

बंधन

बध गई हूं बन्धन में तेरे नाम की।
मैं तेरी जानकी तू मेरा राम जी।
दर दर न भटकूं ,दूर न रहूं पिया,
बन जाऊं रुक्मिणी तू मेरा श्याम जी
राधेश्याम के जैसे हो प्यार अपना।
सीता राम के जैसे विश्वास अपना।
उर्मिला के जैसे न कभी विरह मिलें,
रुक्मिणी के जैसे हो साथ अपना।
राधा के जैसे मैं प्रीत निभा दूं।
सीता के जैसे मैं रीत निभा दूं।
मीरा की तरह देह न भी मिले,
बन के जोगनिया मैं गीत निभा दूं।

प्रेमा पटेल
वाराणसी,उत्तरप्रदेश

पाश्विक प्रवृत्ति

मनुज का जनम हुआ अहिंसक
पशु सरिस घूम रहा हिंसक
जो करते माँस भक्षण
उनके मिलते अनेक लक्षण
एक लक्षण नयन का है
जन्म लेते पलक शयन का है
नरेतर का खुलते अष्ट दिवस में
अशक्त को करते जो वश में
अम्बु को पीते मुँह लगाकर
हिंसक पीते जीभ लप-लपाकर
अहिंस्त्र रखते लघु करकंटक
मूढ़ प्रहार दीर्घ नोच हंटक।
एक का दशन श्वेत सपाट
दूजे का अत्यंत नुकीले ठाठ।
यह सारे गुण मनुजों में आ गए
माँस भक्षण दानवों का पा गए।
समतल दंत,क्षुद्र नाखून तज दिए।
ज्यों नुकीले-विशाल को भज लिए।
जिह्वा को दैत्य सरिस लपलपा रहे
असहायों को भीषण तपा रहे।
जो कर रहे लघु जीवों पर प्रहार
शोषण-जीव हत्या निरंतर बारम्बार।।

चन्द्रकांत खुंटे
क्रांति
जांजगीर-चाम्पा
(छत्तीसगढ़)

मघा के बरसे आउ दाई के परसे

मघा के बरसे अउ मोर दाई के परसे
धरती-दाई अउ बेटा हर अघा जाथे।
अषाड़,सावन के झरझर-झक्कर म
चारो मुड़ा कोती, पानी ह भरा जाथे।
नदिया- नरवा, झोरकी, अउ डबरी
जम्मो अगला-उछला छलक जाथे।
खेत-खार, बखरी-बारी,मेड़-पार ह
टूटत-फूटत, एक-माईच लग जाथे।
गांसा-पखार, के मुही मन तीर ले
खलबल-खलबल पानी ह बोहाथे।
बन-कचरा बूड़य, उबुक-चुबुक ले
अउ खेत-खार जम्मो तरिया लागथे।
धरसा-परिया जम्मो पैडगरी-रद्दा
जम्मो डहर के पार ह नन्दा जाथे।
बखरी- बारी, खेत रेंगईया जम्मो
भटकत-किंजरत खड़े रही जाथे।
झक्कर-झड़ी के निच्चट बरसा म
माटी के अंतस म पानी समा जाथे।
चम्मास-धधकत गरमी के कलपत
धरती-दाई के पियास ह बुझा जाथे।
जीव-जनावर के, भाग जाग जाथे
अउ सब्बो जीव हर मंगन हो जाथे।
हरियर-हरियर, लाल-पिवरी सुग्घर
चारो डहर हर सुग्घर संवर जाथे।

अशोक पटेल
आशु
तुस्मा,
शिवरीनारायण
(छत्तीसगढ़)

शिक्षित बने सावधान और सुरक्षित रहे

अब आप सोच रहे होगे कि लेखिका मुस्कान केशरी सावधान और सुरक्षित रहने कों क्यों बोल रही हैं। तों मैं आपकों एक विशेष जानकारी देना चाहती हूँ , आप सभी कों पता कि किस तरह अभी लड़कियों के साथ दुर्व्यवहार किया जा रहा हैं कहीं काटा जा रहा हैं तों कहीं उबाला जा रहा हैं , रेप , बलात्कार , अगवा करना यें सब जैसे आम बात हों गई हैं। और अब सोशल मीडिया से लड़कियों की फोटों लेकर उनकी फोटों कों अपनी अनुसार बदलकर गन्दी फोटों बना देते हैं जिसें देखकर लगे कि ये सच हैं। फिर लड़कियों को भेजकर धमकी देते हैं कि अगर पैसे या उनकी चाहत को पूरी नहीं किया गया तो वो उन्हें मार देंगे , समाज में नाम खराब कर देंगे । लड़कियाँ डर कर या तों घर सें पैसे चोरी करके देती हैं या फिर उनकी चाहत पूरी करती हैं। बल्कि ये गलत हैं अगर कोई भी आपके साथ इस तरह का करता हैं तो आपके पास ये हक हैं कि आप उस व्यक्ति पर पुलिस केस कर सकती हैं। या उसने गलत तरीके से सोशल मीडिया पे फोटो डाली हैं तों आप भी सोशल मीडिया का मदद ले सकती हैं लेकिन इज्जत के डर से काफी लड़कियाँ किसी को नही बताती हैं और सुसाइड कर लेती हैं । ऐसे करने से आज एक की जान जा रही हैं कल किसी और की । इसलिए आवाज उठाना जानिए और बहुत जरूरी हैं हमारे समाज के लिए । अपने फोटों वही डाले जहाँ सुरक्षित हों।

सोशल मीडिया चलाने से पहले शिक्षित बने सावधान और सुरक्षित रहें ।।

मुस्कान केशरी
मुजफ्फरपुर
बिहार

हास्य व्यंग्य

कहां है शांति

एक जमाना था जब आदमी रूखी सूखी खाकर और कुएं का पानी पीकर पीपल या बढ़ के पेड़ के नीचे मदमस्त होकर सोया करता था और स्वर्ग जैसी शांति महसूस करता था। परंतु आजकल मनुष्य के पास स्वर्ग तुल्य अलौकिक सुख सुविधाएं तो हैं लेकिन वह शांति नहीं। शांति की तलाश में आदमी दर-दर ठोकरें खा रहा है लेकिन शांति है जिस मृगतृष्णा ने सभी को बेवकूफ बना रखा है। सभी के शांति ढूंढने के अपने-अपने अलग-अलग रास्ते हैं। रोगी रोग से छुटकारा पाकर शांति प्राप्त करना चाहता है। राजनेता सत्ता प्राप्त करके, कंजूस आदमी धन प्राप्त करके, योगी योग में, भोगी भोग में, प्रेमी प्रेमिका में, भगत भगवान में और भगवान है बेचारा भक्तों की तलाश में शांति ढूंढ रहा है। योगी, मुनि, तपस्वी आदि जंगलों, पहाड़ों, गुफाओं तथा नदियों के किनारे शांति ढूंढने की कोशिश करते हैं। जब थोड़ा बहुत ज्ञान प्राप्त होता है ,फिर इसी मायावी दुनिया में मठाधीश बनकर अलग पंथ की स्थापना कर तथा ऐसी गाड़ियों, बंगलों नुमा कुटिया में शिष्य तथा शिष्यों में बैठकर शांति ढूंढते हैं। कभी-कभी भगवे चोले में ऐच्छिक शांति तो नहीं मिलती फिर वह राजनीति के अखाड़े में कूदकर सत्ता प्राप्त करके शांति ढूंढने की कोशिश करते हैं। भौतिकता वाद की इस अंधी दौड़ में कुछ लोग हीरे, जवाहरात, महल नुमा कोठियां, आयातित गाड़ियों के मालिक बनकर शांति की खोज कर रहे हैं। कुछ लोग निंदा, चुगली, दूसरों की स्त्री , धन-संपत्ति, ठगी आदि से ही शांति प्राप्त करने की कोशिश करते हैं। भारत के लोग पश्चिमीय मूल्यों पर चलकर शांति प्राप्त करना चाहते हैं। जबकि पश्चिमी सभ्यता भारतीय मूल्यों पर चलकर शांति की तलाश कर रही है। आदमी धरती पर तेज दौड़कर , आसमान में ऊंचा उड़कर, पाताल में गहराई तक जाकर तथा मंगल लोक पर पहुंचकर शांति की तलाश में मारा मारा फिर रहा है और यह शांति है जिसका ना कोई रंग है, ना कोई रूप है, ना कोई आकार है और ना कोई खुशबू है। यह अजर है, अमर है,। हम सब शांति की तलाश में विवाह शादी करते हैं, बच्चे पैदा करते हैं, बच्चे बड़े होते हैं, अपना अपना घर पर बसाते हैं और अपने अपने रास्ते चले जाते हैं और हम एक बार फिर शांति की तलाश शुरू कर देते हैं। हमें सभी को शांति की तलाश में। बाबा रामदेव जी शांति के लिए कपालभाति और अलोम विलोम का तरीका बताते हैं। आओ चलो, शांति पाठ करें, शायद यूं ही शांति मिल जाए।

प्रोफ़ेसर
शाम लाल
कौशल
रोहतक
हरियाणा

अंगदान से जीवनदान

पिता अशोक शर्मा की जुबानी से साभार! फरीदाबाद में ब्रेन डेड हुई 32 वर्षीय सॉफ्टवेयर इंजीनियर नैंसी शर्मा की वजह से 9 लोगों को नई जिंदगी मिली। नैंसी के ब्रेन डेड घोषित होने पर उनके पिता अशोक शर्मा ने अपनी बेटी के अंगदान करने का निर्णय लिया। नैंसी का हार्ट, किडनी, आँख, लीवर 9 लोगों को लगे। नैंसी के भाई डॉ. सौरभ शर्मा ने बताया कि 12 मार्च को उनकी बहन अम्बाला अपने पिता से मिलने गई थी। वहाँ कुछ तकलीफ हुई। नैंसी को एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। डॉक्टरों ने बताया कि नैंसी का ब्रेन डेड हो गया है। इसके बाद नैंसी को पीजीआई चंडीगढ़ ले जाया गया। कई दिन इलाज चला। डॉक्टरों ने कहा कि नैंसी की बचने की उम्मीद नहीं है, हालाँकि ब्रेन डेड के बावजूद बाकी अंग काम कर रहे थे। डॉक्टरों ने कहा अगर उनके बाकी अंगदान कर दिए जाते हैं तो कई लोगों को नई जिन्दगी मिल सकती है।

पिता बोले, बेटी कहती थी, ऐसा काम करूँगी कि लोग याद रखेंगे। नैंसी अक्सर कहती थी, पापा देखना एक दिन मैं ऐसा काम करूँगी की दुनिया मुझे हमेशा याद रखेगी। वो ऐसा कर भी गई। बेटी का चले जाने का दुःख हमेशा रहेगा, लेकिन सुकून है कि उसका दिल दुनिया में धड़क रहा है। उसकी आँखें आज दुनिया को देख रही हैं। नैंसी पेशे से सॉफ्टवेयर इंजीनियर थी। पति अनुदीप शर्मा भी गुड़गांव में सॉफ्टवेयर इंजीनियर हैं। सात साल का बेटा है। बेटी ब्रेन डेड हुई तो दामाद से बात की। 6 अप्रैल को परिवार की सहमति से बेटी के अंग दान करने के लिए निर्णय लिया, लेकिन जब पेपर पर सिग्नेचर करने का समय आया तो हाथ काँपने लगे।

नैंसी का हार्ट 13 साल की बच्ची को प्रत्यारोपित किया गया। किडनी भी दो लोगों को दी गई। लीवर के चार पार्ट भी चार लोगों को डोनेट किए गए। आँखों से दो लोगों को रोशनी मिली। इससे पहले शायद ही किसी के इतने अंगदान हुए हों। इसमें डॉक्टरों का योगदान भी सराहनीय रहा। मोहाली एयरपोर्ट तक ग्रीन कॉरिडोर बनाकर इन अंगों को हवाई जहाज से नोएडा, दिल्ली और चंडीगढ़ जरूरतमंद लोगों तक पहुँचाकर ट्रांसप्लांट कराया। बेटी जाते-जाते समाज को भी यह संदेश दे गई कि बेटियाँ वरदान हैं। नैंसी ने बेटी होने का वह फर्ज अदा किया है, जो शायद बेटे भी पूरा न कर सकें। उन्होंने अमरदान से बेटी है तो कल है, कल है तो बेटी है घोषवाक्य का हूबहू चरितार्थ किया। नैंसी के इस समर्पण से सारे देश को गर्व और गौरव की अनुभूति हो रही है। बाद परिजनों ने फरीदाबाद पहुँचकर नैंसी की तेरहवीं मनाई। इसमें हर शख्स ने नैंसी को सलाम किया। वाकई में वो तो अंगदान-महादान से जीवनदान देकर अमर हो गई......।

अलबत्ता, भारत में हर वर्ष करीब पाँच लाख लोग अंगो के खराब होने तथा अंग प्रत्यारोपण ना हो पाने के कारण मृत्यु को प्राप्त हो जाते है। अंगदान की भाँति देहदान भी समाज के लिए महत्वपूर्ण है। इसके दो कारण है- पहला, मृत देह से अंग निकालकर रोगी व्यक्तियों के शरीर में प्रत्यारोपण किये जा सकते है। दूसरे, चिकित्सकीय शिक्षा ग्रहण करने वाले छात्र, मृत देह पर प्रशिक्षण प्राप्त कर बेहतरीन चिकित्सक बन सकें। हम अंगदान व देहदान के महत्व को समझे और उन लोगो की मदद करें जिनका जीवन किसी अंग के अभाव में बड़ा कष्टप्रद है। हमे इस नेक कार्य के लिए आगे आकर समाज को इस श्रेष्ठ मानवीय कार्य के लिए प्रेरित करना चाहिए।

बकायदा ब्रेन डेड व्यक्ति के दिल, फेफड़े समेत कुल 25 ऑर्गन दूसरे जरूरतमंद व्यक्तियों के काम आ सकते हैं। लेकिन आज भी जानकारी के मुताबिक हर साल 3500 लोगों को ही समय पर अंग मिल पाते हैं। हमारे देश में करीब 10 लाख लोग गंभीर बीमारियों के चलते होने वाले ऑर्गन फेल्योर यानी अंगों के काम बंद कर देने के कारण मौत के मुहाने पर खड़े हैं। ऑर्गन डोनेशन यानी अंगदान के लिए संसाधनों के अभाव के साथ जागरूकता की भी कमी है। इस दिशा में में सजग होने की निहायत ज़रूरत तभी अंगदान-देहदान-महादान, जीवनदान साबित होगा। अमर बेटी नैंसी के श्री चरणों में शत शत नमन!

हेमेन्द्र
क्षीरसागर
बालाघाट
मध्यप्रदेश

मन के तूफान

करते है बातों को शून्य
खामोशियों को पैदा कर
एकांतता प्रदान करते है।
होते है हम
सोचने को मजबूर
दूर कहीं विचरण
करता ये मन
जो चाहते हम रोकना
मन को
सोचना चाहत क्या
सही क्या गलत
पर हर कोई स्वयं के
स्वभाव से मजबूर।
संयमता को भूल
तूफान को उफान दिलाते
जो थोड़ा रुक जाते
तो बच जाते और
चंचलता में डूब ही जाते।
इसलिये रुको,संभलों,
ठहरो यही हैं जिंदगी।

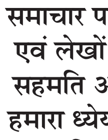

प्रियंका
पेडिवाल
अग्रवाल
विराटनगर,नेपाल

दो पेड़ौं की सच्ची मित्रता

(प्रकृति के अनोखे नज़ारे)

एक दिन सुबह विद्यालय जाते हुए मुख्य सड़क से गाँव में विद्यालय तक के रास्ते में जाते हुए एक अदभुद प्राकृतिक दृश्य देखने को मिला, जिसमें एक हरा-भरा वृक्ष अपने साथ खड़े सूखे वृक्ष को अपने गले लगाते हुए मानो कह रहा हो कि तुम चिंतित न हो मित्र मैं हूँ न, सब सही होगा यह दृश्य इतना मनमोहक लग रहा था कि तुरंत ही इसे अपने फोन के कैमरे में कैद कर लिया, जिसमें एक मित्र अपने मित्र को जादू की झप्पी देकर कह रहा है आल इस वैल, तुम चिंता न करो मित्र सब ठीक हो जाएगा सच में यह दृश्य पेड़ पौधों में जीवन होने का जीवंत उदाहरण था।

कुछ दिन बीतने पर एक दिन अचानक फिर से मेरी नजर उन पेड़ों पर पड़ी मैने देखा कि उस सूखे पेड़ पर पत्तियाँ आने लगी और वह पेड़ हरा-भरा होने लगा और दूसरा पेड़ भी उसके पास खड़ा मुस्कुरा रहा था और उनकी पत्तियाँ हवा के मंद-मंद झोंकों के साथ लहरा रहीं थीं दोनों बहुत खुश थे जैसे कोई त्योहार मना रहे हों, मैं भी इस नज़ारे को देखते हुए वहाँ से निकल रही थी, उनकी खुशी देखकर मेरे चेहरे पर भी मुस्कान फैल गयी।

लेकिन उनकी यह खुशी शायद आस-पड़ोस और देखने वालों से बर्दाश्त नहीं हुई और जिस पेड़ ने उस सूखे पेड़ को सहारा दिया था कुछ दिनों बाद उसकी वो शाखाएँ काट दी गयी जिससे उसने अपने मित्र को बुरे वक्त में गले लगाया था, देखकर बहुत कष्ट हुआ मन में और सोचा शायद लोग सही कहते हैं समाज में अच्छा करने वालों के हाथ काट दिए जाते हैं। यही सोचते हुए फिर से विद्यालय की ओर प्रस्थान कर दिया।

अब यही सिलसिला रोज का हो गया प्रतिदिन विद्यालय जाते हुए उन पेड़ों पर नजर पड़ती कुछ सामाजिक विचार मन में उठते और कदम विद्यालय की ओर बढ़ जाते।

अब पतझड़ आ गया था और उस पेड़ की पत्तियाँ फिर से झड़ने लगी थीं और दूसरे पेड़ की शाखाएँ फिर से अपने मित्र पेड़ के तने के इर्द-गिर्द बढ़ने लगी थीं और वह फिर से अपने मित्र को सहारा देने के लिए तैयार था, यह देखकर एहसास हुआ कि सच्ची मित्रता हमेशा सहयोग हेतु तत्पर रहती है, इस नजारे को देखकर मन में एहसास हुआ कि प्रकृति हमेशा अनोखे नजारों के द्वारा हमें कुछ न कुछ सीख देती है और यही सोचते हुए मैं विद्यालय की ओर बढ़ चली।

प्रतिभा यादव
चौरादेव,पुवॉरका,
सहारनपुर,उत्तरप्रदेश

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

टीएस सिंहदेव को डिप्टी सीएम बनाए जाने पर शहर में मना जश्न,जमकर हुई आतिशबाजी

कांग्रेस हाईकमान सिंह देव की निष्ठा धैर्य और समर्पण का सम्मान किया...

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,29 जून 2023
(घटती-घटना)।

स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंह देव को छत्तीसगढ़ का पहला उप मुख्यमंत्री बनाये जाने से हर्षित सरगुज़ा के कांग्रेसियों में उत्साह है। कांग्रेसजनों ने जमकर आतिशबाजी की और मिठाईयां बांट खुशियां मनाया।सिंहदेव के निवास कोठीघर और कांग्रेस कार्यालय में समर्थक कार्यकर्ताओ की भीड़ लगी रही। देर रात टीएस बाबा को उप मुख्यमंत्री बनाये जाने की खबर सार्वजनिक होते ही जिले भर में उत्साहित कांग्रेस कार्यकर्ताओं और सिंहदेव समर्थकों ने जमकर आतिशबाजी की। कोठीघर में जमा कांग्रेसी ढोल नगाड़ों की थाप पर जमकर थिरके। कांग्रेस कार्यलय राजीव भवन में सुबह से ही गहमा गहमी बनी रही।राजुइव भवन में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम के कार्यकाल के चार साल पूरा होने पर केक काट कर धन्यवाद ज्ञापित करने कार्यक्रम था। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए लुंड्रा विधायक डॉ. प्रीतम राम ने कहा पिछ्ले चुनाव में जय और वीरू की जोड़ी ने साथ मिलकर इतिहास रच दिया था। कांग्रेस हाई कमान ने टीएस बाबा पर भरोसा जताया है, एक बार फिर हम सब टीएस बाबा के मार्गदर्शन में बड़ी बहुमत के साथ सरकार बनाएंगे। श्रम कल्याण मण्डल के अध्यक्ष शफी अहमद ने राहुल गांधी का आभार जताया ।उन्होंने कहा यह पहल पहले ही होनी थी लेकिन देर आये दुरुस्त आये। टीएससिंह देव सरगुज़ा और छत्तीसगढ़ के विकास की परिकल्पना की है। घोषणा पत्र के माध्यम से मिले सुझाव के समृद्ध छत्तीसगढ़ का पूरा रोडमैप तैयार किया है। प्रदेश सरकार इस पर अमल भी कर रही है। सिंहदेव का कद बढ़ाने से कार्यो में और गति आएगी। जिला पंचायत उपाध्यक्ष आदित्येश्वर शरण सिंहदेव ने कहां कांग्रेस हाईकमान सिंह देव की निष्ठा धैर्य और समर्पण का सम्मान किया है यह सम्मान सरगुजा की जनता और कांग्रेस के एक-एक कार्यकर्ता का है राहुल गांधी ने जिस उम्मीद और भरोसे के साथ यह जिम्मेदारी दी है उसपर निष्ठा के साथ खरा उतरना होगा सरगुजा का राज परिवार हमेशा से कांग्रेस के लिए समर्पित रहा है। मेयर डॉ अजय तिर्की ने टीएस सिंहदेव के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डाला।प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष जेपी श्रीवास्तव क्या हम सबको मिलकर फिर से छत्तीसगढ़ सरकार बनाना है इस एकमात्र संकल्प के साथ मिल जुलकर काम करना है।प्रदेश सचिव द्वितेंद्र मिश्रा ने कहा सरगुजा के लोगों की भावनाएं टी एस सिंह देव के साथ जुड़ी है प्रदेश की राजनीति में उनका कद बढने से सरगुजा वासी गौरवान्वित है कांग्रेस जनों में नई ऊर्जा का संचार हुआ है कांग्रेस का कार्यकर्ता पूरे उत्साह से अगले विधानसभा चुनाव के समर में उतरेगा और छत्तीसगढ़ में बड़े बहुमत से सरकार बनेगी। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राकेश गुप्ता ने कहा टीएस बाबा का विराट व्यक्तित्व किसी पद का मोहताज नहीं है कांग्रेस जन उनमें अपने अभिभावक की छवि देखते हैं घर के मुखिया का सम्मान बढने का मतलब है एक-एक कार्यकर्ता का सम्मान बढ़ा है। कार्यक्रम को जिला पंचायत अध्यक्ष मधु सिंह,सोमेश्वर सिंह, मार्तण्ड सिंह देव,विक्रमादित्य सिंह देव,रजनीश सिंह,सीमा सोनी, विकल झा ने सम्बोधित किया ।इस अवसर पर संतोष सिंह,हेमंत तिवारी,अरविंद सिंह गप्पू,दुर्गेश गुप्ता, अमित सिंह देव, कृपा गुप्ता, सैयद अख्तर हुसैन,संध्या रवानी,शफीक खान,हेमंती प्रजापति, आशीष वर्मा,विकल झा, अशफाक अली, प्रभात रंजन सिन्हा, अनूप मेहता, कांग्रेस जन उपस्थित थे।

युवक कांग्रेसियों ने की आतिशबाजी

प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री टीएस बाबा के प्रदेश के पहले उपमुख्यमंत्री बनने पर युवक कांग्रेसियों ने जमकर आतिशबाजी की। युवक कांग्रेस जिला अध्यक्ष विकल झा की अगुवाई में युवा कांग्रेसियों ने राजीव भवन से घड़ी चौक तक जिला पंचायत उपाध्यक्ष युवा नेता आदित्येश्वर शरण सिंह देव को कंधे पर उठाकर घड़ी चौक पहुचे । वहां उन्होंने जमकर आतिशबाजी की। मिठाइ बांटी और जमकर नारे बाजी की। इस दौरान, नीतीश चौरसिया, रजनीश सिंह, उत्तम राजवाड़े, निक्की ख़ान, विकास केशरी, हिमांशु अग्रवाल, मिथुन सिंह, प्रीतिका विश्वकर्मा, प्रिंस विश्वकर्मा, सुरेंद्र गुप्ता, गौतम गुप्ता, अभिषेक सोनी, संजर नवाज़, निलेश कश्यप, भीम सिंह, आरती सिंह, साक्षी गुप्ता, काजल गुप्ता, सोनम गुप्ता, ज्ञान तिवारी, रजत पांडेय, आदि उपस्थित थे

टी.एस.बाबा के उप मुख्यमंत्री बनने पर कांग्रेसजनों ने मनाया जश्न

- संवाददाता -
सूरजपुर,29 जून 2023 (घटती-घटना)।

सरगुजा महाराजा टी. एस. बाबा को छत्तीसगढ़ शासन में उप मुख्यमंत्री बनने पर कांग्रेसजनो ने अग्रसेन चौक सूरजपुर में भारी उत्साह के साथ आतिशबाजी कर मिठाइयाँ बाँटी गई कार्यकर्ताओं ने बताया कि महाराजा साहब को उप मुख्यमंत्री का दायित्व मिलना सरगुजा संभाग के लिये बड़ी ही खुशी की बात है बड़ा लम्बे समय के बाद बड़ी खुशी कार्यकर्ताओं को मिली है इससे क्षेत्र के विकास के साथ-साथ क्षेत्र के प्रत्येक व्यक्ति की सम्मान बढ़ाने वाला बात है कार्यकर्ताओं ने बड़े ही उत्साह के साथ जश्न मनाया इस दौरान जिला कांग्रेस अध्यक्ष भगवती राजवाड़े,जिला पंचायत उपाध्यक्ष नरेश राजवाड़े,ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष अश्विनी सिंह,जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष रामकृष्ण ओझा,प्रदेश कांग्रेस सचिव अखिलेश प्रताप सिंह,राजीव सिंह,इस्माइल ख़ान,जिला कांग्रेस महामंत्री मनोज डालमिया,प्रदीप राजवाड़े,मुकेश अग्रवाल,राजू सिंह,ज़फ़र हैदर,मनोज अग्रवाल,आनंद कुवर,गैबिनाथ साहू,विष्णु कसेरा,अजय अग्रवाल,प्रेमजीत सिंह,धर्मेन्द्र सिंह,कुसुमलता राजवाड़े,शशि सिंह,मो. ईदरिश,राहुल जायसवाल,आकाश साहू,बिहारी कुलदीप,प्रदीप साहू,गौतम कुशवाहा,राजेश शर्मा,नैतिक अग्रवाल,मंजु सारथी,चन्दा सिंह,चन्द्रभान राजवाड़े,राजू गुप्ता,नूर आलम,नीरज सिंह,सोनू पाण्डे,सैयद सलीम,सुनीता खाखा,जमील सिद्दीक़ी,तनवीर एवं अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे..

जेल में रिश्तेदार से मुलाकात करने गई महिला की स्कूटी चोरी,आरोपी गिरफ्तार

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,29 जून 2023
(घटती-घटना)।

केन्द्रीय जेल के सामने से महिला की स्कूटी अज्ञात चोर द्वारा पार कर दिया गया था। महिला 28 जून को 11.30 बजे केन्द्रीय जेल अपने रिश्तेदार से मुलाकात करने गई थी। महिला की रिपोर्ट पर मणिपुर थाना पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी चोरी करने के बाद स्कूटी को घर में छिपाकर रख दिया था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। जानकारी के अनुसार रेश्मी चौहान पति संजय चौहान निवासी गांधीनगर थाना क्षेत्र के गंगापुर की रहने वाली है। वह 28 जून को 11.30 बजे अपने रिश्तेदार से मुलाकात करने केन्द्रीय जेल गई थी। वह स्कूटी को जेल के गेट के सामने खड़ी कर दी थी। मुलाकाती के बाद जब वह घर जाने निकली तो उसकी स्कूटी नहीं थी। किसी अज्ञात द्वारा चोरी कर ली गई थी। वह मामले की रिपोर्ट मणिपुर थाने में दर्ज कराई थी। पीड़िता की रिपोर्ट पर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी थी। विवेचना के दौरान मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने संदेही संदीप यादव पिता जीतू यादव उम्र 23 वर्ष निवासी बाबूपारा थाना मणिपुर को हिरासत में लेकर सख्ती से पूछताछ की तो वह स्कूटी चोरी करने की बात स्वीकार की। पुलिस ने आरोपी संदीप को गिरफ्तार कर इसके कब्जे से चोरी की स्कूटी बरामद की है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। कार्रवाई में थाना प्रभारी मणीपुर उप निरीक्षक प्रमोद पाण्डेय, सहायक उप निरीक्षक नवल किशोर दुबे, आरक्षक अतुल शर्मा, नगर सैनिक दिनेश यादव शामिल रहे।

नमाज अता कर समाज के लोगों ने मांगी अमन चैन की दुआ

- संवाददाता -
अम्बिकापुर, 29 जून 2023
(घटती-घटना)।

ईद उल अजहा बकरीद का त्यौहार गुरुवार को मुस्लिम समाज द्वारा अकीदत के साथ मनाया गया। समाज के लोगों ने ईदगाह व मस्जिदों में बकरीद की दो रकत नमाज अता करने के साथ ही अमन चैन की दुआ मांगी गई। नमाज के बाद लोगों ने कब्रिस्तान में फातिहा पढने के बाद कुर्बानी की रस्म अता की। मुस्लिम समाज द्वारा बकरीद के त्यौहार को लेकर लंबे समय से तैयारियां की जा रही थी। ईद उल अजहा को लेकर ईदगाह व मस्जिदों में कमेटियों द्वारा व्यापक पैमाने पर इंतजाम किए गए थे। ईद उल अजहा की नमाज को लेकर सुबह से ही समाज के लोग ईदगाह व मस्जिदों में पहुंचने लगे थे। ईदगाह में पेश इमाम द्वारा बकरीद के बारे में जानकारी देने के साथ ही लोगों ईमान के रास्ते पर चलने आपसी भाईचारे की सीख दी। ईदगाह में सुबह 8.30 बजे बकरीद की नमाज अता की गई। इस दौरान जामा मस्जिद के पेश इमाम अबरार अहमद द्वारा ईदगाह में ईद उल अजहा की नमाज पढ़ाई गई जबकि जामा मस्जिद में 8.44 बजे हाफिज व कारी

असीमुद्दीन, तकिया शरीफ में सुबह 8 बजे मौलाना मोइन व केंद्रीय जेल में सुबह 9 बजे नमाज पढ़ाई गई। वहीं शहर के रसूलपुर स्थित नाजमिया मस्जिद में सुबह 8 बजे मोहम्मद सगीर अहमद मिस्बाही द्वारा नमाज पढ़ाई गई। इसके साथ ही शहर व जिले की ईदगाह, मस्जिदों में नमाज पढ़ाई गई। नमाज के बाद समाज के लोगों ने अपने व परिवार के सुख समृद्धि के साथ ही देश में अमन चैन व भाईचारे की दुआ मांगी। ईद उल अजहा के मौके पर मुस्लिम समाज के लोगों ने एक दूसरे को गए मिलकर ईद की बधाई व शुभकामनाएं दी। नमाज के बाद समाज के लोगों ने कब्रिस्तान में जाकर अपने परिवार के सदस्यों की कब्र पर फातिहा पढने के बाद कुर्बानी की रस्म अता की गई। बकरीद को लेकर जिला व पुलिस प्रशासन द्वारा भी ईदगाह व कब्रिस्तान में व्यापक इंतजाम किए गए थे। इस अवसर पर अंजुमन कमेटी के सदर इरफान सिद्दीकी, अफजाल अंसारी, शकील अंसारी, परवेज आलम गांधी, इसाउद्दीन अंसारी, सादिक हुसैन, अमीर अंसारी आदि मौजूद थे।

सर्पदंश से पीड़ित महिला की उपचार के दौरान मौत

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,29 जून 2023
(घटती-घटना)।

जमीन में सोने के दौरान पंडो महिला सर्पदंश के शिकार हो गई थी। वहीं इसके पति व दो बच्चे बाल-बाल बच गए। महिला को इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर में भर्ती कराया गया था। यहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार सीता पंडो पति सूरजलाल पंडो उम्र 25 वर्ष सूरजपुर जिले के बिहारपुर चांदनी थाना क्षेत्र के सेमरा की रहने वाली थी। वह शनिवार की रात को पति व दो बच्चों के साथ जमीन में बिस्तर लगाकर सोई थी। रविवार की अहले सुबह चार बजे सांप ने उसे डंस लिया। इस दौरान उसके पति व बच्चे बाल बाल बच गए। परिजन महिला को इलाज के लिए बिहारपुर अस्पतल में भर्ती करवाया। यहां चिकित्सकों ने उसकी स्थिति को गंभीर देखते हुए सूरजपुर जिला अस्पताल रेफर कर दिया था। यहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसे इलाज के लिए अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया था। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

होटल के कमरे में युवक की पंखे के सहारे फांसी पर लटकती मिली लाश

- संवाददाता -
सूरजपुर,29 जून 2023
(घटती-घटना)।

शादी से 24 घंटे पहले एक युवक की होटल के कमरे में पंखे के सहारे फांसी पर लटकती लाश मिलने से सनसनी फैल गई है। युवक की शादी गुरुवार को ही होने वाली थी। युवक ने ऑफिस की मीटिंग के लिए होटल का कमरा बुक किया था। बुधवार की शाम हल्दी की रस्म में जब दूल्हा घर नहीं पहुंचा तो उसकी खोजबीन शुरु की गई। दोस्तों के बताए अनुसार परिजन जब होटल में पहुंचे तो कमरे में फांसी पर लटकती उसकी लाश मिली। कमरे में ही बेड पर एक पिस्टल व डायरी मिली है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव बरामद व डायरी बरामद कर लिया है। पुलिस हर एंगल से मामले की जांच में जुट गई है।

सूरजपुर के नेहरु पार्क मोहल्ला निवासी हंसराज अग्रवाल उर्फ हंसु 36 वर्ष की 29 जून को अंबिकापुर में शादी होने वाली थी। शादी से एक दिन पहले बुधवार की सुबह वह घर से टॉयलेट जाने के नाम पर निकला था। शाम को जब वह हल्दी की रस्म में घर नहीं पहुंचा तो परिजनों ने उसकी खोजबीन शुरु उसके मोबाइल पर भी बात नहीं होने से परिजन परेशान था। इसी बीच युवक के दोस्तों ने नगर के ही आदित्य होटल में कमरा बुक करने की बात बताई। जब परिजन होटल में पहुंचे तो पता चला कि उससे ऑफिस मीटिंग के नाम पर कमरा बुक किया है। परिजन ने जब कमरे का दरवाजा खटखटाया तो भीतर से कोई आवाज नहीं आई।

फिर होटल संचालक द्वारा दूसरी चाबी से कमरा खोला गया तो भीतर का नजारा हैरान करने वाला था। युवक की लाश पंखे के सहारे फांसी पर लटकी हुई थी। वहीं बेड पर एक पिस्टल व डायरी रखी हुई थी।

सूचना मिलते ही पहुंची पुलिस

युवक का शव मिलने की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और कमरे को सील कर दिया। गुरुवार की सुबह एसपी समेत पुलिस की टीम फिर होटल के कमरे में पहुंची और फॉरेंसिक टीम की उपस्थिति में शव को उतरवाकर पीएम के लिए अस्पताल भिजवाया। पुलिस ने कमरे से पिस्टल व डायरी भी जब्त की है

डायरी में पैसों के लेन-देन की बात

पुलिस ने जिस डायरी को जब्त किया है, उसमें कई लोगों से पैसों के लेन-देन की बातें लिखी गई हैं। वहीं एक सुसाइड नोट भी पुलिस ने जब्त किया है। पुलिस फिलहाल इसे आत्महत्या मान रही है। पीएम रिपोर्ट आने के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी। इस संबंध में सूरजपुर एसपी आई कल्याण एलसेला ने कहा कि मामले की हर एंगल से जांच की जा रही है। जांच में जो भी इसमें संलिप्त होगा, उसपर कार्रवाई होगी।

मातम में तब्दील हुई शादी की खुशियां

मृतक हंसराज अग्रवाल की 29 जून को ही अंबिकापुर में शादी होने वाली थी। परिवार द्वारा पूरी तैयारियां कर ली गई थीं। इसी बीच युवक का शव मिलने की सूचना से शादी की खुशियां मातम में तब्दील हो गई। इसकी खबर जैसे ही दुल्हन पक्ष को लगी, वहां भी मातम पसर गया है।

पुलिस ने दंपति को लात- मुक्के से पीटा, छोड़ने के लिए लिया 30 हजार रुपए

» पीड़ित महिला ने एसपी से की शिकायत,प्रधान आरक्षक लाइन अटैच

- संवाददाता -
अम्बिकापुर, 29 जून 2023
(घटती-घटना)।

सरगुजा पुलिस का अमानवीय चेहरा सामने आया है। शराब बनाने बेचने के आरोप में पुलिस विशनपुर निवासी एक महिला के घर में घुसकर मारपीट किया गया है। जबकि महिला के घर से शराब भी जब्त नहीं हुआ था। इतना ही नहीं महिला व उसके पति को थाने लाकर थाने में भी दोनों के साथ मारपीट की गई। वहीं दोनों को छोड़ने के लिए पुलिस ने 30 हजार रुपए भी लिए हैं। पीड़ित महिला ने गुरुवार को एसपी कार्यलय अंबिकापुर पहुंचकर मामले की शिकायत की है।

देशमेत पैकरा पति सुकुल राम उम्र 50 वर्ष निवासी उदयपुर थाना क्षेत्र के ग्राम विपशुनपुर की रहने वाली है। वह गुरुवार को एसपी को ज्ञापन सौंपकर शिकायत की है कि 21 जून को थाना उदयपुर के पुलिस स्टाफ संतोष गुप्ता एवं अन्य पुलिसकर्मी मेरे घर में आए और शराब बनाते एवं बेचते हो कहकर मुझे महिला आरक्षक एवं संतोष गुप्ता द्वारा हाथ व पैर से मारपीट किया गया। मेरे घर में शराब नहीं मिला फिर भी मेरे पति एवं मुझे संतोष गुप्ता एवं अन्य पुलिस स्टाफ मारपीट करते हुए थाना ले गए। यहां हम दोनों को छोड़ने के लिए 30 हजार रुपए की मांग की गई। महिला ने बताया है कि मेरा लड़का दिनेश पैकरा 30 हजार रुपए घर से लाकर पुलिस कर्मी संतोष गुप्ता को दिया है तब हम दोनों को छोड़ा गया। महिला ने एसपी को ज्ञापन सौंपकर पुलिसकर्मी संतोष गुप्ता के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। इस मामले में एएसपी विवेक शुक्ला ने बताया कि महिला व उसके परिवार वाले अवैध शराब बनाने का काम करते हैं। पूर्व में भी आबकारी व पुलिस द्वारा कार्रवाई की गई है। घटना दिवस भी उसके पति के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई है। वहीं महिला ने प्रधान आरक्षक संतोष गुप्ता पर मारपीट व रुपए मांगने का आरोप लगाई है। इस मामले की जांच के लिए एसडीओपी अखिलेश कौशिक को दिया गया है। वहीं महिला के शिकायत के बाद प्रधान आरक्षक संतोष गुप्ता को लाइन अटैच कर दिया गया है।

फ्रांस में पुलिस की गोलीबारी में लड़के की हत्या पर हिंसक विरोध प्रदर्शन, 77 गिरफ्तार

पेरिस । फ्रांस में ट्रैफिक स्टॉप पर पुलिस द्वारा 17 साल के एक लड़के की गोली मारकर हत्या करने के मामले में देश भर में हिंसक विरोध प्रदर्शन हो रहा है। कम से कम 77 प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। स्थानीय फ्रांसीसी मीडिया के अनुसार, नाहेल एम. की हत्या के विरोध में बुधवार को भी विरोध प्रदर्शन जारी रहा। सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो में प्रदर्शनकारियों को कारों में आग लगाते और दुकानों में तोड़फोड़ करते देखा जा सकता है। फ्रांसीसी अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, नानटेयर में पुलिस को पीछे हटने के लिए मजबूर होना पड़ा। पेरिस में प्रदर्शनकारियों ने पुलिस स्टेशनों को आतिशबाजी से निशाना बनाया, उत्तरी शहर लिली में प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़पें हुईं। स्थानीय मीडिया के अनुसार बुधवार को भी लड़के को श्रद्धांजलि देने के लिए रेने शहर में लगभग 300 लोग जमा हुए, जिन्हें पुलिस ने तितर-बितर कर दिया। हत्या को राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने अक्षम्य अपराध कहा है। उन्होंने पुलिस यूनियनों की आलोचना की। एलायंस पुलिस यूनियन ने दोषी पाए जाने तक उन्हें निर्दोष मानने का आह्वान किया, जबकि यूनाइट एसजीपी पुलिस ने भी राजनीतिक हस्तक्षेप की बात कही जिससे पुलिस विरोधी नफरत और बढ़ गई। एक बयान में गृह मंत्री गेराल्ड डर्मैनिन ने कहा कि वह फ्रांस पुलिस के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करेंगे, जिसने लड़के की हत्या को उचित ठहराने की मांग करने वाला एक ट्वीट किया था। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, नाहेल की हत्या का आरोपी अधिकारी, जिसने कहा कि उसने गोली चलाई थी क्योंकि उसे लगा कि उसकी जान खतरे में है, हिरासत में है। नाहेल इस साल फ्रांस में ट्रैफिक रोके जाने के दौरान पुलिस की गोलीबारी में मारा जाने वाला दूसरा व्यक्ति है। पिछले साल इस तरह से रिकॉर्ड 13 लोगों की मौत हुई थी।

विश्वविद्यालय की एक कक्षा में तीन लोगों पर चाकू से किया हमला

टोरंटो । कनाडा में वाटरलू विवि में एक कक्षा में तीन लोगों पर एक शख्स ने चाकू से हमला कर दिया। हमले की घटना सामने आने के बाद इस मामले में एक संदिग्ध को पुलिस द्वारा हिरासत में लिया गया है। पुलिस ने यह जानकारी देते हुए बताया कि हमला वाटरलू विश्वविद्यालय में 'जेंडर स्टडीज' की कक्षा में किया गया। हमले का मकसद अभी पता नहीं चल पाया है। हालांकि घायलों में से किसी की जान को कोई खतरा नहीं है। जांचकर्ता संदिग्ध से पूछताछ कर रहे हैं। वाटरलू क्षेत्रीय पुलिस सेवा अधीक्षक शाएना मॉरिस ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा परिसर या उसके बाहर जन सुरक्षा को अब कोई खतरा नहीं है। मिली जानकारी के अनुसार वाटरलू विश्वविद्यालय के संचार विभाग के एसोसिएट उपाध्यक्ष निक मैनिंग ने संदिग्ध की पहचान विश्वविद्यालय समुदाय के सदस्य के तौर पर की, हालांकि उसके छात्र होने की पुष्टि करने से इनकार कर दिया। मैनिंग ने बताया कि हमला 'फिलॉसफी 202' में हुआ। विश्वविद्यालय की वेबसाइट के अनुसार इसमें जेंडर स्टडीज की कक्षा होती है। मैनिंग ने कहा कि हम ऐसी घटना के यहां होने को लेकर काफी चिंतित हैं। यह स्तब्ध करने वाला है। वाटरलू विश्वविद्यालय के छात्र युसूफ कयामक ने बताया कि हमला 'जेंडर स्टडीज' की कक्षा में हुआ। हमले के समय कक्षा में करीब 40 छात्र मौजूद थे। विश्वविद्यालय ने ट्वीट किया कि हेगी हॉल में बुधवार शाम को होने वाली कक्षाएं रद्द कर दी गईं, लेकिन अन्य सभी 'कैंपस' में सामान्य रूप से कक्षाएं हुईं। घटना के बाद से विव में सनसनी फैल गई है।

बैक्टीरिया इंफेक्शन के कारण आईसीयू में भर्ती हुई सिंगर मैडोना

न्यूयॉर्क । अमेरिकन पॉप सिंगर मैडोना की तबीयत खराब होने की वजह से उन्हें बीते शनिवार को न्यूयॉर्क सिटी हॉस्पिटल ले जाया गया, जिसके बाद डॉक्टर्स ने सिंगर को आईसीयू में भर्ती किया था। मैडोना की उम्र 64 साल है। जांच से पता चला कि मैडोना को एक गंभीर बैक्टीरिया इंफेक्शन हो गया, इसकारण उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। आईसीयू में भर्ती होने के कारण सिंगर का अपकमिंग सेलिब्रेशन टूर भी टालना पड़ा। मैडोना के मैनेजर ने मैडोना की बीमारी के बारे में बताकर लिखा, 24 जून को मैडोना को गंभीर बैक्टीरियल इंफेक्शन हो गया था, जिसकी वजह से उन्हें कई दिनों तक आईसीयू में रखा गया। इस समय उनके सारे काम और टूर को होल्ड पर रखा जा रहा है। जैसे ही हमें अधिक जानकारी मिलेगी, हम आपके साथ शेयर करने वाले हैं। मैडोना की इस हालत का कारण उनकी 12 घंटे की रिहर्सल को माना जा रहा है। सिंगर अपने अपकमिंग शो के लिए 12 घंटो तक लगातार रिहर्सल करती रहीं जिस कारण उनके शरीर को प्रोपर रेस्ट नहीं मिल रहा था।

भारतीय मूल के उबर ड्राइवर को तीन साल की जेल, अपराध ऐसा की फूल गए बाइडेन प्रशासन के हाथ पांव

वॉशिंगटन । अवैध रूप से 800 से अधिक भारतीयों को अमेरिका में दाखिल कराने के मामले में 49 वर्षीय उबर ड्राइवर भारतीय मूल के व्यक्ति राजिंदर पाल सिंह को तीन साल की सजा सुनाई गई है। अमेरिका न्याय विभाग के मुताबिक कैलिफोर्निया निवासी सिंह ने फरवरी में अपना गुनाह कबूल कर लिया। साथ ही कबूल किया कि लोगों को अवैध रूप से अमेरिका में प्रवेश दिलाने के नाम पर पांच लाख डॉलर से अधिक का मुनाफा कमाया। रिपोर्ट के अनुसार कार्यवाहक अमेरिका अटॉर्नी टेसा गोर्मन ने कहा कि राजिंदर सिंह को कुछ भारतीयों को ट्रांसपोर्ट और स्टे देने की साजिश और मनी लॉन्ड्रिंग की साजिश के लिए 45 महीने की जेल की सजा मिली है। करीब चार साल के भीतर दोषी राजिंदर सिंह ने कनाडा से वॉशिंगटन राज्य में उत्तरी सीमा पार 800 से अधिक भारतीय लोगों को भेजा। इसकारण अमेरिका के लिए राज्य की सुरक्षा खतरे में पड़ गई और अवैध रूप से आ रहे लोगों की जान भी खतरे में पड़ गई। सिंह और उसके सहयोगियों के खिलाफ दर्ज किए मामले के मुताबिक जुलाई 2018 से मई 2022 तक कनाडा से अवैध रूप से सीमा पार करने वाले लोगों को सिएटल क्षेत्र में ले जाने के लिए उबर कैब का इस्तेमाल किया। लोगों को अवैध तरीके से अमेरिका लाने के लिए राजिंदर और उसके सहयोगी तड़के सुबह लेकर निकलते थे। इन पूरे चार साल में राजिंदर सिंह ने भारतीय नागरिकों के परिवहन से संबंधित 600 से अधिक यात्राओं की व्यवस्था की। मामले की जांच कर रहे अधिकारी जब राजिंदर सिंह के आवास पर पहुंचे तब उन्हें 45,000 अमेरिकी डॉलर नकद और कई नकली दस्तावेज मिले।

जेद्दा में अमेरिकी वाणिज्य दूतावास के सामने गोलीबारी, सुरक्षा गार्ड और बंदूकधारी की मौत

वाशिंगटन । सऊदी अरब के तटीय शहर जेद्दा में अमेरिकी वाणिज्य दूतावास के सामने गोलीबारी में सुरक्षा गार्ड और एक बंदूकधारी की मौत हो गई। अमेरिकी विदेश विभाग ने कहा कि वाणिज्य दूतावास के बाहर गोलीबारी में किसी भी अमेरिकी को नुकसान नहीं पहुंचा। पुलिस प्रवक्ता के हवाले से कहा, 'शाम 6-45 बजे, एक व्यक्ति वाणिज्य दूतावास भवन के सामने एक कार में रुका और हाथ में हथियार लेकर बाहर निकला। सुरक्षा बलों ने प्रतिक्रिया कीज्परिणामस्वरूप गोलीबारी हुई जिसमें हमलावर मारा गया। गोलीबारी में एक नेपाली सुरक्षा अधिकारी घायल हो गया और बाद में उसकी मौत हो गई। अमेरिकी विदेश विभाग ने कहा, हम मृत स्थानीय गार्ड के परिवार और प्रियजनों के प्रति अपनी गंभीर संवेदना व्यक्त करते हैं। विदेश विभाग ने कहा कि सऊदी बलों ने हमलावर को मार गिराया और संयुक्त राज्य अमेरिका रियाद के संपर्क में है, क्योंकि वह मामले की जांच शुरू कर रहा है। बयान में कहा गया, 'वाणिज्य दूतावास को उचित तरीके से बंद कर दिया गया और हमले में किसी भी अमेरिकी को नुकसान नहीं पहुंचा। यह हमला तब हुआ जब सऊदी अरब ने जेद्दा से लगभग 70 किलोमीटर (44 मील) दूर पवित्र शहर मक्का में वार्षिक हज यात्रा के लिए लगभग 1.8 मिलियन मुस्लिम अनुयायियों का स्वागत किया। लाल सागर के तट पर बसे शहर जेद्दा में अमेरिकी वाणिज्य दूतावास पहले भी आतंकी हमलों का टारगेट रहा है, जब 4 जुलाई 2016 को अमेरिकी स्वतंत्रता दिवस के मौके पर एक आत्मघाती हमलावर ने खुद को उड़ा लिया था।

फ्रांस में पुलिस की गोली से मारे गये 17 साल के एक लड़के नेहल की मौत के बाद हिंसा भड़क उठी।

अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन की फिसली जुबान.....पुतिन स्पष्ट रूप से इराक में युद्ध हार रहे

वॉशिंगटन । अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने एक मौखिक चूक में कहा कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन स्पष्ट रूप से इराक में युद्ध हार रहे हैं। दरअसल, वह यूक्रेन युद्ध के बारे में बोल रहे थे। उन्होंने कहा, पुतिन स्पष्ट रूप से इराक में युद्ध हार रहे हैं। वह अपने घर में युद्ध हार रहे हैं। वह दुनिया भर में एक तरह से अछूत बन गए हैं। हाल ही में, अमेरिकी रक्षा विभाग ने यूक्रेन को उसकी 'महत्वपूर्ण सुरक्षा और रक्षा जरूरतों को पूरा करने के लिए 500 मिलियन अमेरिकी डॉलर तक के अतिरिक्त सुरक्षा सहायता पैकेज की घोषणा की है। सुरक्षा पैकेज में रूस के साथ चल रहे संघर्ष में यूक्रेन के जवाबी आक्रामक अभियानों में सहायता करने और अपनी हवाई सुरक्षा को मजबूत करने की महत्वपूर्ण क्षमताएं शामिल हैं। एक सप्ताह पहले, एंटनी ब्लिंकन ने यूक्रेन के आधुनिकीकरण और पुनरोद्धार को सक्षम करने के लिए निजी क्षेत्र के साथ काम करने की अमेरिकी प्रतिबद्धता पर भी ध्यान दिया था। स्थानीय अधिकारियों के हवाले से बताया कि मंगलवार को पूर्वी यूक्रेन के क्रामाटोरस्क के मध्य में एक हलचल भरे स्थान पर एक रूसी मिसाइल के हमले में एक बच्चे सहित कम से कम चार लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। डोनेट्स्क क्षेत्र के सैन्य प्रशासन के प्रमुख पावलो किरिलेंको के अनुसार, हमले मंगलवार को स्थानीय समयानुसार लगभग शाम 7:30 बजे हुए।

पुतिन से बगावत करने वाले जनरल सुर्गेई गिरफ्तार, रूस में फिर मचा घमासान

मॉस्को (एजेंसी)। इस समय रुस में जनरल सुर्गेई की गिरफ्तारी की खबरें आ रही हैं। हालांकि इसके पीछे यूक्रेन से युद्ध लड़ने में सहयोग करने वाले वैगनर ग्रुप को जिम्मेदार ठहराया जा रहा है। जिसके चलते अब रूस को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। लेकिन वैगनर ग्रुप ने अब रूस के खिलाफ ही मोर्चा खोल दिया है। इस बीच रूस में जनरल सुर्गेई सुरोविकिन को गिरफ्तार करने की खबर सामने आ रही है। हालांकि अभी तक रूस के रक्षा मंत्रालय की तरफ से इस गिरफ्तारी को लेकर कोई बयान नहीं आया है। वहीं मंत्रालय के दो करीबी सूत्रों के हवाले से गिरफ्तारी की पुष्टि की है। जबकि अन्य चैनलों पर जनरल सुर्गेई की गिरफ्तारी की खबरें चल रही हैं। जानकारी के अनुसार बीते शनिवार को वैगनर टीफ येवेगनी प्रिगोझिन की तरफ से राष्ट्रपति पुतिन के खिलाफ विद्रोह शुरू हुआ है, तभी से जनरल सुर्गेई लापता चल रहे हैं। पिछले साल से शुरू हुए इस युद्ध का सुर्गेई को जनरल बनाया गया था। हालांकि उस वक्त सुर्गेई की नियुक्ति को सही

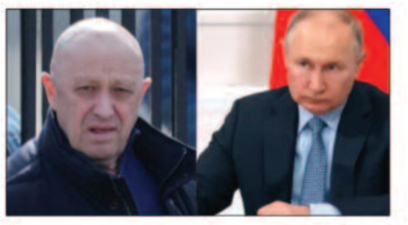

फैसला बताया गया था।

इस संबन्ध में एक करीबी सूत्र ने कहा कि जनरल सुरोविकिन की स्थिति ठीक नहीं है। इससे ज्यादा और कुछ नहीं कह सकता। वहीं एक अन्य सूत्र ने कहा कि सुरोविकिन की गिरफ्तारी प्राइगोझिन के मामले में की गई है। विद्रोह के समय सुरोविकिन ने पुतिन और वैगनर ग्रुप के बीच वैगनर ग्रुप को चुना, जिसके चलते उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है। वहीं जब सुरोविकिन के ठिकानों के बारे में पूछा गया तो सूत्र ने कहा कि हम इसपर टिप्पणी नहीं कर सकते हैं। वहीं बीते बुधवार को मिलिट्री ब्लॉगर व्लादिमीर रोमानोव ने सुरोविकिन की गिरफ्तारी की जानकारी देते हुए बताया था कि प्रिगोझिन के विद्रोह का समर्थन करने के अगले ही दिन सुरोविकिन को गिरफ्तार कर लिया गया था। ब्लॉगर रोमानोव को यूक्रेन की जंग का बड़ा समर्थक माना जाता है।

व्लादिनिर रोमानोव ने दावा किया था कि सुरोविकिन को मॉस्को के लेफोर्टोवो हिरासत केंद्र में रखा गया है। इसके अलावा एक रेडियो स्टेशन के चीफ एडिटर एलेक्स वेनेडिक्टोव ने भी टेलीग्राम पर लिखा कि सुरोविकिन तीन दिनों से अपने परिजनों के संपर्क में नहीं हैं। साथ ही उनके गार्ड भी कोई प्रतिक्रिया नहीं दे रहे हैं। बता दें कि यूक्रेन से युद्ध के बीच पुतिन के लिए वैगनर ग्रुप का विद्रोह सबसे बड़ी चुनौती बन गई है। जिसने सबसे गंभीर सुरक्षा संकट को जन्म दिया था। सुरोविकिन ने साल 2022 के अक्टूबर महीने से 2023, जनवरी के बीच तीन महीने के लिए यूक्रेन में रूस की सेना की कमान संभाली थी। इसके बाद रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने चीफ जनरल स्टाफ खवालेरी गेरासिमोव को इस युद्ध की जिम्मेदारी सौंपी थी।

दुश्मन कर सकते हैं डील में बाधा डालने की कोशिश, एमक्यू 9बी ड्रोन को लेकर अमेरिका से अगले चरण की बातचीत करेगा भारत

वाशिंगटन (एजेंसी)। रक्षा मंत्रालय के सूत्रों ने कहा कि भारत एमक्यू9बी हेल ड्रोन के अधिग्रहण पर संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ बातचीत करने के लिए तैयार है, नई दिल्ली विदेशी सैन्य बिक्री प्रक्रिया के माध्यम से खरीद में प्रतिस्पर्धी सौदे की मांग कर रही है। सूत्रों के मुताबिक, मंत्रालय ने केवल 31 एमक्यू 9बी हेल ड्रोन हासिल करने की आवश्यकता को स्वीकार किया है और अब कोई गंभीर बातचीत शुरू नहीं हुई है। अभी तक ये ड्रोन सिर्फ अमेरिका के पास हैं। चीन इसे हासिल करने की कोशिश कर रहा है लेकिन ऐसा नहीं कर पा रहा है। एक बार खरीदे जाने के बाद ये ड्रोन भारत को नई क्षमताएं देंगे। सूत्रों ने कहा कि देश के विरोधी चिंतित हैं और अधिग्रहण प्रक्रिया में बाधा डालने की कोशिश कर सकते हैं।

प्रक्रिया के अगले चरण में बिडेन प्रशासन को अनुरोध पत्र और अमेरिकी सरकार से प्रस्ताव और स्वीकृति पत्र प्राप्त करना शामिल है। यह पत्र अमेरिकी कांग्रेस से अनुमोदन के बाद अमेरिकी सरकार द्वारा प्रदान किया जाएगा। इसके बाद, अनुबंध वार्ता समिति (सीएनएस) कैबिनेट सुरक्षा समिति (सीसीएस) द्वारा अनुमोदन के लिए जाने से पहले समझौते की शर्तों को अंतिम रूप देगी। सूत्रों ने बताया कि इसके बाद ही वास्तविक कीमत और अनुबंध की शर्तों का पता चलेगा।

अमेरिकी रक्षा फर्म जनरल एटॉमिक ने भारत को 3.072 अरब डॉलर की कीमत पर 31 एमक्यू9बी ड्रोन की पेशकश की है, जो बातचीत का विषय है। उनमें से कुछ को शेल्फ़ से खरीदा जाएगा और कुछ को भारत में बनाया जाएगा। सूत्रों के मुताबिक, तीनों सेनाओं के लिए 31 ड्रोन की आवश्यकता भौगोलिक और समुद्री पड़ोस को ध्यान में रखते हुए भारत की जरूरतों और आवश्यकताओं के वैज्ञानिक अध्ययन पर आधारित है और एकीकृत रक्षा सेवाओं द्वारा अनुशंसित है।

डोनाल्ड ट्रंप ने उन पर बलात्कार का आरोप लगाने वाली महिला पर जवाबी मुकदमा दायर किया

न्यूयॉर्क । अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने उन पर बलात्कार का आरोप लगाने वाली स्तंभकार पर जवाबी मुकदमा दायर करते हुए दावा किया है कि शिकायतकर्ता पर उनके पैसे बकाया है और जूरी द्वारा इस बात से इनकार करने के बाद भी वह उन्हें बदनाम करने के लिए इस बात पर जोर देती रही कि उसके साथ बलात्कार हुआ है। अमेरिका में मैनहट्टन फैडरल ज्यूरी ने पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप को वर्ष 1996 में स्तंभकार ई. जीन कैरल का यौन उत्पीड़न और उनकी मानहानि करने का दोषी पाया था। अदालत ने ट्रंप पर 50 लाख डॉलर का जुर्माना लगाया था। हालांकि, अदालत ने कहा था कि कैरल यह साबित करने में विफल रहीं कि ट्रंप ने उनके साथ बलात्कार किया था। कैरल ने आरोप लगाया था कि पूर्व राष्ट्रपति ने मैनहैट्टन के एक डिपार्टमेंटल स्टोर में उनसे दुष्कर्म किया था। ट्रंप का प्रतिनिधित्व करने वाले वकील अलीना हब्बा और माइकल टी. मदाइओ ने मंगलवार देर रात मुकदमा दाखिल कर कहा कि कैरोल को ट्रंप कोदंडात्मक क्षतिपूर्ति का भुगतान करना चाहिए और अपने मानहानिकारक बयानों को वापस लेना चाहिए।

महान आप्रवासियों की सूची में शामिल हुए विश्व बैंक के अध्यक्ष अजय बंगा

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। न्यूयॉर्क के कार्नेगी कॉर्पोरेशन द्वारा विश्व बैंक के अध्यक्ष अजय बंगा को इस वर्ष की महान आप्रवासियों की सूची में शामिल किया गया है। गौरतलब है कि भारतीय-अमेरिकी बंगा, जो इस साल शीर्ष बैंक के 14वें अध्यक्ष बने हैं। अजय बंगा विविध पृष्ठभूमि और क्षेत्रों के 35 सम्मानित लोगों में से हैं। जिनके योगदान और कार्यों ने अमेरिकी समाज और लोकतंत्र को समृद्ध और मजबूत किया। भारत से वह प्रतिष्ठित कार्नेगी सूची में एकमात्र सम्मानित व्यक्ति हैं, जिसने 2006 से 700 से अधिक महान आप्रवासियों का नाम दिया है। कार्नेगी के एक बयान में कहा गया कि प्रमुख पदों पर 30 से अधिक वर्षों के अनुभव के साथ, बंगा से गरीबी से निपटने और जलवायु परिवर्तन को संबोधित करने के लिए विश्व बैंक में परिवर्तनकारी नीतियों की शुरुआत करने की उम्मीद है, अससे दुनिया भर के लोगों के लिए अवसर खुलेंगे। बंगा के संबन्ध में कहा गया कि हमें आप्रवासियों द्वारा पेश किए जाने वाले मूल्य और प्रतिभा को अपनाने के तरीके खोजने की जरूरत है, इनमें से सबसे महत्वपूर्ण बात उनकी विविधता है। उनके विविध दृष्टिकोण और अनुभव हमें मजबूत बनाते हैं। इस महीने की शुरुआत में, विश्व बैंक के नए अध्यक्ष बने बंगा इस संस्था का नेतृत्व करने वाले पहले भारतीय अमेरिकी हैं। उन्होंने भारत में अपना करियर शुरू किया। नेस्ले इंडिया में 13 साल और पेप्सिको में दो साल बिताए, और 1996 में, वह सिटीग्रुप में शामिल हो गए, और अंततः सीईओ के रूप में एशिया-प्रशांत क्षेत्र का नेतृत्व किया। बाद में अमेरिका चले जाने पर, उन्होंने कार्यकारी अध्यक्ष नामित होने से पहले 12 वर्षों तक मास्टरकार्ड के अध्यक्ष और सीईओ के रूप में कार्य किया। कई सम्मानों के बीच, उन्हें फॉरेन पॉलिसी एसोसिएशन मेडल, पद्मश्री और एलिस आइलैंड मेडल ऑफ ऑनर से सम्मानित किया गया। कार्पोरेशन के अनुसार बंगा ने शिक्षकों, सलाहकारों, परोपकारी, नौकरी निर्माता, लोक सेवक, कहानीकार और वकील के रूप में अपने काम के माध्यम से दूसरों के लिए अवसरों को बढ़ावा दिया है।

बकरीद के मौके पर स्वीडन में कुरान जलाए जाने से भड़का विवाद

–मुस्लिम समुदाय हुआ नाराज, नाटो की सदस्यता के खिलाफ तुर्की ने डाला अडंगा

स्टॉकहोम (एजेंसी)। स्वीडन की राजधानी स्टॉकहोम में बकरीद के मौके पर कुरान जलाने का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार कुछ प्रदर्शनकारियों ने इस्लाम के पवित्र ग्रंथ कुरान का फिर से अपमान किया है। एक व्यक्ति ने सेंट्रल मस्जिद के अंदर पहले कुरान को फाड़ा और फिर जला दिया। बुधवार को हुई इस घटना के बाद उसका तुर्की के साथ विवाद बढ़ता दिख रहा है। स्वीडन की पुलिस की तरफ से इस प्रदर्शन को मिली मंजूरी के बाद इस घटना को अंजाम दिया गया है। हालांकि बाद में पुलिस ने बाद में उस व्यक्ति पर जातीय या राष्ट्रीय समूह के खिलाफ हिंसा भड़काने का आरोप लगाया है। सलवान मोमिका नाम शख्स ने इस घटना को अंजाम दिया है। वह सेंट्रल मस्जिद के बाहर पुलिस अधिकारियों के पीछे से दो स्वीडिश झंडे लहराता हुआ दिखाई दिया। उस समय स्वीडन का राष्ट्रगान बज रहा था। कानों में एयरपॉड्स पहने और मुंह में सिगरेट लटकाकर उसने कुरान को बार-बार फाड़ा और फिर उसमें आग लगा दी।

बताया जा रहा है कि मोमिका एक इराकी शरणार्थी हैं और उनकी मंशा स्वीडन में कुरान को बैन कराना है।

स्वीडन में इस घटना ने मुस्लिम समुदाय को नाराज कर दिया है। यहां करीब 200 लोगों ने प्रदर्शन कर कुरान का बड़े पैमाने पर मजाक उड़ाया। मगर पुलिस की तरफ से इसे ज्यादा तवज्जो नहीं दी गई और उसे पूरी तरह से नजरअंदाज कर दिया गया। देश में पिछले कुछ समय से इस्लाम के खिलाफ प्रदर्शन जारी हैं। यह ताजा घटना ऐसे समय में हुई है जब नाटो का एक शिखर सम्मलेन होने वाला है जिसमें स्वीडन की सदस्यता पर फैसला होना है। घटना से नाराज तुर्की, स्वीडन की नाटो सदस्यता के खिलाफ है।

गौरतलब है कि पिछले साल यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद से ही स्वीडन, नाटो सदस्यता की मांग कर रहा है। लेकिन गठबंधन के सदस्य तुर्की ने इसमें अड़ंगा डाल दिया है। तुर्की ने स्वीडन पर उन लोगों को शरण देने का आरोप लगाया है जिन्हें वह आतंकवादी मानता है। साथ ही उसने स्वीडन से ऐसे लोगों के प्रत्यर्पण की मांग भी की है। तुर्की के विदेश मंत्री हाकन फिदान ने एक ट्वीट में स्वीडन में हुई घटना की निंदा की। उन्होंने कहा कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर इस्लाम विरोधी विरोध प्रदर्शन की अनुमति देना हरगिज बर्दाश्त नहीं है।

पवित्र हज यात्रा से सऊदी अरब की अर्थव्यवस्था को बूम देने की तैयारी में जुटे सऊदी किंग सलमान

–इस बार रिकॉर्ड 25 लाख हजयात्री पहुंचे सकते

रियाद (एजेंसी)। सऊदी अरब के पवित्र मक्का शहर में लाखों की तादाद में दुनिया के 160 देशों से मुसलमान हज करने के लिए पहुंचे हैं। करीब 42 डिग्री सेल्सियस की भीषण गर्मी में शैतान को पत्थर मारने की रस्म को अदा किया गया। सऊदी अरब का दावा है कि रिकॉर्ड 25 लाख लोग हज और उमरा के लिए मक्का पहुंच सकते हैं जो हज यात्रा के इतिहास में रिकॉर्ड होगा। हालांकि अभी यह आंकड़ा 18 लाख तक ही पहुंचा है। कोविड-19 के बाद पहली बार बिना किसी प्रतिबंध के हज का आयोजन हुआ है। कोरोना की वजह से पिछले साल केवल 10 लाख लोगों को ही हज की अनुमति दी गई थी। वहीं साल 2020 में केवल 10 हजार और साल 2021 में 59 हजार लोगों को इसकी अनुमति दी गई थी। सऊदी अरब में फिर से लाखों मुसलमानों के पहुंचने से प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान बहुत खुश हैं।

दरअसल, तेल की खान कहलाने वाले सऊदी अरब को भविष्य की अर्थव्यवस्था को लेकर बड़ा डर सता है। सऊदी अरब को अब यह महसूस होने लगा है कि अगर तेल के भंडार जल्द खत्म हो गया तब क्या होगा। वह भी तब जब दुनिया इलेक्ट्रानिक कारों की ओर बढ़ रही है और उसमें तेल की जरूरत नहीं होती है। इसकारण सऊदी सलमान के नेतृत्व में विजन 2030 का प्लान बनाया गया है। इसके तहत सऊदी अरब देश में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देना चाहता है। सऊदी अरब की नजर हज और उससे होने वाली अरबों डॉलर की कमाई पर है और इसकारण इस जमकर बढ़ावा दे रहा है। ताजा अनुमानों के मुताबिक वैश्विक बाजार में सऊदी अरब का हज टूरिज्म मार्केट 7 प्रतिशत सीएजीआर की दर से बढ़ने का अनुमान है। सऊदी अरब का हज और उमरा टूरिज्म बाजार साल 2032 तक 350 अरब डॉलर की आय तक पहुंचने का अनुमान है। कोरोना के पहले अनुमान लगाया गया था कि साल 2022 तक 10 दिन तक चलने वाले हज से होने वाली आय 30 अरब डॉलर तक पहुंच जाएगी और 1 लाख लोगों को हर साल नौकरियां मिलेंगी। उस समय 21 लाख लोगों के सऊदी अरब पहुंचने का अनुमान था।

सऊदी सरकार चाहती है कि साल 2030 तक हजयात्रियों की संख्या 30 लाख को पार कर कर जाए जिसे विश्लेषक बहुत ज्यादा महत्वाकांक्षी लक्ष्य मान रहे हैं। खबरों के मुताबिक कोरोना महामारी से सऊदी अरब जल्दी ही उबर गया है। यह सऊदी प्रिंस के साल 2030 के विजन के लिए बहुत अच्छा संकेत माना जा रहा है। सऊदी प्रिंस साल 2030 तक

तेल से अपनी निर्भरता को घटाना चाहते हैं और अर्थव्यवस्था में विविधता लाना चाहते हैं। सऊदी अरब सरकार ने हज को बढ़ावा देने के लिए मक्का में अरबों डॉलर खर्च करके बड़े पैमाने पर आधारभूत ढांचे को बनवाया है।

सऊदी सरकार मक्का के अबराज कुदाई में विशाल प्रॉजेक्ट चला रही है। इसमें दुनिया का सबसे बड़ा होटल भी शामिल है। इसमें 12 टॉवर हैं, जो 4 और 5 स्टार होंगे। प्रत्येक टॉवर 45 मंजिल ऊंचा होगा और इसमें 10 हजार बेडरूम, 70 रेस्त्रां, 4 हेलिपैड होंगे। इसके अलावा 5 फ्लोर होंगे, जिस पर सऊदी अरब के शाही परिवार के सदस्य शामिल होंगे। सऊदी अरब के हज मार्केट में एशिया, अफ्रीका और प्रशांत इलाके से हजयात्री शामिल हैं। हज यात्रा करना हर मुसलमान का सपना होता है और इससे सऊदी अर्थव्यवस्था को पर लग गया है।

1998 में अटल जी ने कहा था कि भारत गांवों का देश हैः केंद्रीय मंत्री फग्गन सिंह

» बारिश के बीच खड़गवां जनपद मैदान में केंद्रीय मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते की सभा भारी जनसमूह बीच हुई संपन्न

» केंद्रीय मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने हमेशा ही गांव गरीब किसान की चिंता करती है

» गांवों को शहरों से जोडने का काम 50 सालों में कांग्रेस सरकार ने नहीं किया: फग्गन सिंह

- संवाददाता -
चिरमिरी/खड़गवां,29 जून 2023
(घटती-घटना)।

कोरबा लोकसभा क्षेत्र के मनेन्द्रगढ़ विधानसभा में केंद्र की मोदी सरकार के 9 वर्ष सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के पूर्ण होने पर केंद्रीय राज्यमंत्री इस्पात एवं ग्रामीण विकास फग्गन सिंह कुलस्ते की आमसभा खड़गवां जनपद मैदान में संपन्न हुई।

भारी बारिश के बाद भी खड़गवां जनपद मैदान में केंद्रीय मंत्री की सभा में हजारों की संख्या में उपस्थित जनसमुह एकत्रित हुआ। इस बारिश थमने के बाद शुरू हुए इस आमसभा को संबांधित करते हुए केंद्रीय मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने हमेशा ही गांव गरीब किसान की चिंता की है 1998 में अटल जी ने कहा था कि भारत गांवों का देश है और गांवों को शहरों से जोडने का काम 50 सालों में कांग्रेस सरकार ने नहीं किया। अटल जी ने गांवों को शहरों से जोडने के लिए प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना का शुभारंभ किया। आज मै कहीं भी जाता हूं तो देखता हू कि गांव अब शहरों से जुड चुके है। लेकिन अटल जी की सरकार जाने के बाद 10 सालों तक प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना का हाल बेहाल हो गया था। 2014 से मोदी सरकार आने के बाद सड़कों का जाल गांव गांव तक तेजी से फैला है जिससे गांवों को विकास के रास्ते में तेजी से आगे बढ़ने का अवसर प्राप्त हुआ है। भारतीय जनता पार्टी की भाजपा सरकार में ही छत्तीसगढ़ का चहुमुखी विकास 15 सालों में हो पाया है। लेकिन विगत साढ़े 4 वर्षों में भूपेश बघेल की सरकार ने प्रदेश को पुनः बदहाल करने का काम किया है। आज गांवों में विकास कार्य ठप्प हो चुके है। कोई नया कार्य कांग्रेस की सरकार नहीं कर पा रही है। 2011 की सर्वे सुची के अनुसार गरीबों के मकान का निर्माण कराने केंद्र सरकार ने अनुमति प्रदान करी। लेकिन भूपेश सरकार ने गरीबों के आवास निर्माण के लिए कोई भी रूचि नहीं दिखाई। गरीबों को छत प्रदान करने की मोदी जी के महती योजना और गरीबों के साथ छल करने का काम भूपेश सरकार ने किया है। जल जीवन मिशन के तहत प्रत्येक घरों तक पेयजल उपलब्ध कराने की महत्वपूर्ण योजना की शुरूवात मोदी सरकार ने किया लेकिन दुर्भाग्य यह है कि भूपेश सरकार में जल जीवन मिशन का काम अत्यंत ही खराब स्थिति में है। मै जनप्रतिनिधियों को कहना चाहता हूं नल जल योजना को 100 प्रतिशत होने पर ही हैंड ओव्हर करें आधे अधूरे कामों को हैंड ओव्हर न होने दें। नल जल योजना में भी केवल लूट और लूट का खेल भूपेश राज में चल रहा है। आज पूरे देश में समूह के माध्यम से 10 करोड बहने विकास के मुख्य धारा से जुड चुके है जो कि 2014 के पहले केवल 3 करोड महिलाओं तक सीमित था जिसमें 9 वर्षों में 7 करोड की वृद्धि हुई है। पूरे देश में महिला स्व सहायता समूहों की संख्या लगभग 88 लाख है यह परिवर्तन महिलाओं के बीच में हुआ है। कांग्रेस सरकार में गौ सेवा का जो ढकोसला किया जा रहा है वह केवल हवा हवाई बातों तक ही सीमीत है एक भी गौठानों में गाये नहीं है। मनरेगा के माध्यम से प्रत्येक गौठानों में 19 लाख रूपए के काम कराये गये। केंद्र के द्वारा दिये गये मनरेगा के पैसों का पूरी तरह से कांग्रेस राज में दुरूपयोग किया गया है। गौ माता के नाम पर इस परियोजना में जो घोटाला कांग्रेस सरकार ने किया है उसका पाप भी कांग्रेस को लगेगा। आज इस कांग्रेस की सरकार से भूपेश बघेल से प्रदेश की जनता को हिसाब लेना होगा, भूपेश सरकार पूरी तरह से फेल हो चुकी है। केंद्र की मोदी सरकार ने विभिन्न शासकीय संस्थानों में 2023 में 10 लाख लागों को रोजगार मेले का आयोजन करके उनकी नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया है। डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी का सपना था कि जम्मू काश्मीर को देश से अलग न हो उसके लिए उन्होने अपने प्राणों की आहूति दी। मोदी सरकार की मजबूत इच्छा शक्ति के कारण ही आज एक देश एक निशान एक विधान का सपना साकार हो सका है। जम्मू काश्मीर से धारा 370 और 35ए का समाप्त होना देश की एकता और समप्रभूता के लिए मील का पत्थर साबित हुआ है। आदिवासी भाईयों को बताना चाहता हूं कि जम्मू कश्मीर के अंदर पहले कोई रिजर्वेसन नहीं था 35ए समाप्त होने से 15 सीटे आरक्षित की गई है।

इस दौरान आमसभा को पूर्व विधायक श्याम बिहारी जायसवाल ने संबोधित करते हुए कहा कि नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में बीते 9 सालों में चारो ओर विकास के कार्य हुये है। हमारे ग्रामीण क्षेत्र की बात करें तो यहां मोदी जी के द्वारा किसान सम्मान निधि के माध्यम से किसानों को सालाना 6 हजार रूपए सीधे उनके खाते में मिल रहे है। वहीं धान का समर्थन मुल्य केंद्र की मोदी सरकार ने 2200 रूपए क्विंटल होने से किसानों को उनके फसल उचित लाभ मिल पा रहा है। वहीं मोदी सरकार में छत्तीसगढ़ के आवास विहीन परिवारों के लिए मोदी सरकार द्वारा भेजे गये 16 लाख आवासों के निर्माण के लिए भूपेश सरकार ने अपने हिस्से का पैसा नहीं दिया। प्रदेश के भूपेश की गलत नीतियों के कारण हमारे क्षेत्र ही नहीं पूरे प्रदेश के लाखों लोग प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभ से वंचित हो गये है। जहां एक ओर देश के प्रधानमंत्री करोना काल में लोगों के भोजन की चिंता कर रहे थे निःशुल्क चावल देने का काम किये। वहीं भूपेश सरकार ने केंद्र सरकार द्वारा दिये जा रहे 5 किलो निःशुल्क चावल को आम जनता को न देकर ऑनलाईन शराब बेचने का काम किया। वहीं हमारे क्षेत्र की बात करें तो चिरमिरी नगर निगम में कोरोना काल में सेनेटाईजर घोटाला कर लोगों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड करने का काम किया गया। वहीं यहां के विधायक के भाई के क्रेसर में आदिवासी भाई की संदिग्ध मौत हो जाती है और पुलिस भी कोई मामला दर्ज नहीं करती है। यहां के विधायक केवल अवैध करोबार को बढ़ावा देने में संलिप्त है। और कहते है कि मैने कुछ गलत नहीं किया है कुछ गलत किया हू तो चुनाव नहीं लड़ूंगा। मै विधायक जी को इस मंच के माध्यम से कहना चाहता हूं कि वे अपने कृत्यों से खुद समझ चुके है कि जनता उन्हे अब मौका नहीं देने वाली इसीलिए अब वे इमोशनल बाते करके लोगों को गुमराह करने का काम कर रहे है। अभी विधायक के बहुत सारे मामले सामने आने वाले है जिसका आभास उन्हे हो गया है। जल्द ही विधायक का कच्चा चिट्ठा आम जनता के सामने लाने का काम भारतीय जनता पार्टी करेंगी। आम सभा को अन्य पदाधिकारियों के द्वारा भी संबोधित किया गया। भरी बारिश के बाद भी हजारों की संख्या में लोगो का उपस्थित रहना जनचर्चा का विषय बना रहा। इस आमसभा में कोरबा लोकसभा प्रवास प्रभारी श्रीमती चंपादेवी पावले, सह प्रभारी जोगेश लांबा, पूर्व मंत्री भईयालाल राजवाडे, भाजपा एमसीबी जिलाध्यक्ष अनिल केशरवानी, कोरबा जिलाध्यक्ष डॉ राजीव सिंह, कोरिया जिलाध्यक्ष कृष्णबिहारी जायसवाल, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य प्रदीप सालूजा, मनेन्द्रगढ़ विधानसभा प्रभारी मनोज शर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रेणुका सिंह, जनपद अध्यक्ष श्रीमती सोनमति उर्रे, महामंत्री रामलखन सिंह, वीरेन्द्र सिंह राणा, जिला उपाध्यक्ष जनार्दन साहू, जिला मंत्री अरूणोदय पाण्डेय, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष श्रीमती प्रतिमा पटवा, युवामोर्चा अध्यक्ष सुशील सिंह, कोषाध्यक्ष मुकेश जायसवाल, धनंजय पाण्डेय, श्रीमती नीलम सालूजा, श्रीमती गौरी हथगेन, अभय जायसवाल, रामलाल साहू, रामप्रताप, लखन लाल श्रीवास्तव, गोमती द्विवेदी, श्रीमती इंदू पनेरिया, श्रीमती कमला गढ़देवा, श्रीमती सावित्री दास, डम्बरू बेहरा, राजू नायक, बबलू शर्मा, मनोज जैन, श्रीमती मुनमुन जैन, श्रीमती प्रवीण सिंह, श्री राहुल सिंह, रमेश जायसवाल, धरमपाल सिंह, अरविंद अग्रवाल, विवेक अग्रवाल, रघुनंदन यादव, मनीष खटिक, संजय गुप्ता, राजेंद्र दास, मनोज केशरवानी, सहित जिले के सभी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

क्या पटना कॉलेज की मांग पर विधायक ने नहीं दिया ध्यान...

विधायक का ध्यान सिर्फ बैकुंठपुर कॉलेज तक ही सीमित?

» पटना कॉलेज की मांग नहीं हुई पूरी फिर भी पटना क्षेत्र के नेता विधायक की उपलब्धि पर दे रहे विधायक को धन्यवाद

» आखिर पटना की मांगों पर विधायक का क्यों नहीं रहता ध्यान?

- रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर,29 जून 2023
(घटती-घटना)।

पटना क्षेत्र के नेता भी बड़े अजीब हैं पटना क्षेत्र की मांग उनकी विधायक पूरा कर नहीं पा रहीं हैं और सोशल मीडिया पर क्षेत्र के विधायक समर्थक उनका बखान कर रहें हैं व बधाई दे रहे हैं आज तक पटना को पूर्ण तहसील का दर्जा नहीं मिल पाया और ना ही नगर पंचायत का दर्जा मिला साथ ही पटना कॉलेज के विस्तार के लिए भी मांग की गई थी पर पटना की मांग पर ध्यान नहीं दिया गया, वहीं बैकुंठपुर कॉलेज की मांग ही पूरी हो पाई अब ऐसे में पटना क्षेत्र के युवाओं का कहना है कि हमने भी पटना कॉलेज को स्नातकोत्तर कॉलेज का दर्जा दिलाने की मांग की थी, पर वह मांग जब सूची आई तो धरी की धरी रह गई, क्षेत्र को उम्मीद थी कि की यह मांग पूरी होगी और कॉलेज प्रबंधन भी इस मांग को पूरी होने का इंतजार कर रहा था पर सूची देखकर उन्हें निराशा हाथ लगी और सभी विधायक को कोसते नजर आए।

बता दें की हाल ही में प्रदेश के कॉलेजों में कई संकायों का अध्यापन आरंभ किए जाने की स्वीकृति प्रदान की गई है जिनमे से बैकुंठपुर कॉलेज में भी स्नातकोत्तर स्तर के लिए तीन संकायों की मंजूरी प्रदान की गई है जिनमे एम ए हिंदी, एम ए अर्थशास्त्र एवम एम कॉम की कक्षाएं अब बैकुंठपुर विद्यालय में संचालित की जाएंगी। उक्त स्वीकृति को विधायक समर्थकों ने विधायक की उपलब्धि बताकर विधायक को धन्यवाद भी दिया है। इसी मामले में पटना क्षेत्र के विधायक समर्थकों ने भी सोशल मिडिया पर इस मामले में विधायक को धन्यवाद संदेश प्रेषित किया है और जिसके बाद अब पटना क्षेत्र के ही छात्र नेता इसको लेकर पटना क्षेत्र के विधायक समर्थकों से यह पूछ रहें हैं की क्या पटना महाविद्यालय की मांग कभी पूरी नहीं होगी और पटना कॉलेज की मांग पर विधायक क्यों ध्यान नहीं दे रही हैं यह भी सवाल वह पूछ रहें हैं।

पटना कॉलेज में विभिन्न संकायों की मांग आखिर कब होगी पूरी,कब मिलेगा स्नातकोत्तर का दर्जा

क्षेत्र के छात्र नेता अब पूछ रहें हैं की बैकुंठपुर कॉलेज में संकायों का संचालन होगा यह अच्छी बात है लेकिन इसको लेकर पटना क्षेत्र के विधायक समर्थकों का उत्साह समझ से परे है जबकि उन्हे मालूम होना चाहिए की पटना कॉलेज को भी सुविधाओ में विस्तार की जरूरत है। स्नातकोत्तर का दर्जा साथ ही सभी संकायों की पढ़ाई पटना कॉलेज में भी हो सके इसको लेकर भी ध्यान दिए जाने की जरूरत है।यह मांग कब पूरी होगी यह अब छात्र नेता पूछ रहें हैं।

एके इंस्टीट्यूट नर्सिंग कॉलेज मनेंद्रगढ़ के छात्र छात्राओं के प्रदर्शन से एमसीबी जिला हुआ गौरवान्वित

» एके इंस्टीट्यूट नर्सिंग कॉलेज मनेंद्रगढ़ के छात्र छात्राओं के प्रदर्शन से एमसीबी जिला हुआ गौरवान्वित

- संवाददाता -
मनेन्द्रगढ़,29 जून 2023
(घटती-घटना)।

ए.के. इंस्टीट्यूट नर्सिंग कॉलेज मनेंद्रगढ़ के सभी छात्र छात्राओं ने अपने प्रदर्शन से एमसीबी जिला को गौरवान्वित किया है, मुझे विश्वास है कि आने वाले समय में इस संस्थान के छात्र सेवा के क्षेत्र में अपना उल्लेखनीय योगदान देंगे, एक नर्स के लिए अवसर विविध और असीमित हैं। एक नई पेशेवर नर्स नैदानिक अभ्यास, शिक्षा, अनुसंधान, प्रबंधन, प्रशासन, व्यावसायिक और औद्योगिक नर्सिंग के बीच चयन कर सकती है। इस नर्सिंग कालेज की स्थापना 14वर्ष पूर्व में हुई।और तब से कॉलेज ऑफ नर्सिंग का प्रबंधन बोर्ड नर्सिंग शिक्षा और अनुसंधान के मानकों में सुधार के लिए प्रतिबद्ध है।

उक्त बातें बीएससी नर्सिंग चतुर्थ वर्ष के परीक्षा परिणामों की घोषणा होने पर संस्थान के संचालक डा. ए के ओझा ने की, घोषित परीक्षा परिणाम में एके नर्सिंग कॉलेज का परीक्षा परिणाम 97 प्रतिशत रहा जिसमें अधिकांश छात्र -छात्राओं को 95प्रतिशत प्रथम श्रेणी मिला, इस प्रदर्शन में छात्र छात्राओं के साथ ही संस्था संचालक एवं प्राचार्य समेत सभी शिक्षकों अथक प्रयास रहा, उल्लेखनीय है कि विगत 14 वर्षों से ए के इंस्टीट्यूट नर्सिंग कॉलेज चैनपुर मनेंद्रगढ़ में संचालित है. इस सत्र में परीक्षा में सम्मिलित होने वाले छात्र-छात्राओं की संख्या 30 थी जिसमें 27 परीक्षार्थी सफल रहे, जिसमें परीक्षा परिणाम 95 प्रतिशत रिजल्ट रहा.जिले में नर्सिंग के क्षेत्र में एकमात्र ए के नर्सिंग कॉलेज जो सुविधाजनक एवं अच्छा परिणाम देने वाला संस्थान है जहां छात्र संस्था संचालक एवं प्राचार्य और शिक्षक गण के अथक प्रयासों से एवं अनुशासन को मानते हुए कार्य कर रहे हैं जिसका परिणाम छात्र-छात्राओं के परीक्षा परिणाम से देखा जा सकता है. इस मौके पर कान के छात्र छात्राओं ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि कक्षा शिक्षण को नैदानिक अभ्यास, पर्यवेक्षित रोगी देखभाल, निरंतर परामर्श और मार्गदर्शन, विभिन्न अतिरिक्त भित्तिचित्र गतिविधियों में भागीदारी से संबंधित नवीन शिक्षण शिक्षण विधियां संस्थान के कुछ मुख्य आकर्षण हैं।राष्ट्रीय स्तर पर सक्षम नर्सों को विकसित करने के लिए छात्र अनुकूल वातावरण बनाए रखने का प्रयास करता है जो अत्यधिक जटिल स्वास्थ्य देखभाल वातावरण में तेजी से प्रगति के साथ-साथ दयालु, सुरक्षित और प्रभावी रोगी देखभाल प्रदान करने में सक्षम हैं।

15 सौ वर्ग फिट में मकान बनाकर देने के बजाय 211 फीट में बिल्डर ने मकान बना हितग्राही को लगाया चूना...बिल्डर की बढ़ी मुसीबत

» बिल्डर व उसकी पत्नी पर पहले से ही था मामला पंजीबद्ध अब शाखा प्रबंधक की भी संलिप्तता आई सामने...गए जेल

» मां वैष्णव एसोसिएट्स प्रायवेट लिमिटेड को नियम विरूद्ध ऋण स्वीकृत कर लाभ पहुंचाया था

» बिल्डर व उनकी पत्नी पर दो धाराएं और बढ़ी...बिल्डर की मुसीबत खत्म होने का नाम नहीं ले रही

» बिल्डर के लिए हितग्राही बना सर दर्द बिल्डर को सुप्रीम कोर्ट तक का करना पड़ा सफर

» कोरिया पुलिस ने तीन अलग-अलग मामले का प्रेस कॉन्फ्रेंस कर किया खुलासा

- रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर,29 जून 2023
(घटती-घटना)।

कोरिया जिले के बैकुंठपुर शहर के मशहूर बिल्डर की मुसीबत कम होने का नाम नहीं ले रही है 2020 से लेकर अभी तक उनके ऊपर कई मामले पंजीबद्ध हो चुके हैं सारे मामले जमीन से संबंधित हैं, एक पुराने मामले में ही शाखा प्रबंधक की संलिप्तता सामने आई है जिसमें उन्होंने फर्जी दस्तावेज पर लोन दे दिया था जिस पर पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है, वही बिल्डर संजय अग्रवाल व उनकी पत्नी के खिलाफ दो धारे और जोड़े गए हैं, यह धारे इसलिए जोड़े गए हैं क्योंकि बैंक में फर्जी आर्किटेक्चर के दस्तावेज लगाकर लोन करवाया गया था। बिल्डर संजय अग्रवाल के लिए यह समय बिल्कुल भी अच्छा नहीं चल रहा, वही बिल्डर से एक प्रार्थी जो न्याय के लिए लगातार गुहार लगा रहा है वह सर दर्द बन चुका है और वह बिल्डर को सजा दिलाने के लिए सुप्रीम कोर्ट तक जाने को तैयार है, वही पीड़ित के मामले में बिल्डर को जमानत के लिए सुप्रीम कोर्ट तक जाना पड़ा था और वही से वह जमानत पर बाहर थे, पीड़ित व्यक्ति रामकुमार रवि के साथ बिल्डर ने काफी बड़ा धोखा किया उन्हें 15 स्क्वायर फीट में मकान देने के बजाय 211 स्क्वायर फीट में ही जमीन की रजिस्ट्री करा दी, जिससे रामकुमार रवि काफी पीड़ित है और न्याय के लिए हर तरह का प्रयास कर रहे हैं।

कोतवाली की बड़ी कार्यवाही...बिल्डर से साठगांठ कर लोन बांटा...सेंट्रल बैंक ब्रांच मैनेजर गिरफ्तार

बिल्डर से साठगांठ कर नियम विरुद्ध लोन देने वाले सेंट्रल बैंक के तत्कालीन ब्रांच मैनेजर को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है। एसपी टी बसंल ने बुधवार को प्रेसवार्ता में बताया कि प्रार्थी रामकुमार रवि निवासी एमएलए नगर बैकुंठपुर ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जिसमें बताया कि 2017 में मां वैष्णव एसोसिएट्स प्रायवेट लिमिटेड के संचालक संजय अग्रवाल और उसकी पत्नी सीमा अग्रवाल के साथ जमीन खसरा नंबर 242/2 में से 1500 वर्ग फीट में मकान निर्माण कर 3 बीएचके के लिए 25 लाख में सौदा हुआ था। मामले में खसरा नंबर 243/2 में से रकबा 0.014 हेक्टेयर 30 बाइ 50 कुल 1500 वर्ग फीट का चौहद्दी पटवारी सीपी पैकरा से तैयार कराया गया। फिर बाद में बिल्डर संजय और पत्नी सीमा दोनों मिलकर विश्वास में लेकर चौहद्दी को काट कर खसरा नंबर 243/2 में से रकबा 0.002 हेक्टेयर 211 वर्ग फीट की रजिस्ट्री कराई है। बिल्डर संजय द्वारा उक्त भूमि का आवासीय ऋष्रा लेने का सारा दस्तावेज तैयार कर स्वयं सेंट्रल बैंक बैकुंठपुर के शाखा प्रबंधक सुमित कुमार से मिले। फिर खसरा नंबर 243/2 में से रकबा 0.014 हेक्टेयर 211 वर्ग फीट जमीन व मकान के नाम पर 18 लाख स्वीकृत कराने के बाद आरोपी बिल्डर पैसा लेकर एक दुकाननुमा मकान बनाकर दिया है। आरोपी बिल्डर के खिलाफ धारा 420,120 (बी), 294, 506 एवं 3(2)(5-क)(द)(प) एससी-एसटी एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। मामले में आरोपी बिल्डर संजय अग्रवाल, उसकी पत्नी सीमा अग्रवाल, सेंट्रल बैंक बैकुंठपुर के तत्कालीन शाखा प्रबंधक सुमित कुमार पिता मिट्ठू राम उम्र 38 वर्ष सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया शाखा बैकुण्ठपुर के विरूद्ध अपराध करना सबूत पाया गया। पुलिस ने शाखा प्रबंधक सुमित कुमार को हिरासत में लेकर पूछताछ करने पर जुर्म स्वीकार करने के बाद गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर जेल भेजा गया है।

स्काई एप्प ऑनलाइन सट्टा-जुआ,पांच गिरफ्तार

एसपी बंसल ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर 27 जून को ऑनलाइन जुआ सट्टा स्काई एप्प जरिये खाड़ा निवासी बिजेन्द्र कुमार साहू, राजकुमार साहू को पकड़ा गया। जो ऑनलाइन जुआ-सट्टा खेला रहा था। थाना प्रभारी अनिल साहू ने नेतृत्व में छापामार कार्रवाई की गई। इस दौरान बिजेन्द्र कुमार पिता तिलकधारी साहू ग्राम खाड़ा, राजकुमार साहू पिता शिवराम साहू ग्राम खाड़ा, को पकड़ा गया है। आरोपियों से 2 नग मोबाइल फोन, जमा नकदी रकम 2100 रुपए जब्त किया गया है। पूछताछ करने पर सटोरिया खाईवाल राजाबाबू पिता चन्द्रभान साहू ग्राम कुड़ेली, निखिल साहू पिता चन्द्रप्रकाश साहू ग्राम मांजा सूरजपुर, राहूल साहू पिता लीलमोहन साहू निवासी जटगा कोरबा को पकड़ा गया। आरोपियों के पास से 5 नग मोबाइल और एक कार कुल जुमला 850000 रुपए जब्त कर गिरफ्तार किया गया है। कार्रवाई में लवांग सिंह, अमल कुजूर, उज्जैन पुरी, नवीन दत्त तिवारी, नवीन साहू, अजीत राजवाड़े आदि शामिल थे।

नौकरी लगाने के नाम पर 7.50 लाख ठगी, कलेक्ट्रेट का लिपिक गिरफ्तार

स्वास्थ्य विभाग में नौकरी लगाने के नाम पर 7.50 लाख ठगी करने वाले कलेक्ट्रेट के लिपिक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। एसपी टी बंसल ने बताया कि आदतन आरोपी सुरेश कुमार भारती पिता बलधारी राम सूर्यवंशी(32) ग्राम बरहोल थाना रामानुजनगर सूरजपुर निवासी को पकड़ा गया है। चरचा पुलिस ने धारा 420 में गिरफ्तार किया है। आरोपी के विरुद्ध थाना रामानुजनगर में धारा 354, धारा 363, 366, 376, 506, 200, 120बी, 420, धारा 294, 506, 147, 148, 149 एवं थाना चरचा में धारा 467, 468, 471, 494, 498 के मामले अपराध लंबित हैं। आरोपी फरार होने के बाद न्यायालय से अग्रिम जमानत ले लेता था। मामले में थाना चरचा ने धारा 420 को धरदबोचा है। प्रार्थी हंस लाल, रेवा लाल, संजय कुमार सूर्यवंशी निवासी ग्राम कठौतिया जिला एमसीबी से स्वास्थ्य विभाग में नौकरी लगाने के नाम पर कुल 7.50 लाख की ठगी की थी। आरोपी कलक्टर कार्यालय बैकुंठपुर में लिपिक के पद पर कार्यरत था। कार्यवाही में निरीक्षक डीपी सिंह, सत्येंद्र तिवारी, विजय सिंह, राजेश रगड़ा, सतीश सिंह आदि शामिल थे।

हादसे को आमंत्रण दे रहा बिजली का ट्रांसफार्मर,
पोल व तार झुका,बिजली विभाग नहीं दे रहा ध्यान

-रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर,29 जून 2023 (घटती-घटना)।

बिजली विभाग की लापरवाही का नजारा कोरिया जिला के चिरगुड़ा ग्राम पंचायत के अटल चौक से पटना चिरगुड़ा मुख्य सड़क मार्ग पर झूलते तार व ट्रांसफार्मर की स्थिति को देखकर लगाया जा सकता है। सड़क के ऊपर महज सात फीट पर लटक रहा बिजली का तार कभी दुर्घटना का सबब बन सकती है वही नजदीक में स्तिथ ट्रांसफार्मर में एक हसे पूर्व आग लगने से मुख्य ट्रांसफार्मर से ग्रीप तक जोड़ा गया मुख्य तार जल गया जिस पर ऑयल भी नही है । जिसकी सूचना भी ग्रामीणों ने विभाग को दी किन्तु अधिकारी मैडम के उदासीनता से इस और अब तक ध्यान नही दिया गया । वही मुख्य ग्राम सड़क पर आते-जाते लोग, मवेशी या फिर कोई वाहन हादसे का शिकार हो सकते है। कितु आश्चर्य कि विद्युत विभाग इस समस्या के प्रति उदासीन है। ऐसा भी नहीं है कि उक्त समस्या से विभाग अनजान है। क्योंकि इस बाबत कई दफा शिकायत की जा चुकी है। कितु हर बार तार हटा लेने ,नया पोल देने व केबल बदलने का आश्वासन मिलता है जिसे कार्यरूप नहीं दिया जाता। स्थानीय लोग महज छह से सात फुट ऊंचे विद्युत धारा प्रवाहित तार के नीचे आते-जाते हैं, क्योंकि दूसरा कोई विकल्प नहीं है। निराश आसपास के लोगों का कहना है कि अनदेखी से यह जाहिर होता है कि जब तक कोई बड़ा हादसा नहीं हो जाता तब तक विभाग की निंद्रा नहीं टूटेगी। यह जरूरी नहीं कि हर समस्या के समाधान के लिए सड़क जाम और विरोध प्रर्दशन ही करना पड़े।

ऐसा लगता है कि बिजली विभाग पटना के अधिकारी व कर्मचारी आंखें मूंद कर बैठे है और किसी बड़ी दुर्घटना का इंतजार कर रहे है। ग्राम के मुख्य मार्ग पर लगा हुआ बिजली का खंभा भी सड़क पर झुक चुका है और यदि थोड़ी हवा चलती है तो यह खंभा कभी भी गिर जाएगा क्यो की हवा चलते ही तार आपस मे टकराते है एक बार एक ग्रामीण के ऊपर तार गिर भी चुका है । विभाग के अधिकारियों का अबतक इस ओर कोई ध्यान नहीं है। वैसे भी ऐसा लगता है कि बिजली वितरण कंपनी हमेशा चर्चाओं में बने रहना पसंद करते हैं। वर्तमान दौर में बिजली की अघोषित कटौती को लेकर बिजली विभाग के चर्चे आम है और इस समय चिरगुड़ा ग्राम पंचायत में बिजली का ट्रांसफार्मर में लगी आग से टूटा तार व अन्य तारो के जलने के साथ ही झुका हुआ खंभा जिस पर छह फीट में झूलते तार पर बिजली विभाग का कोई ध्यान नहीं है। विदित है कि पटना विद्युत केंद्र में विभाग के द्वारा प्रतिवर्ष रिपेयरिंग का मेंटेनेंस के नाम पर लाखों रुपए खर्च किए जाते हैं। लेकिन जो आम जनता की परेशानी से संबंधित कार्य होते हैं, उस ओर विभाग का कोई ध्यान नहीं होता ऐसे नजारे कई बार देखने को मिले हैं।वही अब जब वर्षा सुरु हो गई तो लगता है इन्हें दुर्घटना का इंतजार है। क्या कोई दुर्घटना होने पर ये जवाबदारी लेंगे जिसे लेकर सवाल उठना लाजमी हैं ।

हवा का झोंका आते ही गिर सकता है खंभा

जिस तरह की स्थिति बिजली विभाग के खंभे में देखने को मिल रहे हैं। उसमें यदि हवा का झोंका तेजी के साथ आता है तो यह खंभा गिर सकता है, जिससे परेशानी आम लोगों को ही होगी।

विभाग कर रहा दुर्घटना का इंतजार

विभाग इस मामले में लापरवाही बरतते हुए दुर्घटना का इंतजार कर रहा है। मुख्य सड़क मार्ग पर होने के बावजूद विभाग का इस ओर कोई ध्यान नहीं है। जबकि गर्मी के समय विभाग के द्वारा मेंटेनेंस किए जाने की बात लगातार कहा जाता रहा है।

नारायण सिंह उप सरपंच ग्राम पंचायत चिरगुड़ा

बिजली विभाग के समस्या को लेकर पटना विद्युत विभाग के कनिष्ठ अभियंता मैडम जी को ग्राम के पंच व ग्रामीणों के माध्यम से सूचना रजिस्टर व मौखिक अवगत कराया गया है किंतु तार केबल व खम्बा नही होने के बात कहकर ग्रामीणों की बात पर ध्यान नही दिया गया है । जिससे ट्रांसफार्मर पर लगी आग व ग्राम में झूलते तार दुर्घटना को आमंत्रित कर रहे सायद विभाग यही चाहता है ।

वास्तव में किसानों को जब है आवश्यकता, तब जिला पंचायत उपाध्यक्ष ले रहे सुध

» किसानों को पूरे वर्ष रहता है मानसून का इंतजार, इस समय किसी प्रकार कष्ट ना हो, इसकी चिंता सर्वोपरि

» समितियों में जाकर खाद बीज वितरण का जायजा ले रहे जिला पंचायत उपाध्यक्ष वेदांती तिवारी

- संवाददाता -
बैकुण्ठपुर,29 जून 2023 (घटती-घटना)।

पूरे वर्ष किसानों को मानसून का इंतजार रहता है, ताकि अपने जीविकोपार्जन के लिए और उत्पादन के लिए वह आशातीत मेहनत कर सफलता अर्जित कर सकें। इसके लिए सरकार भी समय-समय पर हर संभव प्रयास करती है, और किसानों की सुविधा का ध्यान रखते हुए सहकारी समितियों के माध्यम से खाद बीज एवं किसानी कार्य के लिए नगद राशि के ऋष्ण की सुविधा उपलब्ध कराती है। परंतु शासन की योजनाओं द्वारा प्रदाय किए जाने वाले सुविधाओं से कई कारणवश किसान वंचित रह जाते हैं। जिनकी सुध कोई नहीं लेता। परंतु कोरिया जिले के जिला पंचायत उपाध्यक्ष एवं पीसीसी सदस्य वेदांती तिवारी इस समय जिले के विभिन्न क्षेत्रों के सहकारी समितियों में जाकर किसानों से मिल रहे हैं, एवं उनकी समस्याओं का तात्कालिक निराकरण का प्रयास कर रहे हैं। जोकि अपने आप में अनूठा कार्य है। क्योंकि जहां इस समय भीषण गर्मी के बाद लगातार हो रही बरसात में नेताओं को घर पर रहने को मजबूर कर दिया है, वहीं मूलतः किसान नेता वेदांती तिवारी किसानों की समस्याओं से रूबरू अवगत होकर उनके निदान का कारण बन रहे हैं।

वैसे तो सरकार, अधिकारी और उनके नुमाइंदे हर संभव प्रयास करते हैं कि सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का पूरा लाभ जमीनी स्तर पर किसानों को मिल सके। परंतु कमीशन खोरी और बिचौलियों की वजह से हजारों की तादाद में किसान समितियों से प्रदाय किए जाने वाले खाद बीज और सहकारी ऋष्ण से वंचित हो जाते हैं। मजबूरन उन्हें बाजार से उच्च दामों में खाद बीज एवं सूदखोरों से किसानी कार्य के लिए ब्याज पर पैसा लेना पड़ता है। जोकि अत्यंत कष्टकारक एवं पीड़ादायक होता है। इन्हीं सब चीजों को ध्यान में रखते हुए जमीन से जुड़े हुए किसान नेता वेदांती तिवारी गांव गांव भ्रमण कर एवं सहकारी समितियों में जाकर किसानों से मिलकर उनके समक्ष आने वाली समस्याओं को सुनकर उसका निदान करने का प्रयास कर रहे हैं। जो कि सत्ता पक्ष और विपक्ष के हर नेताओं के लिए अनुकरणीय होना चाहिए। जहां एक ओर हम किसानों के द्वारा ही राज्य और देश की अर्थव्यवस्था का दम भरते हैं, वहीं यदि किसान मूलभूत सुविधाओं से वंचित हो जाएं तो अर्थव्यवस्था के चरमराने की आहट आने लगती है। वेदांती तिवारी के इस कार्य को ग्रामीण जन और किसानों ने सराहा है, और उन्हें जनता का सच्चा हितैषी बताया है।

अमले की कमी से जूझता स्वास्थ्य विभाग, स्वीकृत पदों में से अब तक 488 पद रिक्त

- राजा मुखर्जी -
कोरबा,29 जून 2023 (घटती-घटना)।

कोरबा में मानसून के दस्तक देते ही मौसमी बीमारियां भी पांव पसारने लगी है ऐसे में जनसामान्य के स्वास्थ्य की बागडौर एक बार फिर स्वास्थ्य विभाग के कंधों पर आ गई है। लेकिन आकांक्षी जिला कोरबा में स्वास्थ्य विभाग के स्वीकृत 1347 पदों में से 488 (करीब 36 फीसदी) पदों की रिक्तता ने चुनौती बढ़ा दी है। विशेषज्ञ चिकित्सकों ,स्टॉफ नर्स सहित तमाम स्वास्थ्य अमलों की कमी से एक बार फिर स्वास्थ्य विभाग को 15 लाख की आबादी को सेवाएं देने जूझना पड़ेगा। आँकाक्षी जिला कोरबा में स्वास्थ्य विभाग लंबे अरसे से अमले की कमी से जूझ रहा है। शासन की अनदेखी की वजह से स्वास्थ्य विभाग में स्वीकृत पदों में से करीब 36 फीसदी पद नहीं भरे जा सके। 1347 पदों में से 488 पद अभी भी रिक्त हैं। इनमें नियमित के स्वीकृत 993 पदों में से 312 पद रिक्त हैं वहीं एनएचएम के 354 स्वीकृत पदों में से 176 पद नहीं भरे जा सके। यदि बात करें सबसे प्रमुख पद विशेषज्ञ चिकित्सकों की तो, नियमित एवं एनएचएम के कुल स्वीकृत 46 पदों में से 38 पद रिक्त हैं। वहीं स्वास्थ्य विभाग स्टाफ नर्स की समस्या से भी जूझ रहा है। स्टॉफ नर्स के नियमित व एनएचएम के कुल 288 पदों में से 137 पद रिक्त हैं। लैब टेक्नीशियन के 74 पदों में से 27 नहीं भरे जा सके। ग्रामीण स्वास्थ्य संयोजक पुरुष के 260 स्वीकृत पदों में से 111 तो ग्रामीण स्वास्थ्य संयोजक महिला के 300 स्वीकृत पदों में से 69 पद रिक्त हैं। पीजीएमओ के 03 ,चिकित्सा अधिकारी के 05 ,दंत चिकित्सक के 01,ग्रामीण चिकित्सा सहायक के 06, नेत्र सहायक अधिकारी के 22,फार्मासिस्ट ग्रेड -2 के 29 पद अब तक नहीं भरे जा सके। अब उम्मीद है के प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री रहे श्री टी एस बाबा के उप मुख्यमंत्री बनने से आकांक्षी जिलों के स्वास्थ्य सेवाओं को एक नई दिशा मिलेगी जिससे स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार बढ़ने के साथ साथ जिले के स्वास्थ्य विभाग में 488 रिक्त पदों पर भी जल्द से जल्द नियुक्तियां होगी।

कमला नेहरू महाविद्यालय के स्वर्णिम 52 वर्षों के उपलब्धियों ने देश और अंचल के नाम को किया रोशन

- संवाददाता -
कोरबा,29 जून 2023 (घटती-घटना)।

कोरबा जिले के तिलक भवन में कमला नेहरू महाविद्यालय शिक्षण समिति के अध्यक्ष किशोर शर्मा ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए महाविद्यालय के उच्च शिक्षा में तय किए गए 52 वर्षों का स्वर्णिम सफर की जानकारी दी । उन्होंने कहा के जिले में सर्वप्रथम नैक मूल्यांकन के साथ बी ग्रेडिंग प्राप्त कमला नेहरू महाविद्यालय कोरबा वर्ष 1971 से संचालित जिले की पहली निजी उच्च शिक्षण संस्था है। यह प्रतिष्ठित महाविद्यालय अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छत्तीसगढ़) से सम्बद्धता व उच्च शिक्षा विभाग छत्तीसगढ़ शासन से मान्यता प्राप्त है। यह कोरबा में सर्वप्रथम उच्च शिक्षा की सुविधा प्रारंभ करने वाला महाविद्यालय तो है जो देश को अनेक ऊर्जावान युवाओं की सौगात देने वाली एक प्रतिष्ठित उच्च शिक्षण संस्था भी है। केएन के कैम्पस से पढ़कर निकले युवा देश-दुनिया में कोरबा व छत्तीसगढ़ का नाम रोशन कर रहे हैं। इनमें केएन कॉलेज के पूर्व विद्यार्थी विकास अग्रवाल इसरो में वैज्ञानिक हैं, तो वर्तमान में कोरबा जिले में ही कटघोरा में पदस्थ ईश्वर चंद्र त्रिवेदी पुलिस महकमे में डीएसपी हैं, सत्यम सोनी बालको-वेदांता में है, तो वर्ष 2020 में सीजीपीएससी क्रैक कर कॉलेज की प्रतिभावान छात्रा रहीं स्वाति गुरुदिवान असिस्टेंट प्रोफेसर की जिम्मेदारी निभा रहीं हैं। इसी तरह वर्ष 2018-19 के विद्यार्थी अंकित श्रीवास्तव बिलासपुर में सॉइल टेस्टिंग ऑफिसर के रूप में सेवाएं दे रहे हैं इनके अलावा आईटी सेक्टर की विभिन्न मल्टीनेशनल कंपनियों, शिक्षा विभाग, पुलिस-प्रशासन से लेकर अनेक क्षेत्रों में कॉलेज से उच्च शिक्षा प्राप्त कर निकले युवा कोरबा व छत्तीसगढ़ को गौरवांन्वित कर रहे हैं यहां तक कि कमला नेहरू कॉलेज में अधययन करते हुए अपने राजनीतिक कॅरियर का आगाज करने वालेद्ध श्री जयसिंह अग्रवाल न केवल कोरबा, बल्कि छत्तीसगढ़ के राजस्व मंत्री की अहम जिम्मेदारी निभाते हुए वर्तमान में प्रदेश का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।

महाविद्यालय का मुख्य उद्देश्य व्यावसायिकता से परे, हर वर्ग के युवाओं के लिए उत्कृष्ट उच्च शिक्षा सुलभ कराना है संस्था का मूल ध्येय केवल क्षेत्र के आदिवासी युवाओं और हर वर्ग के लिए उच्च शिक्षा की उत्कृष्ट सेवा उपलब्ध कराना रहा है। शिक्षण समिति के अध्यक्ष किशोर शर्मा, उपाध्यक्ष डॉ. आरसी पाण्डेय, सचिव सुरेंद्र लांबा व सहसचिव पद पर उमेश लांबा हैं। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रशांत बोपापुरकर हैं। इस महाविद्यालय में बीए, बीकॉम, बी.एससी (गणित, जीव विज्ञान, कंप्यूटर विज्ञान, आई.टी), एमए एजुकेशन व बी.लिब एंड आईएससी (पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान) जैसे स्नातक पाठ्यक्रम के साथ-साथ कला संकाय में हिंदी साहित्य, अंग्रेजी साहित्य, अर्थशास्त्र, भूगोल में व विज्ञान विषयों में जूलॉजी, गणित, रसायन, कंप्यूटर साइंस में स्नातकोत्तर कक्षाएं संचालित हैं। वहीं पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में एम.लिब एंड आईएससी स्नातकोत्तर डिग्री कोर्स उपलब्ध हैं। विशेष रूप से केमिस्ट्री, जूलॉजी, बॉटनी, कंप्यूटर साइंस, इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी व फॉरेस्ट्री विषय के साथ बीएससी कोर्स उपलब्ध है। वर्तमान में विश्वविद्यालय की गाइडलाइन अनुरूप प्रवेश प्रक्रिया जारी है । अभिभावक उत्कृष्ट संस्था में गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा के लिए भरोसे के साथ निश्चिन्त होकर प्रवेश दिला सकते हैं। इस महाविद्यालय में श्रेष्ठ प्राध्यापकों द्वारा यूजीसी, उच्च शिक्षा विभाग एवं विश्वविद्यालय से निर्धारित गाइडलाइन अनुरूप उत्कृष्ट शिक्षण व्यवस्था सुनिश्चित किया जा रहा है। इस वर्ष कमला नेहरू महाविद्यालय के रहे यूनिवर्सिटी टॉपर - 1.सरिता मिश्रा- (वर्ष 2022-23)- एमए हिंदी प्रावीण्य सूची में गोल्ड टॉपर 2. बरखा भारद्वाज (वर्ष 2022-23)- एमए हिंदी प्रावीण्य सूची में सेकेंड टॉपर. 3.अंगूरा यादव (वर्ष 2022-23)- एमए हिंदी प्रावीण्य सूची में तृतीय टॉपर.4.आकांक्षा (वर्ष 2022-23)- एमए हिंदी प्रावीण्य सूची में पांचवां स्थान.5. सौरभ गुरुद्वान (वर्ष 2022-23)- एमए हिंदी प्रावीण्य सूची में छठवां स्थान प्राप्त किए है द्व वहीं मार्च 2023 में आए नतीजों में कमला नेहरू कॉलेज के 41 विद्यार्थी सी-टेट में सफल हुए।

त्याग और समर्पण से प्रोफेशनल करियर की राह बन जाती है आसानः कलेक्टर संजीव झा

- संवाददाता -
कोरबा,29 जून 2023 (घटती-घटना)।

प्रोफेशनल कॅरियर यदि बनाना है तो आपको व्यापक दृष्टिकोण से तैयार रहकर अपने गृह नगर का मोह छोड़ना होगा। रोजगार के क्षेत्र में आगे बढ़ने तथा अपना भविष्य सुधारने के लिए बाहर जाने के लिए मानसिक रूप से तैयार रहना होगा। त्याग और समर्पण प्रोफेशनल कॅरियर की राह को और आसान बना देती है। यह बात कलेक्टर संजीव कुमार झा ने बेरोजगारी भत्ता योजना के पात्र हितग्राहियों तथा जिले के अन्य बेरोजगार युवाओं के लिए लाईवलीहुड कॉलेज में आयोजित मेगा रोजगार मेला में कही। श्री झा ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ शासन की बेरोजगारी भत्ता योजना का उद्देश्य बेरोजगारों को मात्र बेरोजगारी भत्ता देना ही नहीं बल्कि बेरोजगारों को उनकी अभिरूचि के अनुसार प्रशिक्षण देकर कौशल उन्नयन करके उनको रोजगार-स्वरोजगार उपलब्ध कराना है। उन्होंने मेगा रोजगार मेला के विषय में कहा कि बेरोजगार युवाओं को खुले विचारों से इसका लाभ उठाना चाहिए तथा रोजगार प्राप्त करना चाहिए। युवाओं को यह भी देखना चाहिए कि प्लेसमेंट कंपनियों द्वारा वर्तमान में वेतन-भत्ते अन्य सुविधाओं के साथ ही क्या उनका भविष्य भी सुरक्षित हो रहा है। कलेक्टर ने कहा कि इस आयोजित मेले में न केवल टेक्निकल डिग्री वालों के लिए रोजगार उपलब्ध हैं।

हम लें ये संकल्प परिवार नियोजन को बनाएंगे,खुशियों का विकल्प

» 24 जुलाई तक जिले में मनाया जाएगा जनसंख्या स्थिरीकरण पखवाड़ा

- संवाददाता -
कोरबा,29 जून 2023 (घटती-घटना)।

जिले में परिवार नियोजन को बढ़ावा देने तथा जनसंख्या स्थिरीकरण करने हेतु जनसंख्या स्थिरीकरण पखवाड़ा का आयोजन 24 जुलाई 2023 तक किया जा रहा है। महापौर राजकिशोर प्रसाद ने जनसंख्या स्थिरीकरण पखवाड़े का प्रचार-प्रसार रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। प्रचार रथ के द्वारा जिले के सभी विकासखण्डों में घूमकर परिवार नियोजन के स्थाई साधन, महिला एवं पुरूष नसबंदी तथा पखवाड़े के संबंध में जागरूकता प्रदान किया जा रहा है। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एस.एन.केसरी, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.सी.के.सिंह, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ कुमार पुष्पेश उपस्थित थे। कलेक्टर श्री झा ने पखवाड़े के सफल आयोजन के लिए स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को विस्तृत दिशा-निर्देश दिए हैं साथ ही सभी आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने निर्देशित किया है। सीएमएचओ डॉ. केसरी ने पखवाड़े के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि जिले में परिवार नियोजन को बढावा देने के उद्देश्य 24 जुलाई 2023 तक जनसंख्या स्थिरीकरण पखवाड़ा मनाया जा रहा है। समस्त खण्ड चिकित्सा अधिकारियों को उक्त पखवाड़े के सफल आयोजन हेतु दिशा-निर्देश जारी किया गया है। उन्होंने बताया कि इस पखवाड़े को दो भागों में बॉटा गया है। जिसके अंतर्गत 27 जून से 10 जुलाई तक मोबिलाईजेशन पखवाड़ा (दंपति संपर्क पखवाड़ा) आयोजित होगा। इस दौरान स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं तथा मितानिनों द्वारा लक्षित दंपत्तियों में जागरूकता हेतु सही समय पर विवाह, स्वास्थ्य, जन्म अंतराल, प्रसव उपरांत परिवार नियोजन, परिवार नियोजन में पुरूष की सहभागिता एवं अबॉर्शन उपरांत परिवार नियोजन के बारे में जानकारी दी जाएगी साथ ही परिवार नियोजन के अस्थाई और स्थाई साधनो के बारे में भी अवगत कराया जाएगा। जिले में ग्रामीण स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस में भी उक्त जानकारी दी जाएगी। इसी प्रकार ग्राम पचायत स्तर पर नए अस्थाई परिवार नियोजन साधनों के बारे में चर्चा हेतु सास-बहू सम्मेलन का आयोजन पखवाड़े के माध्यम से किया जाएगा। जिसके अंतर्गत अन्तरा एवं छाया जैसे नए गर्भ निरोधक साधनों के बारे में विशेष जानकारी दी जाएगी।

11 जुलाई से 24 जुलाई 2023 तक जनसंख्या स्थिरीकरण पखवाड़ा आयोजित किया जाएगा। इस पखवाड़े में लक्षित दंपतियों को उनकी पसंद अनुसार परिवार नियोजन के अस्थाई साधन जैसे निरोध, ओरल पिल्स, छाया, अंतरा इंजेक्शन उपलब्ध कराया जाएगा। जिसे इच्छुक दंपत्ति अपने नजदीकी सभी स्वास्थ्य केन्द्रो तथा स्वास्थ्य कार्यकताओं से प्राप्त कर सकते है । 11 जुलाई से 24 जुलाई 2023 तक आयोजित पखवाडें में 16 जुलाई एवं 23 जुलाई 2023 दिन रविवार के अतिरिक्त जिला चिकित्सालय तथा सामुदायिक व प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र कोरबा, कटघोरा, पाली, करतला तथा पोंड़ी उपरोड़ा में महिला तथा पुरूष नसबंदी हेतु शिविर आयोजित किया जाएगा। विकासखण्ड पोंड़ी उपरोड़ा के पात्र इच्छुक दंपति जिला अस्पताल तथा किसी भी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में पुरूष एवं महिला नसबंदी आपसी समन्वय के साथ करवा सकते है। नसबंदी उपरांत हितग्राहियों को अंतराल महिला नसबंदी हेतु 2000 रूपए, प्रसवोत्तर महिला नसबंदी हेतु 3000 रूपए तथा पुरूष नसबंदी हेतु 3000 रूपए प्रोत्साहन राशि दिया जावेगा।मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने जिले के परिवार नियोजन के पात्र इच्छुक दंपतियों से अपील की है कि अपने परिवार को सीमित रखने हेतु परिवार नियोजन के अस्थाई तथा स्थाई साधन उपयोग कर परिवार नियोजन का लाभ लें, जिससे उनका परिवार सुखी एवं खुशहाल हो सके।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग (भ/स) संभाग-सूरजपुर (छ.ग)

निविदा आमंत्रण सूचना (प्रथम आमंत्रण)

क्रमांक-1776/NIT-05/2023-2024/व.ले.लि. ,दिनांक 23/06/2023

निविदा प्रपत्र क्रय करने हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथिः- 10/07/2023 अपरान्ह 5.30 बजे
ठेकेदारों द्वारा प्रस्तुत निविदायें प्राप्त करने की अंतिम तिथिः- 18/07/2023 अपरान्ह 5.30 बजे
निविदा खोलने की तिथि :- 19/07/2023 पूर्वान्ह 11.30 बजे से

एन.आई.टी. क्र./निविदा क्र.	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (लाख में)/अमानत राशि (रू.में)/बैंक साल्वेंसी (रू.में)
	विकासखण्ड- भैयाथान	
05, T0065	शा0प्राइ0 स्कूल बरोल ब्लाक भैयाथान में अतिरिक्त कक्ष शौचालय निर्माण कार्य	10.86, 8145.00/162900.00
05, T0066	शा0प्राइ0 स्कूल भवन कपसरा ब्लाक भैयाथान का निर्माण कार्य	11.96, 8970.00/179400.00
05, T0067	शा0मा0शा0 तरका ब्लाक भैयाथान में अतिरिक्त कक्ष का निर्माण कार्य	11.96, 8970.00/179400.00
05, T0068	शा0हा0से0 स्कूल चन्द्रमेढ़ा ब्लाक भैयाथान में अतिरिक्त कक्ष एवं टॉयलेट रिपेयर	12.70, 9525.00/190500.00
05, T0069	शा0हाई स्कूल केवरा ब्लाक भैयाथान में अतिरिक्त कक्ष एवं रिपेयर कार्य	12.70, 9525.00/190500.00
05, T0070	शा0मा0शा0 भंवराही ब्लाक भैयाथान में अतिरिक्त कक्ष एवं मरम्मत कार्य	12.70, 9525.00/190500.00
05, T0071	शा0हाई स्कूल राइ ब्लाक भैयाथान में भवन निर्माण कार्य	14.35, 10763.00/215250.00
05, T0072	शा0हाई स्कूल अनरोखा ब्लाक भैयाथान में अतिरिक्त कक्ष एवं टायॅलेट रिपेयर कार्य	14.35, 10763.00/215250.00
05, T0073	शा0हाई स्कूल कसकेला ब्लाक भैयाथान में अतिरिक्त कक्ष का निर्माण कार्य	14.72, 11040.00/220800.00
05, T0074	शा0के.जी.वी.बी.माध्यमिक स्कूल ब्लाक भैयाथान में अतिरिक्त कक्ष निर्माण कार्य	14.72, 11040.00/220800.00
05, T0075	शा0मा0शाला मासिरा ब्लाक भैयाथान में अतिरिक्त कक्ष का निर्माण कार्य	15.27, 11453.00/229050.00
05, T0076	शा0 बालिका हाई स्कूल दर्रीपारा ब्लाक भैयाथान में अतिरिक्त कक्ष का निर्माण कार्य एवं अन्य कार्य	16.56, 12420.00/248400.00
05, T0077	शा0मा0शाला हर्रापारा ब्लाक भैयाथान में अतिरिक्त कक्ष एवं शौचालय मरम्मत कार्य	16.56, 12420.00/248400.00
	विकाखण्ड -ओड़गी	
05, T0078	शा0प्रा0शाला बैजनपाठ ब्लाक ओड़गी में अतिरिक्त कक्ष का निर्माण कार्य	14.72, 11040.00/220800.00
05, T0079	शा0प्रा0शाला भुंडा ब्लाक ओड़गी में अतिरिक्त कक्ष का निर्माण कार्य	14.72, 11040.00/220800.00
05, T0080	शा0मा0शाला भुंडा ब्लाक ओड़गी में अतिरिक्त कक्ष का निर्माण कार्य	14.72, 11040.00/220800.00
05, T0081	शा0के.जी.वी.बी.मा0शाला ओड़गी ब्लाक ओड़गी में अतिरिक्त कक्ष का निर्माण कार्य	14.72, 11040.00/220800.00
05, T0082	शा0बा0प्रा0आश्रम धरसेंडी ब्लाक ओड़गी में अतिरिक्त कक्ष का निर्माण कार्य	15.27, 11453.00/229050.00
05, T0083	शा0मा0शाला बिहारपुर ब्लाक ओड़गी में अतिरिक्त कक्ष का निर्माण कार्य	15.27, 11453.00/229050.00
	विकाखण्ड - प्रेमनगर	
05, T0084	शा0बा0मा0आश्रम ब्लाक प्रेमनगर में अतिरिक्त कक्ष का निर्माण एवं डिस्मेंटल कार्य	15.27, 11453.00/229050.00
05, T0085	शा0हा0से0स्कूल भगवानपुर ब्लाक प्रेमनगर में अतिरिक्त कक्ष का निर्माण कार्य	15.27, 11453.00/229050.00
05, T0086	शा0मा0शाला रामेश्वरम ब्लाक प्रेमनगर में अतिरिक्त कक्ष का निर्माण कार्य	15.27, 11453.00/229050.00
05, T0087	शा0मा0शाला माझापारा ब्लाक प्रेमनगर में अतिरिक्त कक्ष का निर्माण कार्य	15.27, 8213.00/164250.00

नियम एवं शर्तेः-ई-पंजीयन के अंतर्गत श्री ''द'' से ''अ'' में पंजीकृत ठेकेदार निविदा में भाग ले सकेगे, निविदा प्रपत्र की कीमत 750.00 प्रति निविदा फार्म है, कार्य पूर्णता की तिथि 30/09/2023 तक (वर्षा ऋतु सहित)है। निविदा संबंधी अन्य शर्ते विभागीय व्रेबसाईट.cg.nic/pwdraipur में Live Tender के अंतर्गत निविदा प्रपत्र में उपलब्ध है। इनका अवलोकन संबंधित संभाग कार्यालय में किया जा सकता है।

कार्यपालन अभियंता
लोक निर्माण विभाग (भ/स) संभाग
सूरजपुर

जी.नं.-02735/1

आईसीसी क्रिकेट विश्व कप 2023 का शेड्यूल जारी

5 अक्टूबर से शुरुआत,इस तारीख को होगी भारत-पाक की टक्कर

अहमदाबाद,29 जून,2023। 2023 का वनडे विश्व कप 5 अक्तूबर को पिछले बार की विजेता इंग्लैंड और उपविजेता न्यूज़ीलैंड के बीच मैच से अहमदाबाद में शुरू होगा। 19 नवंबर को फ़ाइनल भी अहमदाबाद में खेला जाएगा, जबकि सेमीफ़ाइनल मैच 15 नवंबर और 16 नवंबर को क्रमशः मुंबई और कोलकाता में खेले जाएंगे।
मुंबई में हुए एक इवेंट के दौरान आईसीसी और बीसीसीआई ने बहुप्रतीक्षित विश्व कप का शेड्यूल जारी किया। यह टूर्नामेंट शुरु होने में अब सिर्फ़ 100 दिन बाक़ी हैं। ग़ौरतलब है कि 2015 और 2019 विश्व कप के कार्यक्रम 12 महीने पहले ही जारी कर दिए गए थे।
इस विश्व कप के 45 लीग मैच भारत के 10 शहरों धर्मशाला, दिल्ली, लखनऊ, कोलकाता, अहमदाबाद, मुंबई, पुणे, हैदराबाद, बेंगलुरु और चेन्नई में खेले जाएंगे। 2019 के विश्व कप की तरह इस विश्व कप में भी सभी 10 देश एक-दूसरे के ख़िलाफ़ लीग चरण में भिड़ेंगे। शीर्ष चार टीमें सेमीफ़ाइनल में पहुंचेंगी।
मेज़बान होने के कारण भारत ने विश्व कप में सीधा क्वालिफ़ाई किया है, वहीं 2022-2023 विश्व कप सुपर लीग में शीर्ष आठ में जगह बनाने के कारण अफ़ग़ानिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, बांग्लादेश, न्यूज़ीलैंड, पाकिस्तान और दक्षिण अफ़्रीका को भी सीधा प्रवेश मिला है। बाक़ी की बची दो टीमों का निर्धारण ज़िम्बाब्वे में चल रहे विश्व कप क्वालिफ़ायर से होगा, जिसमें श्रीलंका, वेस्टइंडीज़, आयरलैंड, नेपाल, नीदरलैंड्स, ओमान, स्कॉटलैंड, यूएई, यूएसए और ज़िम्बाब्वे की टीमें भाग ले रही हैं।
भारत का पहला मैच 8 अक्तूबर को चेन्नई में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ़ होगा। इसके बाद भारत को 11 अक्तूबर को दिल्ली में अफ़ग़ानिस्तान से, 15 अक्तूबर को अहमदाबाद में पाकिस्तान से, 19 अक्तूबर को पुणे में बांग्लादेश से, 22 अक्तूबर को धर्मशाला में न्यूज़ीलैंड से, 29 अक्तूबर को लखनऊ में इंग्लैंड से, 2 नवंबर को मुंबई में क्वालिफ़ायर 2 से, 5 नवंबर को कोलकाता में दक्षिण अफ़्रीका से और 11 नवंबर को क्वालिफ़ायर 1 से बेंगलुरु में भिड़ना है। भारत लीग चरण में सबसे अधिक यात्रा करेगा और उसके 9 मैच, नौ अलग-अलग जगहों पर निर्धारित हुए हैं।
पाकिस्तान को भारत में सिर्फ़ 5 शहरों में खेलना है, वहीं ऑस्ट्रेलिया अपने लीग चरण के 9 मैच, 8-8 अलग शहरों में खेलेगा। लीग चरण 12 नवंबर को इंग्लैंड और पाकिस्तान के बीच मैच से समाप्त होगा।
टूर्नामेंट शुरू होने से पहले 29 सितंबर से 3 अक्तूबर के बीच हैदराबाद, तिरूवनंतपुरम और गुवाहाटी में अभ्यास मैच खेले जाएंगे। मैचों का प्रसारण स्टार स्पोर्ट्स और हॉटस्टार पर किया जाएगा।

विश्व कप का पूरा शेड्यूल

स्थानों के अनुसार अनुसूची

अहमदाबाद
5 अक्टूबर- इंग्लैंड बनाम न्यूजीलैंड
15 अक्टूबर- भारत बनाम पाकिस्तान
4 नवंबर- इंग्लैंड बनाम ऑस्ट्रेलिया
10 नवंबर- दक्षिण अफ्रीका बनाम अफगानिस्तान
19 नवंबर- फाइनल

हैदराबाद
6 अक्टूबर- पाकिस्तान बनाम क्वालीफायर 1
9 अक्टूबर- न्यूजीलैंड बनाम क्वालीफायर 1
12 अक्टूबर- पाकिस्तान बनाम क्वालीफायर 2

धर्मशाला
7 अक्टूबर- बांग्लादेश बनाम अफगानिस्तान (दिन का मैच)
10 अक्टूबर- इंग्लैंड बनाम बांग्लादेश
16 अक्टूबर- दक्षिण अफ्रीका बनाम क्वालीफायर 1
22 अक्टूबर- भारत बनाम न्यूजीलैंड
29 अक्टूबर- ऑस्ट्रेलिया बनाम न्यूजीलैंड (दिन का मैच)

दिल्ली
7 अक्टूबर- दक्षिण अफ्रीका बनाम क्वालीफायर 2
11 अक्टूबर- भारत बनाम अफगानिस्तान
15 अक्टूबर- इंग्लैंड बनाम अफगानिस्तान
25 अक्टूबर- ऑस्ट्रेलिया बनाम क्वालीफायर 1
6 नवंबर- बांग्लादेश बनाम क्वालीफायर 2

चेन्नई
8 अक्टूबर- भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया
14 अक्टूबर- न्यूजीलैंड बनाम बांग्लादेश (दिन का मैच)
18 अक्टूबर- न्यूजीलैंड बनाम अफगानिस्तान
23 अक्टूबर- पाकिस्तान बनाम अफगानिस्तान
27 अक्टूबर- पाकिस्तान बनाम दक्षिण अफ्रीका

लखनऊ
13 अक्टूबर- ऑस्ट्रेलिया बनाम दक्षिण अफ्रीका
17 अक्टूबर- ऑस्ट्रेलिया बनाम क्वालीफायर 2
21 अक्टूबर- क्वालीफायर 1 बनाम क्वालीफायर 2 (दिन का मैच)
29 अक्टूबर- भारत बनाम इंग्लैंड
3 नवंबर- क्वालीफायर 1 बनाम अफगानिस्तान

पुणे
19 अक्टूबर- भारत बनाम बांग्लादेश
30 अक्टूबर- अफगानिस्तान बनाम क्वालीफायर 2
1 नवंबर- न्यूजीलैंड बनाम दक्षिण अफ्रीका
8 नवंबर- इंग्लैंड बनाम क्वालीफायर 1
12 नवंबर- ऑस्ट्रेलिया बनाम बांग्लादेश (दिन का मैच)

बेंगलुरु
20 अक्टूबर- ऑस्ट्रेलिया बनाम पाकिस्तान
26 अक्टूबर- इंग्लैंड बनाम क्वालीफायर 2
4 नवंबर- न्यूजीलैंड बनाम पाकिस्तान (दिन का मैच)
9 नवंबर- न्यूजीलैंड बनाम क्वालीफायर 2
11 नवंबर- भारत बनाम क्वालीफायर 1

मुंबई
21 अक्टूबर- इंग्लैंड बनाम दक्षिण अफ्रीका
24 अक्टूबर- दक्षिण अफ्रीका बनाम बांग्लादेश
2 नवंबर- भारत बनाम क्वालीफायर 2
7 नवंबर- ऑस्ट्रेलिया बनाम अफगानिस्तान
15 नवंबर- सेमीफ़ाइनल 1

कोलकाता
28 अक्टूबर- क्वालीफायर 1 बनाम बांग्लादेश
31 अक्टूबर- पाकिस्तान बनाम बांग्लादेश
5 नवंबर- भारत बनाम दक्षिण अफ्रीका
12 नवंबर- इंग्लैंड बनाम पाकिस्तान
16 नवंबर- सेमीफ़ाइनल 2

वर्ल्ड कप शेड्यूल आया सामने

तो कोहली और रोहित शर्मा ने कही अपने दिल की बात

नई दिल्ली,29 जून,2023। वर्ल्ड कप शेड्यूल आया सामने तो खुश हो गए विराट कोहली और रोहित शर्मा, दिल की बात आई जुबां पर आईसीसी ने वनडे वर्ल्ड कप-2023 का ऐलान कर दिया है। पांच अक्टूबर से ये वर्ल्ड कप शुरू होगा और 19 नवंबर तक चलेगा। इस वर्ल्ड कप में एक बार फिर भारत और पाकिस्तान की टक्कर देखने को मिलेगी। इन दोनों टीमों का मैच 15 अक्टूबर को नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा।भारत को अपना पहला मैच आठ अक्टूबर को चेन्नई में खेलना है।शेड्यूल जारी होने के बाद टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा काफी खुश नजर आए हैं। उन्होंने कहा है कि ये वर्ल्ड कप काफी प्रतिस्पर्धी होने वाला है। वहीं विराट कोहली भी इस शेड्यूल को लेकर खुश नजर आए हैं। उन्होंने कहा कि वह मुंबई में वर्ल्ड कप के मैच खेलने को लेकर उत्साहित हैं। विराट उस भारतीय टीम का हिस्सा थे जिसने 2011 में वर्ल्ड कप जीता था। भारत ने आखिरी बार वनडे वर्ल्ड कप अपने घर में ही जीता था। वहीं भारत ने आखिरी बार आईसीसी ट्रॉफी 2013 में चैंपियंस ट्रॉफी के रूप में जीती थी। टीम इंडिया इस बार 10 साल से चले आ रहे सूखे को खत्म करना चाहेगी।
रोहित ने कहा है कि घर में वर्ल्ड कप खेलना काफी अच्छा अनुभव होगा। उन्होंने कहा कि भारत ने 12 साल पहले अपने घर में वर्ल्ड कप जीता था और पूरे देश के लोग दोबारा हमें वर्ल्ड कप जीतते देखना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि ये वर्ल्ड कप काफी प्रतिस्पर्धी हो गया है क्योंकि अब क्रिकेट पहले से तेज हो गया है और बाकी टीमें पॉजिटिव क्रिकेट खेल रही हैं।
रोहित ने कहा कि उनकी टीम अक्टूबर-नवंबर में होने वाले वर्ल्ड कप की तैयारी में लगी हैं। रोहित उस भारतीय टीम का हिस्सा नहीं थे जिसने 2011 में वनडे वर्ल्ड कप जीता था। वह हालांकि उस टीम का हिस्सा थे जिसने 2007 में टी20 वर्ल्ड कप जीता था।

विराट को है इस बात का इंतजार

वहीं विराट को मुंबई में वनडे वर्ल्ड कप के मैच खेलने का इंतजार है। उन्होंने आईसीसी से बात करते हुए कहा कि वह निजी तौर पर मुंबई में खेलने को लेकर उत्साहित हैं।उन्होंने कहा कि वहां के माहौल में दोबारा खेलना शानदार होगा। भारत ने मुंबई के ही वानखेडे स्टेडियम में श्रीलंका को हरा 2011 में वर्ल्ड कप जीता था। कोहली ने कहा कि तब वह काफी युवा थे और उन्होंने देखा कि ये बात उनके लिए कितनी मायने रखती थी। उन्होंने कहा कि वह इस बात को समझ सकते हैं कि घर में वर्ल्ड कप जीतना कितना स्पेशल है।

भारत टी 20 सीरीज के लिए आयरलैंड की भरेगा उड़ान

डबलिन, 29 जून,2023। वेस्टइंडीज के खिलाफ पांच टी20 मैच खेलने और अगस्त में सभी प्रारूपों का विंडीज दौरा समाप्त करने के बाद, भारत महीने के अंत में खेल के सबसे छोटे प्रारूप में तीन मैचों की छोटी श्रृंखला खेलने के लिए सीधे आयरलैंड की उड़ान भरेगा। क्रिकेट आयरलैंड के एक बयान के अनुसार, भारत और आयरलैंड के बीच तीन टी20 मैच 18, 20 और 23 अगस्त को मालाहाइड में खेले जाएंगे।
भारत और आयरलैंड ने जून 2022 में दो मैचों की टी20 श्रृंखला खेली, जिसमें मेहमान टीम ने श्रृंखला 2-0 से जीती। क्रिकेट आयरलैंड के मुख्य कार्यकारी वॉरेन ड्यूट्रोम ने कहा, हम 12 महीनों में दूसरी बार आयरलैंड में भारतीय टीम का स्वागत करते हुए बेहद खुश हैं। हमारे 2022 में दोनों मैचों के सभी टिकट बिक गए थे, इसलिए इस साल तीन मैचों की श्रृंखला होने से और भी अधिक प्रशंसकों को इसका आनंद लेने का मौका मिलना चाहिए।
उन्होंने कहा,बीसीसीआई को हमारा हार्दिक धन्यवाद, सबसे पहले, भारतीय टीम के व्यस्त कार्यक्रम में आयरलैंड को लगातार शामिल करने और प्रशंसकों के अनुकूल कार्यक्रम सुनिश्चित करने के लिए हमारे साथ काम करने के लिए ड्ड शुक्रवार और रविवार को मैच होने से उम्मीद है कि प्रशंसकों की उपलब्धता अधिकतम होगी।
भारत 3-13 अगस्त तक वेस्टइंडीज के खिलाफ पांच टी20 मैच खेलने के बाद आयरलैंड पहुंचेगा। विंडीज के खिलाफ आखिरी दो मैच अमेरिका के फ्लोरिडा के लॉडरहिल में ब्रोवार्ड काउंटी क्रिकेट स्टेडियम में आयोजित होंगे। दूसरी ओर, आयरलैंड हाल ही में जिम्बाब्वे में चल रहे पुरुष एकदिवसीय विश्व कप क्वालीफायर के सुपर सिक्स चरण के लिए क्वालीफाई करने में विफल रहा, इस प्रकार 5 अक्टूबर से 19 नवंबर तक होने वाले मुख्य टूर्नामेंट के लिए भारत जाने का मौका चूक गया।

इंटर मियामी में हेड कोच बने गेरार्डो मार्टिनो

अर्जेंटीना ,29 जून,2023। इंटर मियामी को उसका नया कोच मिल गया है। इंटर मियामी ने आगामी मैचों और टूर्नामेंट के लिए क्लब के मुख्य कोच के तौर पर गेरार्डो मार्टिनो को नियुक्त किया है। इस नियुक्ति को लेकर एमएलएस पक्ष ने जानकारी साझा की है कि नया कोच नियुक्त होते ही एक बार फिर से गेरार्डो मार्टिनो और लियोनेल मेसी का साथ जुड़ गया है।
ये पहला मौका नहीं है जब 60 वर्षीय गेरार्डो मार्टिनो को कोच की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इससे पहले वर्ष 2013 से 2016 के बीच बार्सिलोना और अर्जेंटीना के लिए उन्होंने लियोनेल मेसी को कोचिंग दी थी। इस नई शुरुआत को लेकर क्लब की तरफ से बयान भी जारी किया गया है।

क्लब ने बताया कि एमएलएस कप और एमएलएस कोच ऑफ द ईयर पुरस्कार विजेता कोच, अर्जेंटीना और मैक्सिको की राष्ट्रीय टीमों, बार्सिलोना और अन्य टीमों के साथ अनुभव के साथ, अपने रोजगार कागजी कार्रवाई की प्रतीक्षा करते हुए क्लब में शामिल हो गए है।
क्लब के मैनेजिंग ओनर जॉर्ज मास ने कहा कि हमें लगता है कि वह एक ऐसे कोच हैं जो हमारी महत्वाकांक्षाओं से मेल खाते हैं और हम इस बात को लेकर आशावादी हैं कि हम साथ मिलकर क्या हासिल कर सकते हैं। टाटा ने उच्चतम स्तर पर प्रशिक्षण दिया है और हमारा मानना है कि अनुभव हमारे लिए बेहद फायदेमंद होगा।

मैनचेस्टर सिटी ने कोवासिच को चार साल के लिए अनुबंधित किया

लंदन,29 जून,2023। मैनचेस्टर सिटी ने चेल्सी के मिडफील्डर मातियो कोवासिच को चार साल के लिए अनुबंधित किया है। पिछले सीज़न में सिटी के तीन खिताब चैंपियंस लीग, प्रीमियर लीग और एफए कप जीतने के बाद कोवासिच गर्मियों में सिटी के पहले अनुबंधित खिलाड़ी हैं। 29 वर्षीय खिलाड़ी ने चेल्सी में पांच सीज़न में 221 मैच खेले, चैंपियंस लीग, यूरोपा लीग, फीफा क्लब विश्व कप और यूईएफए सुपर कप जीता, साथ ही 2019/20 में क्लब के प्लेयर ऑफ द ईयर का पुरस्कार भी जीता। कोवासिच ने क्लब के एक बयान में कहा, यह मेरे लिए एक शानदार कदम है, और मैं सिटी के साथ शुरुआत करने के लिए इंतजार नहीं कर सकता। जिस किसी ने भी पेप के तहत इस टीम को देखा है वह जानता है कि वे कितने अच्छे हैं ड्ड मेरे लिए, वे दुनिया में सर्वश्रेष्ठ हैं। उन्होंने जो ट्रॉफियां जीती हैं सभी के देखने के लिए स्पष्ट हैं, कि वे फुटबॉल की सर्वश्रेष्ठ टीम भी हैं।
उन्होंने कहा, इस टीम में शामिल होना वास्तव में किसी भी फुटबॉलर के लिए एक सपना है। मुझे अभी भी बहुत कुछ सीखना और विकास करना है, और मुझे पता है कि पेप के प्रबंधन के तहत मैं एक बेहतर खिलाड़ी बन सकता हूं, जो मेरे लिए वास्तव में रोमांचक है। अब मेरी योजना नए सीज़न की तैयारी के लिए मैनचेस्टर वापस आने से पहले कुछ सप्ताह आराम करने की है। मैं इस क्लब को शीर्ष पर बने रहने और अधिक ट्रॉफियां जीतने में मदद करना चाहता हूं।कोवासिच ने अब तक क्रोएशिया के लिए 95 मैच जीते हैं और वह अपने देश की टीम का अहम हिस्सा थे जो 2018 विश्व कप फाइनल में पहुंची थी और पिछले साल कतर में टूर्नामेंट में तीसरे स्थान पर रही थी। सिटी फुटबॉल निदेशक टिक्सिकी बेगिरिस्टेन ने कहा, कोवासिच एक उत्कृष्ट फुटबॉलर है। उसके पास शीर्ष स्तर के क्लबों में काफी अनुभव है और वह प्रीमियर लीग को समझता है। उसे सिटी में लाना एक बहुत ही सरल निर्णय था क्योंकि उसके पास वह सामरिक और तकनीकी गुण हैं जो हम एक मिडफील्डर में तलाशते हैं। वह ऐसा व्यक्ति है जिस पर हमने बहुत लंबे समय तक नजर रखी है और जब भी हमने उसे देखा है तो हम हमेशा प्रभावित हुए हैं। उन्होंने कहा, मुझे खुशी है कि वह यहां है। यह इस क्लब के लिए एक शानदार हस्ताक्षर है, और मैं यह देखने के लिए बहुत उत्साहित हूं कि वह पेप और हमारी बैकरूम टीम के साथ क्या कर सकता है ।

ब्यूटीफुल ब्लू कलर आउट फिट में श्रिया सरन लग रही हॉट

अजय देवगन की ऑनस्क्रीन वाइफ श्रिया सरन इन दिनों अपने लेटेस्ट तस्वीरों के कारण सोशल मीडिया पर चर्चाओं में बनी हुई हैं। वो अक्सर सोशल मीडिया पर अपने बोल्ड पोस्ट शेयर कर इंटरनेट का तापमान बढ़ा देती हैं। श्रिया सरन के बहुत से ऐसे लुक्स को देखकर फैंस भी दंग रह जाते हैं। इसी बीच एक बार फिर से एक्ट्रेस ने अपनी लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान की कुछ तस्वीरें इंस्टा पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में वो हॉट तो लग रही थीं लेकिन यूजर्स ने उन्हें बूरी तरह ट्रोल कर दिया है। साउथ और बॉलीवुड इंडस्ट्री की जानी-मानी एक्ट्रेस श्रिया सरन एक बार फिर से अपनी तस्वीरों के चलते सोशल मीडिया पर उप्स मूमेंट का शिकार हो गई हैं। हाल ही में फोटोशूट के दौरान एक्ट्रेस ने बेहद ही ब्यूटिफुल ब्लू कलर का आउटफिट पहना हुआ था। एक्ट्रेस अपने इस आउटफिट में हॉट नजर आ रही थीं,

ऋतिक रोशन के साथ फिर धमाल मचाएंगी वाणी कपूर

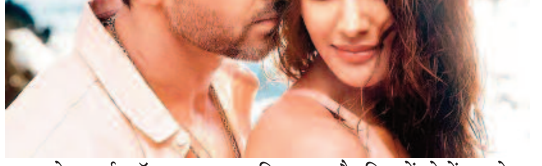

ऋतिक रोशन और वाणी कपूर को आपने फिल्म वॉर में देखा होगा और पसंद भी किया होगा। अब एक बार फिर दोनों साथ आ रहे हैं और वे इसे लेकर बेहद उत्साहित हैं। खासकर वाणी की खुशी का ठिकाना नहीं है। उन्होंने हाल ही में इस खबर की पुष्टि करते हुए कहा कि वह ऋतिक के साथ फिर धमाल मचाने को तैयार हैं। ऋतिक और वाणी यूके टूर के लिए साथ रहे हैं। वाणी का यह पहला टूर है और इसलिए वह सातवें आसमान पर हैं। सबसे ज्यादा उत्साह उन्हें ऋतिक संग परफॉर्म करने का है। उन्होंने मीडिया से कहा, ऋतिक के साथ मंच साझा करना एक खास पल और सुखद अहसास है। वह बेहद प्रतिभाशाली और असाधारण कलाकार हैं और मैं इस अवसर को पाकर बहुत खुश हूं। मैं उन कभी न भूलने वाले पलों को जीने के लिए बहुत उत्साहित हूं। वाणी ने आगे कहा, मैं सौभाग्य से कई सुपर-डुपरहिट गानों का हिस्सा रही हूं। फिर चाहे वो सुशांत सिंह राजपूत के साथ गुलाबी हो, रणवीर सिंह के साथ नशे सी चढ़ गई हो या फिर ऋतिक के साथ घुंघरू हो। इन सभी गानों की दीवानगी लोगों के सिर चढ़कर बोली है। इन गानों की दुनियाभर में जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है। अब घुंघरू के बाद वाणी फिर ऋतिक के साथ कदम से कदम मिलाने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। ऋतिक और वाणी के इस टूर को स्टार्स ऑन फायर नाम दिया गया है, जिसमें दोनों अपने धमाकेदार डांस से मंच पर आग लगाएंगे। इसका आयोजन 1 सितंबर को लंदन के ओवीओ एरिना में और 2 सितंबर को लीड्स के फर्स्ट डायरेक्ट एरिना में होगा।
फिल्म वॉर के लिए ऋतिक और वाणी पहली बार साथ आए थे। यह ब्लॉकबस्टर रही थी। फिल्म में टाइगर श्रॉफ भी थे और दोनों सितारों का एक्शन देख हर कोई उनका फैन बन गया था। इसके साथ ही यह फिल्म भारत ही नहीं, विदेशो में भी खूब पसंद की गई थी। वॉर का निर्देशन सिद्धार्थ आनंद ने किया था। 170 करोड़ रुपये के बजट में बनी इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 450 करोड़ रुपये कमाए थे। वाणी जल्द ही यशराज फिल्म्स की सीरीज मंडाला ब्रदर्स में नजर आएंगी। यह एक क्राइम थ्रिलर सीरीज है, जिसका निर्देशन गोपी पुथरन ने किया है। इसके अलावा वह फिल्म सर्वगुण संपन्न में नजर आएंगी। इसके उनके साथ अभिनेता इश्वाक सिंह हैं। इसमें 90 के दशक में सेट की गई एक अनोखी कहानी देखने को मिलेगी। यह एक सोशल कॉमेडी फिल्म है। दूसरी तरफ ऋतिक को दीपिका पादुकोण और अनिल कपूर के साथ फिल्म फाइटर में देखा जाएगा।

फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी का पहला गाना तुम क्या मिले रिलीज

करण जौहर निर्देशित फिल्म 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' का टीजर हाल ही में लॉन्च होने के बाद अब इसका पहला गाना 'तुम क्या मिले' रिलीज हो गया है। फिल्म के टीजर में प्रोड्यूसर करण जौहर ने बिना किसी डायलॉग के इस गाने को बैकग्राउंड में जोड़ दिया है। 3 मिनट 21 सेकंड का गाना पूरी तरह से बर्फीले इलाके में शूट किया गया है और आलिया की शिफॉन साड़ियों ने ध्यान खींचा है। इस गाने को प्रीतम ने कंपोज किया है और इसके बोल अमिताभ भट्टाचार्य ने लिखे हैं। ऐसा कहा जाता है कि बॉलीवुड का कोई भी फिल्मी गाना मशहूर गायक अरिजीत सिंह के बिना पूरा नहीं होता। फिल्म 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' को अरिजीत की जादुई आवाज का साथ मिला है। युगल गीत तुम क्या मिलेज्को लोकप्रिय गायक अरिजीत सिंह और गायिका श्रेया घोषाल ने गाया है। गाने के रिलीज होने के बाद नेटिजन्स फिल्म के एक्टर्स से ज्यादा अरिजीत और श्रेया की आवाज की तारीफ कर रहे हैं। फिल्म में रणवीर सिंह (रॉकी रंधावा) और आलिया भट्ट (रानी चटर्जी) का किरदार निभाएंगी। टीजर में आलिया ज्यादातर सीन्स में साड़ी पहने नजर आ रही हैं। करण जौहर ने 7 साल बाद डायरेक्टर की जिम्मेदारी संभाली है। इस फिल्म में आलिया भट्ट के अलावा रणवीर सिंह, दिग्गज अभिनेत्री जया बच्चन, अभिनेता धर्मेंद्र, शबाना आजमी भी प्रमुख भूमिका में हैं। यह फिल्म 28 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

पहली ही बारिश में नदी में समा गया 16 करोड़ का पुल

» कैमरे में कैद हुई घटना

» अधिकारी ने ठेकेदार को जारी किया कारण बताओ नोटिस

रायपुर/दुर्ग, 29 जून 2023(ए)। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में शिवनाथ, आमनेर और सागनी नदी के संगम पर स्थित सगनी घाट पर 16 करोड़ रुपये की लागत से बन रहा पुल बह गया। निर्माणाधीन पुल के नदी में बह जाने का नजारा एक स्थानीय व्यक्ति के मोबाइल कैमरे में कैद हो गया। उस व्यक्ति का कहना है कि इलाके में पिछले 4 दिन से बारिश हो रही थी। वह घाट पर नदी का जलस्तर देखने गया था और तभी वहां सिल्ली और ननकट्टी गांव को जोड़ने के लिए बनाया जा रहा पुल ढह गया और बहने लगा। अधिकारियों ने उक्त वीडियो पर कहा कि अभी पुल में केवल स्टेजिंग और शटरिंग का काम किया गया था। उसमें कंक्रीट नहीं डला था। अधिकारी ने बताया कि ठेकेदार को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

सगनी घाट पर 16 करोड़ की लागत से बन रहा था पुल

मिली जानकारी के 16 करोड़ रुपये की लागत से दुर्ग जिले के सगनी घाट पर बन रहे पुल का निर्माण कार्य 11 नवंबर 2020 को शुरू हुआ था और इसे 11 अप्रैल 2022 तक पूरा हो जाना चाहिए था। इसका मतलब है कि पुल निर्माण पहले ही डेडलाइन की सीमा को 1 साल पार कर चुका है। जो वीडियो सामने आया है उसमें साफ देखा जा सकता है कि पहले तो

निर्माणाधीन पुल ढहकर मलबे में तब्दील हो जाता है और फिर नदी में बह जाता है। घाट पर इस दौरान काफी संख्या में स्थानीय लोग भी खड़े दिखाई दे रहे हैं। अधिकारियों ने कहा कि दुर्ग जिले में पिछले 4 दिन से लगातार बारिश हो रही है। मोगरा जलाशय से 24,000 क्यूसेक पानी शिवनाथ नदी में छोड़ा गया है। अधिकारियों का तर्क है कि इस अचानक आए पानी का प्रवाह पुल का ढांचा नहीं सह सका और बह गया।

जिले में पुल विभाग के एक्जीक्यूटिव इंजीनियर डीके माहेश्वरी ने बताया कि ठेकेदार को मानसून से पहले काम पूरा करने को कहा गया था लेकिन वह ऐसा करने में सफल नहीं रहा। उन्होंने कहा कि सभी ठेकेदारों को विभाग की ओर से स्पष्ट निर्देश है कि यह जरूरी काम मानसून से पहले निपटा लिए जाएं लेकिन इसकी अनदेखी की गई। यही वजह है कि जब पानी का प्रवाह आया तो संरचना बह गई। उन्होंने कहा कि फिलहाल उसमें केवल स्टेजिंग और शटरिंग का काम किया गया था। उसमें कंक्रीट नहीं डाली गई थी। उन्होंने कहा कि 12 लाख रुपये का नुकसान हुआ है जिसका वहन ठेकेदार करेगा। उसे कारण बताओ नोटिस भी जारी किया है।

बिहार में भी ऐसी ही घटना सामने आई थी जहां खगड़िया जिले में गंगा नदी पर 1,700 करोड़ रुपये की लागत से बन रहा निर्माणाधीन पुल ढह गया। वहीं, पिछले शनिवार को किशनगंज में भी निर्माणाधीन पुल का एक हिस्सा ढह गया।

डा. रमन ने कांग्रेस पर कसा तंज

कांग्रेस ने 120 दिनों के लिए झुनझुना पकड़ा दिया

» बाकी 4 महीने के लिए महराज जी को बधाई

रायपुर, 29 जून 2023(ए)। टीएस सिंहदेव को छत्तीसगढ़ का उपमुख्यमंत्री बनाए जाने पर जहां श्री सिंहदेव के समर्थकों में हर्ष व्याप्त हो गया है तो भाजपा नेताओं ने इस पर तंज भी कसा है। पूर्व मुख्यमंत्री डा. रमन सिंह ने 4 महीने के लिए उपमुख्यमंत्री बनाए जाने की बधाई तो दी है साथ ही यह भी जता दिया है कि अब कांग्रेस की नैया पार नहीं होने वाली। वहीं वरिष्ठ भाजपा नेता बृजमोहन अग्रवाल ने इसे थोपा गया आदेश करार दिया है।

शांत और सौम्य स्वभाव के धनी, सरगुजा महाराज के नाम से विख्यात कांग्रेस नेता टीएस सिंहदेव को कल अचानक दिल्ली में चल रहे छत्तीसगढ़ कांग्रेस कमेटी की बैठक के बाद उपमुख्यमंत्री बनाने की घोषणा की गई। प्रदेश के मुखिया भूपेश बघेल ने इस पर खुशी जताते हुए टीएस सिंहदेव के साथ अपनी फोटो ट्वीट करते हुए लिखा- हैं तैयार हम, महाराज साहब को उपमुख्यमंत्री के रूप में दायित्व के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं।

दूसरी ओर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री डा. रमन सिंह ने टीएस सिंहदेव को उपमुख्यमंत्री बनाए जाने पर तंज कसते हुए लिखा-डूबने लगी कश्ती तो कप्तान ने कुछ यूं किया, सौंप दी है पतवार आधी दूसरे के हाथ में....

बाकी 4 महीने के लिए महराज जी को बधाई।

पूर्व सीएम रमन सिंह ने कहा कि कांग्रेस ने टीएस सिंहदेव को डिप्टी सीएम बनाया है, 120 दिनों के लिए उन्हें 'झुनझुना पकड़ाया' दिया गया है। टीएस सिंहदेव खुश नजर आ रहे हैं। कांग्रेस सामूहिक चेहरे पर चुनाव लड़ेंने का निर्णय लिया है। इससे साबित होता है कि अब भूपेश चेहरा नहीं होंगे। आपको बता दें कि टीएस सिंहदेव को डिप्टी सीएम बनाया गया है। जबकि नंदकुमार साय को कैबिनेट मंत्री का दर्जा दिया गया है। सीएम भूपेश बघेल ने दोनों मंत्री को

बधाई भी दी है।

बृजमोहन बोले...5 साल अपमान झेले...एक विभाग छोड़ना पड़ा...3 महीने में क्या कर लेंगे ?

विधायक व पूर्व मंत्री बृजमोहन ने कहा -सिंहदेव को उपमुख्यमंत्री बनाकर कांग्रेस नेतृत्व ने मुख्यमंत्री बघेल को शायद दागदार मान लिया है, ढाई साल कांग्रेस शासनकाल में हुए अपने अपमान का बदला सिंहदेव जरूर लेंगे

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ विधायक और पूर्व मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने मंत्री टी.एस. सिंहदेव को उपमुख्यमंत्री बनाए जाने पर कांग्रेस और प्रदेश सरकार पर कटाक्ष करते हुए कहा है कि केन्द्रीय नेतृत्व के दबाव में टी एस सिंहदेव ने उपमुख्यमंत्री का पद तो मन मसोसकर स्वीकार कर लिया है, पर क्या वह मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को स्वीकार कर पाएंगे, जिन्होंने पौने पांच साल के शासनकाल में उन्हें हर मौकों पर अपमानित किया है। श्री अग्रवाल ने कहा कि जो पौने पांच वर्ष तक अपमान के घूंट पीते रहे और जिन्हें अपना एक मंत्रालय तक छोड़ना पड़ा, वह सिंहदेव तब कुछ नहीं कर पाए तो अब बाकी बचे तीन महीनों में क्या खाक कर पाएंगे?

बीजेपी के पूर्व मंत्री ने कहा कि सिंहदेव को उपमुख्यमंत्री पद का झुनझुना थमाकर भी कांग्रेस को इससे कोई फायदा नहीं होने वाला है। सिंहदेव ने उपमुख्यमंत्री पद तो स्वीकार किया है, लेकिन पूरे कांग्रेस शासनकाल में मुख्यमंत्री बघेल द्वारा किए गए अपने अपमान का बदला अगले विधानसभा चुनाव में वे जरूर लेंगे। श्री अग्रवाल ने कहा कि इस ताजा फैसले से कांग्रेस को नुकसान ही होगा। उपमुख्यमंत्री पद स्वीकार करने से सिंहदेव का भी बचा-खुचा जनाधार व इज्जत खत्म हो जाएगा, और उनकी पदलोलुपता प्रदर्शित हो गई है और इससे भाजपा को ही राजनीतिक लाभ मिलेगा। श्री अग्रवाल ने कहा कि जिस सरगुजा संभाग से उपमुख्यमंत्री सिंहदेव आते हैं, वहां के पूरे कार्यकर्ता सिंहदेव से इन साढ़े चार वर्षों के कार्यकाल में नाराज हो चुके हैं।

भाजपा विधायक व पूर्व मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि उपमुख्यमंत्री पद पर सिंहदेव की नियुक्ति से यह साबित हो गया है कि कांग्रेस के केंद्रीय नेतृत्व ने भी इस बात को स्वीकार कर लिया है कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल दागदार हो गए हैं। शराब और कोयला घोटाले में ईडी ने जो जांच की है, उससे साफ है कि मुख्यमंत्री बघेल इसमें शामिल हैं। बीजेपी विधायक ने कहा कि आने वाले समय में रेत घोटाला, जमीन घोटाला, जंगल घोटाला, धान घोटाला, डीएमएफ घोटाला, ये सब भी सामने आएंगे। इससे यह भी स्पष्ट है कि मुख्यमंत्री बघेल के सत्ता से जाने का समय आ गया है। श्री अग्रवाल ने सवाल किया कि ऐसे हालात में उपमुख्यमंत्री पद स्वीकार करने वाले सिंहदेव भी क्या इन घोटालों में शामिल होंगे?

नंद कुमार साय को मिला कैबिनेट मंत्री का दर्जा

रायपुर, 29 जून 2023(ए)। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा नंद कुमार साय को कांग्रेस सरकार ने नई जिम्मेदारी दी है। उन्हें छत्तीसगढ़ राज्य औद्योगिक विकास निगम का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। इस पद के साथ उन्हें सरकार ने कैबिनेट मंत्री का दर्जा मिल गया है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने साय को नए दायित्व के लिए बधाई और शुभकामनाएं दी।

नंद कुमार साय ने विधानसभा चुनाव से पहले बीजेपी को बड़ा झटका दिया था। साय ने अप्रैल में बीजेपी छोड़ने की घोषणा की थी। उनकी इस घोषणा के बाद बीजेपी में हड़कंप मच गया था। उन्होंने बीजेपी पर उपेक्षा का आरोप लगाते हुए अपनी सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था। पूर्व सांसद और आदिवासी नेता नंदकुमार साय ने बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव को पत्र लिखकर पार्टी छोड़ने की जानकारी दी थी। बीजेपी छोड़ने के बाद उन्होंने कांग्रेस की सदस्यता ले ली थी।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा साईं ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)